

RAPIDEX

रिकी वाश्ला

न्श्रिकिश कार्ञ

हिन्दी बगला

स्पिकं कोर्स



সুলেখা প্রকাশনীর প্রকাশিত বইসমূহ শিক্ষা বিষয়ক বই मृत्वया त्रािंभिष्ठक- व्यातवी, वांश्मा ६ देशतबी स्मिकिः कार्म इंकि वाःला स्निकिः कार्म 🔾 ইংরেজী কি এতই সহজ 🔾 সুলেখার ইংরেজী কি এতই সহজ্ব 🔾 আমি হিটলার বলছি ধর্মীয় 🔾 २यत्रज मृशायम (मः) এत जीवनी সুরা ইয়াছীন মরণের পরে বাংলা উচ্চারণ ও অর্থসহ সুরা আর রহমান 😝 জান্নাতের নেক আমল 0 সূলেখা নামাজ শেখা বাংলা উচ্চারণ ও অর্থসহ সলেখার- পাঞ্জেগানা অজিফা 🗘 সুরা মোজাশ্বিল বিষাদ সিদ্ধ বাংলা উচ্চারণ ও অর্থসহ সুলেখার- সাত ছুরা সুলেখার- চার ছরা 0 0 বেহেন্ডের মেওয়া বা আদর্শ নারী শিক্ষা ডেল কার্নেগী পারিবারিক জীবনে সুখী হবার উপায় দুচিন্তাহীন নৃতন জীৱন 0 🔾 আপনার সৃখ-শান্তি ও উনুতি স্বামীর সাফল্যে স্ত্রীর কর্তব্য কি? 0 প্রতিপত্তি ও বন্ধু লাভ 🗘 দৰ্ভোম্মক সফল জীবন 0 तार्थ इंड्यात कात्रण तारे 0 সুগুণক্তি ও ঘুমন্ত প্রতিভা আঅশ্ভিতে জীবন সমস্যার সমাধান সাফল্যের চাবী 0 ইছাশক্তিতে লক্ষ্য অর্জন সুষী হবার গোপন পথ . সুচিন্তার নতুন জীবন ব্যক্তিত্বের বিকাশ 0 🔾 হতাশ মুক্ত সুন্দর জীবন আত্ম বিশ্বাসে সাফল্য

ডঃ স্থ্রৎফর

🔾 মহা জীবন

🖸 ধর্ম জীবন 🔾 উন্নত জীবন 🔾 যুবক জীবন মানব জীবন

🗘 উচ্চ জীবন প্রীতি উপহার মহৎ জীবন 🖸 পথ হারা ১. ২. ৩

বাসর উপহার

থা প্রকাণ

৩৬, বাজাবাছার (সোতলা) ঢাকা- ১১০০



Rapidex Hindi Bengali Speaking Course



স্পিকিং কোর্স



स्पिकं कोर्स

সংকলনঃ বিম, এস, খান

পরিবেশনায়ঃ

সুলেখা প্রকাশনী

৩৬, বাংলাবান্ধার (দাতলা), ঢাকা–

প্রকাশকঃ মোঃ কিবরিয়া রামগঞ্জ, সন্মীপুর।

প্রথম প্রকাশ –১লা বৈশাখ ১৩৯৬ বাংলা দিতীয় প্রকাশ– ১৩৯৭ বাংলা

মূল্য ঃ সাদা ৪৫.০০ টাকা মাত্র। নিউজ ৩৫.০০ টাকা মাত্র।

মুদ্রণেঃ ইসমাঈল প্রিন্টিং প্রেস লালমোহন সাহা ষ্টীট্ ঢাকা-১১০০। हिन्दी - बंगला स्वरवर्ण हिन्दी - वाश्ला श्वतवर्न

क्रिक् अ हर रश আ उउँ ऋ 3 अः

বিঃ জ্ব:—ছিন্দীতে লু (১) ও লু (১) ব্যবহার নাই।

क्यंजनवर्णः राज्यनवर्ण

क शं शं घ छ च छ ज भ ञ ठ छ ज या अ ट ठ ड ढ ण

5 ण 力 5 ণ 5 ড ध द न 4 ধ थ দ

A यन ব-श ल 31 র ल বু ह ţ क्ष

় বিঃ জঃ—য়-এর ব্যবহার হিন্দীতে নাই।

शतिरिक्त वर्ण (অভিরিক্ত বর্ণ)

क्षत्र ज्ञाह्र ह

হিন্দীতে উপরোক্ত বর্ণগুলিকে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

स्वरवर्ण की परीक्षा (ज्ञु वत्रु व्हु की भन्नीकृष्टा)

उ ए आ ओ इ हा उ উ এ আ 📤 ই ৯ উ ऋ ई औ अ ऐ अं अः খা ঈ ঔ অ ঐ অং অঃ

व्यञ्जनवर्ण की परीक्षा (अग्राम्बम् अग्रत्षः की शंत्रीक्षा)

हहतक घर ठ एड ७ ७ कथ म (9)

ज ब भ 刊. ₹ फ ध A **W** ব্ৰ **S** ফ 三 ष थ ह य ख ग् न **P** ≤, 7 2 2 3 2 श ड़ Ğ ण ल ञ छ 2 囡 5 9 **ट**न 63 ट Ħ व ढ स দ্ম प 5 5 N ₹**7** 5 ञ क्ष : **ক্ষ** 2 8

स्वरवर्णं का संकेत (श्वतवर्णंत अश्रक्ड)

इ=*f* = 3 ब == धा =ा **35 =** ₹=[**₹**=1 ৳= **41**=1 উ=ু **v=** ऐ=1 लो =ो क्षो=ो 3=১ 1)=8 8=1 **4**=(

व्यञ्जनवर्ण के साथ स्वरवर्ण जोड़ने का तरीका वाक्षनवर्णत मरज प्रतर्व मःरयाजन निग्नम

हिन्मी प्रत्रवर्व ও व्यक्षनवर्णत ज्ञान

থা — হিন্দীতে অ-এর উচ্চারণ্ কতকটা অ-এর মাত।

য় — ই-এক উচ্চারণ ক্রত।

য় — উ-এর উচ্চারণ ক্রত।

য় — উ-এর উচ্চারণ আয়্এর মত।

অৗ — ঐ-এর উচ্চারণ আপ্-এর মত।

— শ্-এর উচ্চারণ ব-এর মত।

- শ্-এর উচ্চারণ হ-এর মত।

এছাড়া অস্থান্ত স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ বাংলার মত।

ব্যক্ষনবর্ণের উচ্চারণ নিম্নভাবে করতে হয়।

য় — ভ-এর উচ্চারণ হিন্দীতে 'অঙ'।

बारहंखड़ीयाँ (श्वतिक जमूट्यत (यांत)

कुकू कुके के की की कि की 45 কী কু কু কু কে কৈ কো **किं ₹** ₹: खि सी खु सू ख़ से से सो सी ख खः খে থৈ খো থি Û યુ યૃ યુ খ খ: गी गुगूगु गे गै गो ก่ गि ग गः গি গী গু গু গু গৈ গো গৌ গা গং গ গঃ घी घु घू घृ घे घे घो घो घि घ: ঘ षी पृघ् एव रेव रवा ঘি ঘা ঘং ঘ: 1

चा चि ची चु चू चे चे चो चो चं चः ं वि ह ह क के क व Б Þ Б° Б: छु चू छृ छे छै छो छौ छि छी छं छ: छ ছু হু ছে ছৈ ছো ছো ছং ছি ছী ছ হা ছ जा जिजी जुजूज़ जे जैजो जी जंजः ল का कि को ज़ुक् कु स्व रेक स्वा को कः कः 먁 मित मेती मुत्र भू मृत मेते मेते मते मते मते मते म 퐨 का ચુ **ચૃ લ્યા દેવા લ્યા લ્યો વાર ચા** वि भी वृ ঝা ঝ इ दे दे दो दो दं दः टि टी दु दू टा ऎ् हिं हिं. हिं हिं हिं र्चू ট 11 ि है। हें हैं ठृठे ठैठो ठी රි ව් ठं ठः उ द ठ ठा हि ही ş है है कि कि की के है भ 5 डी हु हु है है हो हो है ह डि ₹ **હ્ર હૃ** હૃ હૃ હિ હિ હો **હઃ હઃ** ডি , ডা ए । ्दीं दुदृदृदे हैं दो दी दंदः ढि ढा ड र्ग राज्य र छो ß जे ঢো 5 G Ģ णू गू गृ यो यो गो गो या ग्गी िए णा गु न् न् न् त रेन ता नी લો .41 ণি 9 तुत् व ते ते तो ती ति ती स ता ष्ट्र पृष्ट रिक रहा रहे। यह यह তি তী ভা 3

थे थे थे यि थी यो यं ध् य या ध्र थ for থী े्थ থো લ્યો 4 পা 4 থে থ ধ্ दी. दि दे दे दौ दो ₹ दु द् ₹ ਫ: H नी Ą TI ेप ছ q 7 (4 দো मि **F**: W: धे धि घी घे धो धौ ម់ घ धा धु ध् घृ ម: धी લ્યા લ્યો 4 ধা বি ধু 됳 ধে देश ধং 4: ধ্ ने नै नो नी नी तं तः नि नृ न ना नु नू નિ नी ता तो दः गः 4 না মু নে टेन नृ નૃ पै पे पौ पि पी पो र्पं पः g T. पा प्र पू পী পে পৈ (બો બર બર পি পু পো ۲۹ পা পূ পৃ र्फ फे फो फौ फि फी फु **F** फं **4**5 का ሟ ফো ফং ফি े्य ফো ₹ ফা ফা ফু ফূ य•्र ফে बि बे बै बो बौ बी बा बु ब् Ţ बः 4 ব্ বৈ वो বা বি বী ৰু বু বে বো বং ব বঃ भै भे भो भौ મં भि भी भ \mathbf{E} भू મૃ ভে ভৈ ভো ভৌ ଟ୍ର ভি ক ৰ ₩ ভা ভূ मू मृ में मै मो मौ सं मि मी मु सः स মী মে মৈ মো মৌ মি यू यू यू মং ম: ম মা यु यू ये ये यो यौ यि यी यं य: य या यी. यू यृ यृ स्य रेय स्था यि त्यो যা य

रियो हरू अहरे रे रो री ť य त ति ता রে রি রী ₹ ক্র ₹: রা **₹** बी लुद्ध के बें बो ਰੀ ন্তি ਫ नौ जून न ल ल लालो नि লা 9 वी वू वृष्टु वे वे वो वौ वि व: a वा ৰি बी वृत् वृत् रात वा वो বা ৰ: ব शाशि शी शुशू शुशे शै शो शौ शं ₹ĭ 😎 मृभुत्म तेन त्मात्मी भः শাশি শী 4 षि षी बे षे षो वो g ब्ब ৰি वी यू वृंव ৰৈ ৰো ৰৌ ৰে यः ₹: सु सू से से धि सी सो सी R स: সী সৌ मः मि जुरुक रम रेभ স সু *ম*ো 7: हा हि ही हे है हो हो ह ₹ 夏 हं ₹: হা হি হী হ द दे दा दो 3 2 ₹: হ্য क्षा कि की सुक्ष के के की की क्षं क्ष क्षः কাকি কীকুকুক, কেকৈ কোকৌ 7 ক: त्रे त्रे त्रो त्रो त्रं त्रा त्रि त्री त्र त्र त्रू त्रृ র: ত্রা ত্রি ত্ৰী व्यक्त ज व्य वि व्या व्यो वर ত্ৰ ত্ৰঃ कि सी सु सू से से सो सो सी श क्का किन की क्यू क्यू क्यू क्या किन क्या किन क्या উপরোক্ত নিয়মেই অক্সান্ত ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরচিহ্ন যুক্ত হবে।

पाठ-१ (প্রথম পাঠ)

दो अक्षरों के मेल (पूरे अक्ट ज़त्र ज़िलन)

फ र	দন্ত	रस	वन	नर
कर्	यंज्	রস্	বন্	নর্
घर	मत	रथ	रख	ध्यब
ঘর্	মভ্	त्रश	রখ্	অব ্
गम	छल	সৰ .	अब	तब
গম্	দ ল্	জ্ব	অব্	ভব

वाक्यं रचना (राकः) क्रमा)

कर मत (कर् मष्) — कः उना।
फल चख (क्ल् हथ्) — कन छात्र।
रस भर (त्र च्छ्) — त्रम छात्र।
मत बन (भष् वन्) — इरेड ना।
घर चछ (पत् हल्) — पत हल।
रथ पर चढ़ (त्रथ् भृत हर्ष्) — त्राथत छन्त हु।

तिन अक्षरों के मेळ (जिन अक्स्टात्र मिनन)

धचल	ज रूस	सरल	मरण
অচল্	অলস্	সরল্	মরড় ্
ज गत्	कपट	भवन	कदर
অ গং	কপট	ভ ও্য়ন্	₹ पत्

शरण	समय	चरण	शहर
শরড়	সম্ম্	চরড়	শহর্

वाक्य रचना (वांका क्रमा)

अलस मत बन (कनम मक् वन्)—कृष्ण इहेश ना । सरस्र सहक (मदन् मज़्क्)—माक्षा दाखा । भवन चल (छश्यन् हन्)—चरत्र हन । चरण पकड़ (हत्र हुँ भक्ष्)—हत्र ध्व । शहर चल (सहत् हन्)—महर् हन ।

चार अक्षरों के मेल (हात्र अक्रदत्रंत्र भिनन)

नटखट	मद्भंट	अजगर	चटपट
নট্থট্	ঝট্পট্	অজগর্	চট্পট্
जलचर	गरदन	अव सर	शरवव
জলচর্	গরদন্	অ ওসর	শরবত্ত
शतद्	बरगैद	कटह्ल	कसरत्
শতদল্	বরগদ্	কট্হল্	কস্রত

वाक्य रचना (रोका त्रह्मा)

नटस्बट मत बन (निष्ये में में वन् ।— ११ देव नो । माउपट चल (यहें ११ हम्) — लाज़ाला जिल्ला। गरद्न पकड़ (গর্পন্ পকড়্)— चाড়ে ধর। बरगद पर अजगर (বর্গন্ পর্ অজগর্)—বটগাছের উপরে অজগর। कटहुँ অল্ল (কট্হল্ চধ্) — কাঁঠাল খাও।

पाँच अक्षरों के मेल (शाँह अक्दात मिनन)

ध्यतरण **च**स्छत्रफ सद्ख्बल সদন্বন

जयनगर **ज**यनगर

बाक्य रचना (वाका क्राज्ञा)

अवतरण कर (अ७ ्छ दुष्ट्रं कर्)—निष्ट नाम । सदछबछ चछ (मम्म्यम् छम्) मम्मयण छम । जयनगर चछ (अग्रनगर छम्) - अग्रनगर छमा ।

पाठ-२ (षिठौर् পार्ठ)

मात्राधों का प्रयोग (माजां के का व्यात्रां) आ की मात्रा—आकांत्र (योग आ—ा क+ा=का (का)

काम	भाम	नाम	•	राम
কাম্	थाम्	নাম্		রাম.
हाथ	साढ	ना छ		दाळ
হাণ	সাল	জ্বাস		मान-

रमा	ज वा	द्वा	नाव
রমা	ख न्धग्र;	দভ্য়া	নাও্
आवाज	जवाब	स्वाङ	सलाह
আৎয়া জ	জ ও্য়াব্	সভ্য়াল্	সলাহ
दाङान	गुलाम	जवान	कामान
पाना न्	সলা ম্	छ ७ ग्रान्	কামান্ .
सङ्गावट	महाराज	बनारस	बनावट
স জা ওগ্নিট্	* মহারাজ্	বনারস্	বনাৎয়ট্

वाक्य रचना (राका क्रमा)

आज काम कर (आक् काम कर)—आक काक कर।

राम आम लाया (ताम आम नाया)—ताम आम अरूष्ट ।

हाथ पकड़ (हाथ अक्) — हाल थत्।

दाल मत खा (मान मु क् था) — जान (थल ना।

दवा ला (मल्या ना)— अवश आन्।

सलाह कर (मनाइ कर) — भताम कर्।

रमा दालान साफ कर (तमा मानान माक कर)—तमा मानान।

विकात कर।

महाराज बनारस गया (মহারাজ বনারস গয়া)—মহারাজ বেনারস

नाव पर मत चढ़ (नां ७ १ श्रह्भ १ छह्)— (नोकाग्र छेठिए ना । भावाज मत कर (चार्ध्याच मछ् कर्) – मक्ष कविए ना ।

्र-की मात्रा (हे-कांत्र (वान)

要一 每+ == 每(((()))

गरिः	मति	रवि	বি ष
গডি	মতি	র⁄ও্য়ি	ৎ য়িষ্
शिव	নিভ	दिन	शनि
শিও্য়	তিশ ্	पिन्	শনি
यदि	जिस	किस	दिछ
रेग्र मि	ঞিস্	ক্সি	पि म्
दिवस	নিক্ত	दिरण	क विता
দিও যুস্	নিকল্	হিবড়`্	ক ও্য়িতা
विकार	स्तितार	हिसाब	किसान
ওরিকার্	সিভার ্	হিসাৰ্	কিসান্
शनिवार		तिबयत	रामगति
শনিওয়ার		ভবিইয়ভ্	রামগতি

वाक्य रचना विका क्रांग)

मति कल चला गया (মতি কল্চলা গয়া) — মতি কাল চলিয়া গিয়াছে।

जिस दिन रिव गया (सिम् पिन রও্য়ি গয়া)— যোগন রবি সিয়াছে।

हिरण पकड़ (दिवज़ ् श्रेकज़) - दिवि थत । रिव निकल आया (त्रश्चि निकन् आया) - पूर्या छेषिल इहेत्राहा हिन्दी-वारना निका— २ क्क कितान था (अक् किमान् था) म्बक क्वक हिन।
सितार बना (निजात वक्षा) म्या वाक्षा।
किता पढ़ (कंक्षिडा भार्) म्विता भार्।
हिसाब लगा (दिमाव् नगा) महिमाव कता।

ईकी मात्रा (क्रे-कांब्र खांग) ई—ी क+ी=की

शीत	तीर	ग ीत	
শী্ত	তীর	গীত	
सभी	कभी	कन्नी	
সভ	কভী	কলী	
मेरी	, ती स	दही	
মেরী	' ভীস্	पशै	
मलाई	जानकी	शिकारी	
ম ঙ্গাঈ	জান্কী	শিকারী	

কীট নবী নদী বীতা গুরিড়া কভাই কলাই

कीट

वाक्य रचना (राका त्रांग)

शीत अधिक था (नीज अधिक था) — नीज दिनी हिन । तीर मत चला (जीत मज् हना) — जीत होनिल ना । गीत गा (गीज गा) — गान गाल । कीट मत पकड़ (की ए मज् भकड़) — (भाका थित जा । नदी महती है (नपी बहुजी खाइ) — नपी बहिन्न: बाहेरखरह । सर्खाई खाखो (मनाने नाख) — मानारे जारता । कर्खाई पकड़ो (कनाने भकरज़ो) — रास्त्र कर्जि बर्जा । जानकी कर्ख चर्जी गयो (जानकी कन् क्रा मिन्नो ने नाम क्रिया भिवारक ।

तीस तक गिनती करो (छोन छक् निन्डो करता)—जिन भर्यस्य भनना करता।

शिकारी हिरण पर तीर चडावा (निकाबी हिवड़ ग्व छोत ज्लावा) -निकाबी हविश्व छेग्र छोत्र जानिस्तिष्ट्रिण।

मेरी वोषा मत वाजाओं (यही खड़ीना यह वक्कांट)—चायात वीना वाक्किता।

ज्ञासी प्राचा (केन्स्रोड (सांच)

लुहार

লুহার

गुर

67

साधु

সাধু

दुकान

হ্বান্

० का नामा (० सात्र ६राम)				
र – , क + , = कु, र + , = ह				
तरु	কু ভ			
ভক্	ূ ৰ্ শ			
बाहु	वायु			
বাহ	বায়ু			

सुनार

ञ्नाब

मरु

মক্ল

सुर

সুৰ

क्युर

কপুর

ब्रु ल	ৰিভহু ভ	कुमकुम	तु ळतुळ
ৰ্শ্ৰুশ্	বিল্ফুল্	कूम्कूम्	ष्ट्रन्ष्ट्न
	वाक्य रचना ((ৰাক্য ব্লচনা)	

गुरु भी चरण पकड़ (शुक्र की চরড़ (शुक्ष) — शुक्र व शार्य यह ।
एक साधु आया (अक् माधू आया) — अक्ष न माधू अरम्ह ।
लुहार चला गया (नूरांत हमा शया) — कामांत्र हि हरम शिष्ट ।
दुकान पर एक आदमी था (श्कान् श्रद्ध आपमी था) — साकारन
अक्ष न लाक हिम ।

स्नार गहना लाया (स्नाब भशना नाया)—शाकवा भयना अत्तरह।
बुलवुल एक चिहिया है (वृत्वृत् अक् वििष्या शाय)—वृत्वृत्र
अकि भाषा।

ऊ-की मात्रा (छ-कांत्र (भाग)

कूप	- सूप	दूत	धूप
কূপ্	જુબ્	मृ ष्	ধূপ
भाख्	चाकू	रूपा	भाख्
আল্	চাকৃ	রূপা	ভাল্
भृ्पण	मयूर	मृ्सल	पूजन
् ट् ष ृ	ময়্র	ग् त्रल्	शृष न्

वाक्य रचना (वांका क्रमा)

सूप खा (पृथ था) - (बान था ७ ।
दूत आया (मृष या ग्रा) - मृष्ठ करमरह ।
चाकू रख (हाकू दथ्) - हाकू दाथ ।
ह्या छाछ छा (त्राथा या न् ना) - द्राथा या न् या न ।
पूजन कर (शृक्षन् कर) - शृक्षा कर ।
माछ नचाता था (खान् नहाडा था) - खान् क नाहाई एड हिन ।

मृ-की मात्रा (भ-कांद्र त्वांत्र)

和一, 5+和=5

वृद	मृग	ऋतु	मृत
<i>ষ্</i> ভ	মুগ	ৰভূ	মৃত
क पा	रुण	गृह	हद
কুপা	<i>তৃড়</i>	গৃহ	नृष्
वृष	ক ৃষি	घृत	नृप
বৃষ	কৃষি	গৃ ড	নৃপ
কৃ षक	कृपण	पृथ्वी	कृपाण
ङ् रक्	কপড় ্	१४ (६ग्रो	কৃপাড়

वाक्य रचना (वोका क्रम्मा)

नप का छ।दर कर (नृष का बारत कर) - ताबात गयान कर ।

मृग तण स्राता था (ফুগ ভূড় খাভা খা)— ফুগ ভূগ খাইডে ছিল।
कृषक हुछ चलाता था (কৃষক্ হল্ চলাভা থা) - কৃষক লাগল
করছিল।

वह बड़ा कृपण था (ওয়হ বড়া কৃপড় থা)—সে খ্ব কৃপণ ছিল। ছবিকিংশ কৃপাতা पकड़ (হৃষিকেশ কৃপাড় পকড়) হৃষিকেশ ভবোয়ার ধর।

एकी मात्रा (এ-कांद्र राजा) ए—े क + ए = के, स्व + ए = खे

शेरं	पेड़ (গाছ)	रेल	वेर (कून)
শের	পেড়	রেল্	বের্
কভা	ਸੇਗ	ਚੇਲਾ	ढे ला ं
কেলা	মেলা	চেলা	ঢেলা
मेट्क (गांड ,	नेवरा (लडेन)	सवेरा	गणेश
মেঢ় ক	নেধ্ল,	স ∈ য়েরা	গড়ে ' শ্
सेवक	सफेद (मामा)	कलेजा (कृषय)	छा डेश
সে ঙ্যুক্	সংস্কৃ-	কলেজ া	আদেশ

शेर जाया था। (त्यत् वाग्ना था)—वाच अरमिक्त । .. पेड़ पर मत चढ़ (लिख् পর মত্ চর্)— গাছে চড়িও না।

बाक्य रचना (वाका क्रांग)

बेर मत स्वा (तब ्वड् था)-- कून (बाता ना । सेव डा (तम्बड् मा)— चारनन चारना ।

मेदक पर देखा मत मार (सिज्क् शत् क्या अष् मात्) – वार्ष्टर উপরে চিল ছু ডিও না।

सवेरा हुआ (नश्यका रूचा)- नकान श्रक्र ।

रमेरा का एक नेवला या (त्रायम का अक् निष्त्र ना था) - त्रायमत्र अकि निष्टेन हिन ।

सकेद कपड़ा पहन (मरकम कर्णण शहन्)— माना कार्णण शह ।

कुछ मेला गया था (कन् स्मना गरा था) — कान स्मनः शिवाकिनामः

ऐ की मात्रा (के कांत्र (यांश्र) $\hat{v} = \hat{v}$, क + $\hat{v} = \hat{v}$, $v + \hat{v} = \hat{v}$

🗪 (বলৰ)	पैर (भाः	तंल	देव
बाग्नि	প্যায়র্	ভাষেশ্	ক্রান্ত
सेर (खमन)	बैठक (मृष्टा)	तंराक	भैरव
ভারর	ব্যায় ঠক	ত্যায় বাক	ভাায়্রও
नैतिक	वैदिक	दैहिक	वंभव
গ্ৰা র ভিক্	ওয়্যায়দিক্	ভাষু হিক্	ત્ક્રે હથે લ

वाक्य रचना (वाका ब्रह्म।)

किसान को बैल था (कृषान् का गायन था) -कृप्रका वनम हिन । दैनिक अलवार पदो (माग्रनिक् व्यथनात भाषा) -देमनिक मःवाम भक्ष भाषा

पैर सीधा कर चल (भाषत् मीधा कर्टन्) - भा भाषा कर्टन् किन।

सैनि ह कियर गया (क्षांयनिक' किश्रत गया) - रेमक टकानिएक

छो की मात्रा (ও कांत्र यांश)

छो-ो. क +ो = को, म +ो = मो

तोर् (हौश्कात) चोर मौर (भयु ४) गोल শোর চোর মোর গোল होली (भानकौ) बोली ोगी होली ডোলী (বালী হোলী বাগী होयछ (कांकिन) भोजन मोहन योजन (याजन) মোহন ইয়োজন কোঁয়ল ভোজন

वाक्य रचना (वाका त्रह्मा)

ভারাক হী र मत मचाओ (অশোক শোর মন্ত মচাও) — অশোক চিংকার করিও না। चोर भाग गया (চোর্ভাগ্ গয়া) – চোর পালিয়েছে।

फोयछ कुफली है (কে:য়ল, কৃক্তী হায়) — কোকিল কৃত-কৃত্

कরছে।

सोइन भोजन कर (प्रांटन् खाखन् कर्) - प्रांटन खादात कर। होळी का मेळा आया (दानी का प्रांता) - दानीत प्रांता धाराहः।

् **डोळी पर दुळहा था** (ডোলो পর্ ছল্হা থা) – পালকীর উপর বর ছিল।

जो की मात्रा (के कांद्र (वांज़) जो—ो, क+ो =को, ग+ो =गौ

गौर फीन ((क) खोर ं दोड **क** 8 न শ ও র দ্ভড় গভরঃ चोड দীঘা (চারাগাছ) মীর (মৃত্যু) शौक ₽64 **48** পৃত্ধা মও ত मौसम (क्रृ) औरत जीलाक चौरव योवन रेय ध्यन মণ্ড সম্ অণ্রত্ **क** इ.व.ह.

वाक्य रचना (वोका क्रमा)

तुम कीन हो (पूप क अन् हा) - पूपि कर?

गौतम दौछतपुर गया था (গৃত্তম্ দঙ্লত্পুর গয়া খা)—গৌতম দৌলতপুর গিয়াছিল :

पीघा पर कोवा था (পঙ্ধা পর্ কওয়া থা)—ছোটগাছের উপর কাক ছিল।

नौका दौलतपुर गया (নঙ্কা দঙ্লভ্পুর গয়া)—নৌকা দৌল্ভপুর গিয়াছে i

चौकीदार को बुलाओं (চূৰ্কীদার কো ব্লাও)—চৌকীদারকে ডাক।

अनुस्वार () की मात्रा (अमू बांत्र (यान)

97--, 55+ = 5

कंस	हंस	र्वश	अंश
কন্স্	হন্দ	ভয়ংশ	অ ন্শ
सिंह	मांस	हिंसा	इंक (प्रःसन)
শি ন্হ	মান্স	হিন্দা	ড ন্ক
संहार	संसार	अंगुर (चाप्नुत)	संवाद
সন্ হার	সন্সার	অন্থর	সন্ওয়াদ
पंख (भागक)	गंगा	संवत (दश्मत्र)	मंन्दिर
পন্ধ	় গন্পা	সন্ ওয়ং	मन् षित्

बाक्य रचना (नांका ब्रह्मा)

ক্ম মর্থ্যকো रাজা থা (কন্স মধ্রাকা রাজা থা)— কংস মধ্রার রাজা ছিলেন।

सिह् जंगल में रहता है (সিন্ত জন্গল মেঁ রহুতা হার)—সিংহ ৰুনে থাকে।

यह कौन संवत् है (देवड़ अलन, मन, अवर शाव)- अहा कान

गंगाराम **अंगुर ভা**ষা (পন,গারাম অংশুর সায়া)—পসারাম আঙুর এনেছে।

हिंसा मत कर (हिन्जा यक कर)-हि:मा करिश्व ना।

राम का संवाह कहा (द्राप्त का अन्यताम करहा) -- व्रारम्ब ध्वत्र वरना ।

चन्द्रविन्दु की मात्रा (ज्यक्ति (यात्र)

8-, 5+ = 5

শাঁব হাঁবে বাঁদ্দ (সহ্বা)
টাদ কাঁচ শাভ গাঁব

শাঁবং (ভ্ৰমর) ভাঁনতী (আঙ্গুল) গাঁবাং (গোঁরার) হুৱা (কোথার)
ভাঁবর উপদী গাঁধুর ইুৱা

वाक्य रचना (त्रांका त्राज्ञा)

चाँद निकल आया (ठाँम निकन, आया)— ठाँम ॐठियाह । काँच टूट जाएगा (काँठ हे हे खाख़ना)— काँठ ভেঙ্গে বাবে । वह लड़का गैवार था '(ওয়হ লড় কা গ্ৰয়ার খা)— সেই ছেলেটি গৌয়ার ছিল।

भैंबर गुनगुनाता था (७ ७,४४, ७२,७२।७। था)— खमत ७४२ चित्रेरुक्ति ।

पाँच आदमी खड़ा था (शांह आहमी अड़ा था)-शांहकन लाक गांड़िरहिन।

साँफ सबेरे भगवान का भजन कर (शेख भड़, ख़रब छश्दबान, का छन्न, कब)—शक्ता श्रकार छश्वरास्त्र छन्न कब ।

चाँद निकलेगा चाँदनो फैलेगी (हांप निकलाश हाँपनी कांब्र्ला) हांप डेंग्टर, ब्ल्यार्स्स इड़ाटर ।

विसर्ग की मात्रा (विमर्ग विश्र)

87-1, 五十:= 5:

छः (६३)	ধ্বন: (ষডএব)	नयः	नभः
ह र्	च ए ड्	ন্মহ	न स्
हु:ख	पुनः	दुःखी	पुनः
জ্ব,হ	পুন্হ	ত্ত্বী	পুনহ

खबःपात दुःसमय निःसहाय दुःसारानखबः भाष क्रिंगात क

वाक्य रचना (वांका क्रमा)

खतः तुम आना (অতহ, তুন্ আনা) — অত এব তুমি আসবে। आज छः तारीख है (আজ ছহ্ ডাগ্লীখ, হ্যায়) — আজ ছয় ডারিখ।

दुख में घग्राओ मन् (पृथ्ड स्य घरता ७ मण्) - प्राप्त देशी हाति थ ना ।

दुःसमय कट जाता है (पृर, नमज़् क्ले बाला शांग्र) - प्र: नमज़ क्टिंग्या ।

साधारण पाठ (नाभात्रज्ै भार्व)

हरि कल आएगा (रित कल् आएगा) — रित काल सामर्य । राम कल गया था (त्राम् कल् भग्ना था) — त्राम काल गिग्नाहिल । तुम कहाँ जाओगे (जूम् कर्श खाल्य) — जूमि काथाग्र याद्य ? खाज मैं बनारस जाऊँगा (जाख मँ ग्रा वनात्रम् खाल्य गो) — खाख जामि (वनात्रम याव ।

शीला कब आयी (मीना कव् आयी)—मीना क्थन शला ? तुम भी हमःरा साथ चलो (जून्ही श्याता नाथ हला)—'ट्रिय भागात मदन हला।

में सबेरे चठता हूँ (माम्र मरदरत छेठंडा है)—मामि नकारन छेठि।

हाँ मैं बही रहुँगा (हैं। मात्र देवरों दह ना)—हैंग, नामि अशाति । शाक्य ।

तुम भी हमारा साथ चलो (তুম্ ভী হযারা সাথ চলো)—তৃষিও আমার সঙ্গে চলো।

महेरा नेक छड़का.है (मर्टन, त्नक् नफ़्का हाात्र)—मर्टन छर एटन।

सुरेश फगड़ालु है (स्टंबन, वनज़ान् शाह्र)—स्टबन ननज़ाट । नरेश सुबह उठता है (नर्द्वन, स्वर, फेंग्डा शाह्र)—नर्द्वन नकारन स्टिं।

गोदाम में सामान रखो (शानात्र्य नात्रान् त्राया) - खनारव किनिज्ञ वार्या।

वीरेन माता की बात मानता है (५क्किस्तन माछा की वाछ, भानछ। छात्र)—वीस्तन मास्त्रत कथा स्थातन ।

राजेन तीसी बात बोलता है (बाखन् छौशे वाड, तान्छ। शाम्र)—बाद्यन कृष्ट कथा वरन।

राजेव को कोई नहीं चाहता (तात्वन् का कोक नहीं गहरण)
—तात्व क कड शहन्य करत ना।

ंयुक्ताक्षर (यूक्तःक्त्र)

হিন্দী বর্ণমালার সংযুক্ত অক্ষরের সঙ্গে পরিচয় করার আগে জানতে হবে হিন্দী বর্ণমালায় ব্যঞ্জনবর্ণগুলি তিন প্রকার, যানের শেষে দাঁড়ি আছে, যেমন—হল, ম, ন ইত্যাদি। দ্বিতীয় প্রকার হলো – বে সকল বর্ণের মাঝে পাড়ি আছে। বেমন –ক, মচ, ও ছঃ।

হৃতীয় প্রকার হলো যাদের শেষে বা মারে কোন দাড়ি নেই। বেষন—ন্ত, ত, ত

अथन प्रश्ना यात्र, शिक्षीएड म्बार्स माजियुक वाक्षनवर्ग श्रामा साहि २५ अक्षू नि । स्वभन स्व, ग, घ, च, ज, घ, ण, छ, ध, न, प, ब, भ, म, य, छ, व, श, प, उस।

अप्रद लाखद नाष्ट्रि छूटन य कान वर्लव मदन युक्त कहा याद्र ।

আবার বে সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে নাড়ি আছে, তার সংখ্যা মাত্র তিনটি, বেমন — क, क, ও জ এপের মধ্যে ক এব কোনও যুক্তাক্ষর হর না। ওখুমাত্র ক ও জ এর যুক্তরূপ দেখা যায়। জ এর মাত্র একটি, সেটাও নিজের সহিত হয়। এই ছুইটি বর্ণের শেষ অংশটুকু বাদ দিতে হয়। নিচে লক্ষ্য কর—

क + क = क, (वमन पका, (भका)।

क + य = क्य - क्या (काज़ा) कि, क्यारी (क्ज़ाज़ी) -नाकाता।

क+ छ= छ. - क्छेश, छास ।

क + श = क्रा - नक्शा (नक्षा)।

क + स = क्स, - नुक्स (क्रि, लाव)।

আবার দেখ, হ' (র) প্রথম বর্ণ হলে রেফ্ (ি) আকারে পরিবর্তিত হৈরে ব্যঞ্জনবর্ণগুলির মাধার বদে। যেমন—

र्+क=कं, तर्क, फर्क (खकार, भुवक्)।

र्+प=र्प, सर्प, खर्पण, दर्प। र्+ष=र्व, सर्व, गर्व, पर्व।

किन्छ र (त) थ.नि चिजे.त वर्ष चित्र, जाहंग्ग लाय वाधनवर्ष व्यर्थाः भाष्ट्रिवृक्त वर्तित नीर्रह (ू) त-कमा हरत्र वृक्त हत्त । विमन —

क + र = क, चक, चक ।

म+र=म्, सम्र।

व + रं= इ, इत।

प + र = प्र, प्रणाम ।

আবার দাড়িহীন বাঞ্চনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মন্ত র-ফলা হয়ে বৃক্ত হরে থাকে। বেমন—

द+र=द्र, छ+र=छ्, ट+र=ट्र, ह+र=ड्र।

দাভিন্নীন ব্যঞ্জনবর্ণগুলি পরবর্তী বর্ণের উপরে থেকে যুক্ত হয়। য (র) বাদেশ এই রকম যুক্তাক্ষর । হ (র) বাদেশ এই রকম যুক্তাক্ষর । হলো মোট আটটি, বেমন—ভ, ন্ত, ত, ত, ভ, ভ, ভ, ভ, ভ ভ ।

ি কিভাবে যুক্ত হয় শেখ :--

क + क = हु, - अहु, क+ल=क्ष्म - शङ्क, क + ग = क्ष - अक्ष ।

छ + च = च्छ = उच्छास ।

ट + ट = ट - पट्टी, खट्टा, ट + ठ = ट - चिट्टी, (िंठि)

ड + ड = ड्र गुड्डी, ड + ट = ड्र - बुड्डा (वृष्क)

ट + य = ट्य - नाट्य (नांछा) ठ + य = पाट्य (नांठा)

द + द = द - गद्दी (न्या)

द + घ = द - युद्ध (वृष्क)

 ल + य = ल्य — माल्य (भागा)
 द + भ = द्र — उद्भव (উष्टव)

 ह + म = ह्र — ज्ञाह्मण (वाष्प्त्)
 ह + य = ह्र — जिह्ना (ज्ञाण्त्र) ।

 ह + द = ह्र — ह्रास (ट्रांग)
 ह + य = ह्र — लेह्रा (ज्ञाण्त्र) ।

নিচের যুক্তাক্ষরগুলি আবার কেমন হয় দেখ :--

क + ष = क्ष = पक्ष (शक), कक्षा (कका), रक्षा (रका)।
ज + घ = ज्ञ = ज्ञान, (छान), ध्यमिज् (घिंछ) विज्ञान (विछान)।
त + र = ज्ञ, पात्र (शों छ), मित्र (यिंछ), छात्र (हां छ)।
श + र = श्र = मिश्र (यिंख), श्रीमक (ख्रीमक्), श्रीमान् (श्रीमान्)।

भारतक समग्र जिनिक वाक्षनवृद्धि क्रमात्र यूक्त स्था हाता, त्यम् स्था हाता । ज + ज + व = ज्ज्व, वज्ज्वल । न् + ध + य = न्थ्य - सन्ध्या (महाा) । न + त + र = न्य = यन्त्र (यञ्ज) । म + भ + र = न्य, सन्ध्रम । प + ट + र = जू = राष्ट्र । स + त + र = ल्व = अल्व, वल्व ।

व्याकरण (वांश्राकद्रज्)

১। এবার হিন্দী ব্যাকরণের কয়েকটা বিষয় আলোচনা করছি । প্রথমে ধরা যাক্—সর্বনাম। বাংলায় সর্বনামের সম্বন্ধরূপে নিক্স ভেদ নেই, বিস্ত হিন্দীতে পুংলিক এবং স্ত্রীলিকে পৃথক রূপে ব্যবহৃত হয়।

২। হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে ন (নে) প্রত্যন্ত্র যোগ হয়। যেমন— আমি দেখেছি (মীন देखा) মায়নে দেখা। তুমি দেখেছ (तुमने देखा) (তুম্নে দেখা)।

হিন্দী-বাংলা শিক্ষা--৩

৩। বাংলায় বেখানে 'এর' বিভক্তি যুক্ত হয়। সেইদৰ স্থানে হিন্দীতে কা (বা), के (কে), की (को) বিভক্তি যুক্ত হয়। বেমন—

राम का घर (ताम का घर) — त्रास्मत घत । हमारा घर (श्याता घत) — व्यामास्मत घत । सीता की घर (श्रीष्ठा को घत) – श्रीष्ठात चत । घर का कुता (घत का कुता (घत का कुता) — यस त कुक्त । देश के छड़का (स्म ् क लख्का) — स्मात हिस्सा ।

৪। কোন কিছুর 'উপর' ব্যাইতে হিন্দীতে 'पर' যুক্ত হয়। অমন —

छाद पर (ছাদ্ পর) – ছাবের উপরে। कुर्सी पर (কুসী পর) – চেয়ারের উপর। मेज पर (মেছ পর্)—টেবিলের উপর।

বাংলায় 'হইতে' বৃঝাতে হিন্দীতে 'से' (লে) যুক্ত হয়।
 বেমন—

पैर से (भाषत रहा) - भा इहेरा । पहाँ से (हेप्रहा रहा) - ध्रशास हहेरा । राम से (जाम रहा) - जारमज निकं हहेरा । पेड़ से (१४६ रहा) - जाह हहेरा । उस से (छिन् रहा) - जाहा निकं हहेरा

৬। বাংলায় 'এ' বা 'ডে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে 'মাঁ' (মোঁ) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

विज्ञालय में (७शिष्ट्रेश्नानय स्मँ)—विश्वानस्य । घर में (घवर प्) – धर्व वजार में (वजात स्मँ)—वाजारत्र । दुकान में ्वकान स्मँ)—रमाकारन ।

किया (किन्ना)

বাংলার মত হিন্দীতেও ক্রিকা। এবং ক্রিকার ডিনটি কাল আছে। ভাছাড়া বাংলার বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিকার পরিবর্তন হর না। কিছ ফ্রিনীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিকার পরিবর্তন হয়।

হিন্দীতে ক্রিয়ার কাল তিনটি, বেষন (১) বর্ত্তমান (ওরব্তমান্)।
(২) প্রবার (অভীত) এবং (৩) মবিচ্য (ভঙ্য়িব্ইর)। হিন্দীতে
এই তিনটি কাল, লিঙ্গ ও বচন অনুষায়ী ক্রিয়া ব্যবহার হয়। এ সম্বন্ধে
ভালভাবে জানতে হলে আলে সর্বনামগুলি জেনে রাখা দরকার। নিচে
সর্বনামের উদাহরণ দেওয়া হলো।

सर्वनाम (अजुखप्रमाम)

एकवचन (এकवडन) बहुबचन (वह्रवह्न) में (मँ पूर्) - व्यापि इस (२म्) - नामना त सबं (जू नव्,)—ाजाबा तु (छू)—छूरे तुमछोग (जूग्लाग,)—खामबा तुम (छूप) - छूपि ভাব (আপ্)—আপনি आपछोग (चान्रानांग,)—बान्रनादाः वह (७व्रट्) - त्म ৰ (প্ৰের)—তাহারা, তাঁহারা, ডিনি मेरा (भ्रता)-वामात हमारा (इयाता) - वायालत तेरा (र्ज्या)—रजात त सबका (जु मदस्वा)—खापब तुन्हारा (তুগ্হারা)—ভোমার ব্রমন্তার্শীকা (তুগ্লোগোঁকা)—ভোমাদের ভাদকা (ভাপ কা)—আপনার ভাদভাগাঁকা (আপ লোগোঁকা)—
ভাপনাদের
ভাদকা (উস্কা)—ভাহার : ভনকা (উন কা)—ভাহার, ভাহাদের
ভালকা (উন কো)—ভাহার ভনভাগাঁকা (উন লোগোঁকা)—
ভাহাদের ভাহাদের

मुक्तको, मुक्ते (प्यारका, प्राय)—बामारक ।
तुक्तको, तुक्ते (प्यारका, प्राय)—खामारक ।
तुक्तको, तुक्तें (प्रारका, प्राय)—खामारक ।
खापको (बान रका)—बाननारक ।
उनको, उन्हें (উन रका, छनर)—खाहारक ।
इसको, इसें (हम्रका, छरम)—खाहारक ।
द्वासको, हसें (हम्रका, हरमें) — बामानिनरक ।
तुस्तको (जू मय रका)—खामानिनरक ।
तुस्तको (जूमलागोर्गारका)—खामानिनरक ।
खापछोगोंको (बानरागोरका)—बाननामिनरक ।
उनको, उन्हें (উন रका, উন रहें)—खाहामिनरक (गोतवार्थ)
उनको, उन्हें (উন रका, উन रहें)—खाहामिनरक ।

सर्वनाम के साथ किया

হিন্দীতে বর্তমান কালে हूँ, है, हैं, हो বিভক্তি যুক্ত হয়।

বৰ্ডমান কাল

একবচন

বহুবচন

में हूँ (मँग्र हैं)—जाभि रहे हम हैं (रूप् राँग्र)—बामना रहे तु है (जू खान)—जूरे रुम् तुम हो (जूप्रा)—जूभि रुख खाप हैं (बान राँग्र)—जानि रुम् खापलोग हैं (बानलान राँग्र)— बाननाना रुम वह है (अन्द खान)—ज़र रन्न । वे हैं (अर्थ राँग्न)—डाँराना ना जिन रुम्।

অতীত কাল

হিন্দীতে অভীতকাল ব্ঝাইতে লিক ও বচন অসুবায়ী 'য়া' 'য়া' 'য়া' 'থা' খা বিভক্তি যুক্ত হয়।

একবচন

বছবচন

मै था (माग्र, था)—सामि हिनाम हम थे (हम. त्थ)—सामना हिनाम तूथा (जूथा)—जूरे हिनि । तुम थे (जूम. त्थ)—जूमि हिल आप थे (जाभ. त्थ)—साभिन आपलोग थे (जाभलांग त्थ)— हिल्म । जाभनाना हिल्म वह था (७ग्न. १४)—मिल वे थे (७०० तथ)—जाहाना हिन थे थे (७०० तथ)—हिन वा जाहाना हिल्म।

ভবিশ্বৎ কাল

रिन्गीरा छिताशकाम व्याहरा नित्र ७ वहन व्यस्यात्री हुँगा, होगा, होगे, होंगे बुक इत्र ! একবচন

বহুবচন

मैं हुँगी (मँ) व हँ श) — स्वामि दहेत । हम होंगे (दम् दाःरा) — स्वामित ॥ देते । स्वामित ॥ स्वामित

खाप होंगे (चान, रहारात्र)—चानि हरेरवन । खापछोग होंगे (चान, लान, रहारात्र)—चाननात्रा हरेरवन । बह होगा (५३३, रहाना)—त्म हरेरव । वे होंगे (५८५ रहारात्र)— छिन हरेरवन ।

> ৰোনা (খানা)— খাওয়া (বৰ্ডমান কাল) (একবচন)

मैं स्वाता हूँ (गात थांठा है)—व्यापि थाहे। तु स्वाता है (जू थांटा शात)—जूरे थान। वह स्वाता है (५ग्नर, थांठा शात)—ज़ थात।

(বছৰচন)

हम खाते हैं (হম, খাতে গ্রায়)—बामता খাই। तुम खाते हो (তুম, খাতে হো)—তুমি খাও। वे खाते हैं (ধয়ে খাতে গ্রায়)—তাঁহারা খান বা তাহারা খায়। मैने खाया (माज्ञत्न थाजा)—जानि थाहेनान ।
तुने खाया (जूत्न थाजा)—ह्रू थाहेनि ।
वसने खाया (छम्दन थाजा)—त्न थाहेन ।
इसने खाया (हम्दन थाजा)—जामना थाहेनाम ।
तुमने खाया (जूम, न थाजा)—जामना थाहेना ।
वन्होंने खाया (रूम, हमाजा)—जामना थाहेन ना छाहाना थाहेनम :

অতীত কাল

অতীত কাল ব্রাইতে একবচনে পুংলিকে থা (খা) বছৰচন পুংলিকে থ (খ) এবং একবচন স্থীলিকে থী (খী), বছৰচন স্থীলিকে থী (খী) বিভক্তি ক্রিয়ার সঙ্গে যুক্ত হয়, বেমন—

(একবচন পুংলিক)

हम स्वाया था (२२, ४१४) था)—श्वाभि त्यद्रिष्टि । तुने स्वाया था (जूटन थाड़ा था)—जामना त्यद्रिष्टिल । उसने स्वा लिया था (जिम्हन था निष्ठा था)—जाना त्यर्जिष्टल ।

এইরূপ বহুবচন পুংলিঙ্গে ইইবে—हमने खा छिया था (হমনে ধা লিয়া থা)—আমরা খেয়ে নিয়েছিল।ম। तुमने खा छिया था (তুমনে ধা লিয়া থা)—তোমরা খেয়ে নিয়েছিলে। उन्दोंने खा छिया था (উন্হোনে থা লিয়া থা)—তাহারা খেয়ে নিয়েছিল।

जीनिक जिन्दारी भी (शापी थी) वहवन्त-स्वायी भी (शापी थी) वहवन्त-स्वायी भी (शापी थीं) इटेरव।

নিচে কতকগুলি ক্রিয়ার উনাহরণ দেওয়া হলো:—

जाना किया (यां अत्रा)

এক্বচন

বস্তবচন

जाता हुँ (बाजा हुँ) — यारेट हि । जाते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हो (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हो (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जाते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जीते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जीते हैं (बाट रंगम्) — यारेट हि । जीति हैं (बाट रंगम्) जाती हैं (बाट रंगम्) रंगम्) रंगम् । विश्वात हो (बाट रंगम्) जाती हैं (बाट रंगम्) रंगम्) रंगम् । विश्वात श्रात हो (बाट रंगम्) रंगम् ।

व्यवहारिक राब्दावली व्यदमांबनीत्र वा वायकार्या संस्कान्य ध्यातमीय (धास्त्रीहेत्र,)

पिता (शिडा)—वावां बेटा (विषे)—ছिलि
माँ (माँ) — मां वेटो (विषे) — त्यात्र
छोटा माई (ছाण ভान्ने)—ছाण ভान्ने बहु (वह)—खी, পूजवर्थ्
छोटी बहुन (ছाण वहन)—इहाण वान् माई (छान्ने)—छाहे
नाना, दादा (नाना, नाना)— क्वाना ताई (जाने)—ब्बाणीमा
मोसी (मड्नो)—मानी बहुन भाई (विषे छान्ने)—वह नाना

भानता (अन्म।)—अत्रना बहा बहन (वजा वहन.)—वज त्वान.
भानती (जःन्मो)—अत्रनी भाभी (जाजी)—वजित, खाज्वध्
साळा (त्राना)—आत्रक् जीजाजी (कोकाको)—वज् ज्योति जिल्लाको)—वज् ज्योति (त्राभात्)—कामा हे
सग्रुर (तज्रुव)—वज्रुव पोता (त्राजी)—नाजी, त्रोज, त्रोहिज सास (त्राम्)—नाजी (त्राजी)—नाजनी, त्रोजी, त्रोहिजी व्या (त्र्या)—िति (त्रिल्जनाव)—व्याक्षीय स्वान ।

खाने पीने की चीजें (भारत शिरत की हीरख) भाष जामती

चटनी (ठऐनी) - ठाएँनी পাৰত (চাও্যুল,)--চাল भात (ভাত,)-ভাত दही (मशे)- मरे मदुठा (मऐंठो) - खान रोटी (दांगि) - क्रिं নীব্ৰু (গেছ') - পম द्घ (पृथ,) - छ्थ चपाती (हुना हो) क्रि मक्खन (मक्थन,) भाधन पुरी (भूबी) - मूहि मांस (भान न) - भारत दाछ (मान्) - ভान षंडा (थाथा) - ডিম सन्त्री (नव्यो) छदकाती चटनी (हरेनी) - हारेनी वडी (परो) - परे रसगुहा (त्रम्ख्या) - त्रमणाद्या

मसका (मन्त्रा) ननना

दलदी (इन,मी) - इन्म हींग (शिश्र्) - शि सरसों (नवर्गं।) - नवरव चना (हना) - हाना घनिया (४निश्)- ४८न म्गफ्डी (मूरशक्षी) - हीनावाषाम मृंग (पृंभ्) - पृथ नमक (नमक) - नवन अरहर दांख (अवद्य मान) - अक्ट्र जान शक्स (अक्द) - िवन उद्दर् दाछ (উড়দ দাল) - विदि छान मेथी (स्थी) - स्थी বিভ (ভিন) – ভিন शहद (भइन) - मधु साबुदाना (शावुनाना) - शावु गृह (अष्) - अष् হতাযৰী (ইপাষ্ট্ৰী) – এগাঢ় सौंफ (मॅंधक) - त्योत्रो र्छौंग (लो:११) - लंबर प्राप्त सिर्च (बिर्ट) - ब्रिब कड़ेया तेल (कएज़ा त्लन)-- भन्नत्वन त्लन। मिट्टोका तेल (মিট্টীকা তেল)—কেরোসিন।

तरकारियां (जन्नकानिन्नी)—भाकनवज्ञी

खालु (घान्) - घान् चर्चोड़ा (ठिंठा) - ठिंठिका बैगन (यात्र गन्) - त्यक्त गाजर (गांखर) - गांखर प्याज (गांखर) - गांखर फुल्गोभी (क्न्रंगांखें फुल्गोभी (क्न्रंगांखें) - क्मकि खंदगोभी (वन्रंगांके) - वांशांकि परवल (शर्व्यकः) - भेंग राक्रकन्द (मक्रकन्द) - भिष्ठि घान् इमली (टेम् नो) - र्ंकृत

मूली (मृनो) — मृना पेठा (श्रिटो) — हानक्षण टमाटर (हेमाहेन्) — हेमाहि व्यव्ह (चन्त्रक्) — चामा भिण्डी (क्रिडो) — है गांज्य पिया (पिया) — नांडे सेजन (खायकन्) — मिना करेला (क्रिटना , — क्रना ।

फल (क्लू)—क्ल

खोरा (शैत्रा)- भूभा ध्यमह्द (चम तुन्)- (भग्नातो फेला (क्ना) - क्ना जामुन (कामून) — काम জাম (আম) - আম सेव (अर्)— चार्भन नीवुँ (नी दू) - लादू धनद्वास (चनद्रांत्र्)- चानादत्र पपीता (পণীড়া)—পেঁপে अनार (चनात) - ७। निम कटहुँछ (कर्इन्)- काठान संतरा (मन् ७३। -- कभनारनव् अंगूर (चःशृत्) – चानृत तरबूज (छत्र्ङ) – छत्रभूख सीताफल (मीटायम 🕒 षाडा स्तजूर (शब्द) - (शब्द नासपाती (नामभाषी)- नामभाषि किसमिस (किनैमिन्)—किनमिन ब्यांवला (थार्मा) - व्यामनको। सवेदा (मर् रत्रमा) - मर्रमा

शरीर के अंग (भंद्रोत्र (क व्यः श्.)

দেহের অন্ত-প্রত্যন্ত

बद्दन (जन्न,)-- भत्रोत, एपट् ভারী (ছাত্রী)—বক্ষপ্তল शिर (नित्)-- भाषा ं हाथ (राष्)—राख লাল (আঁখ)— চকু इथेली २(थनी)—शास्त्र (स्ता नाक (नाक,)-नाक कुइनी (कुश्नी) - क्यूरे कान (कान,) कान ক্ডাई (কলাই) – হাতের কব্জী নান্ত (পাল)—গাল उंगली (छेश मी) - बाह्रम गळा (भना) भना पेट ((भए) - (भए, छम्ब জাঘ (জাঘ)—উক্ল कत्था (क्याः) --कांश स्तन (छन्)- - छन घुटना (घूऐश) - राष्ट्र एडी (এডী) গোডালী पाव (পাওয়) –পা, চরণ (সমস্ত পা) बाह (वाङ्) -वाङ, (रम्भून हाङ) क्यर (क्यत) -कायत भीठ (शीठ) - शिठ हृदय (ऋष्य) -- ऋष्य द्व दिमाग (पिमां) -- निष्क रीड़ (ब्रीफ्) - स्मक्रम्थ नितम्ब (तिएय) পाছा। पाँव (शांख)--- माता भा **प**ন্তক (পলক)-চক্ষুর পাভা बाल (वान्) - हन फेफड़ा (फिक् ड़ा) - क्रक्र नाख्न (नाथृन्) -नथ दिमाग (पियांग) -य खिक हुद्री (হড়্ডী)—হাড়।

(8¢)

स्वाद (ज्ञ अ ् अं मृ) — व्याचापन

मीठा (মীঠা)— মিষ্ট खट्टा-(খট্টা) — টক इट्टया (কড়ুয়া) — ডিজ, কটু खारा, নমকীন (খারা, নম্কীন্)—নোনতা ঘটেবেল (চট্পটা)—খাল বীজা (তীখা) — তীক্ষ।

बीमारियां (बीमाद्रिग्रं।)—व्याधिममूह

जुकाम (क्काम्) - मर्नि बुखार (वृश्वात्) - ष्वत अजीर्ण (अजीर्ग)-- वमरकम साँसी (शंगी) - कानि ন্তাজন (ছোজন্) – চর্মরোগ दमा (म्या) - शंभानी জনিমাহ (অভিসার) – উদরাময় ववासीर (वश्यानीय)—वर्न खुखगाना (नृनगाना)—नू-ना**गा** কুমা (ফু ফা) – ব্রণ, ছোট ফোড়া काली खाँसी (কালী খাঁসী) – ওকনো কাশি ক্রমি (কুমি)– কুমি खूमली (शृह्ण) - हनूकारी इमन (वशन) - विभ चकर आना (ठक, कत् आना)-- नाबारधात्र । चीट (८६१) - आवाज मांख दुखना (वाथ इथना)-- इन्द्रांश अपस्मार (व्यथनात)- भृती कोइ (काष्)- कुर्छ ভক্রা (শক্রা) — পক্ষাঘাত छोजन (ছোজन्)-ध्र्मरत्राग बह्रापन (वह्राभन्र) - विश्वजा मधुमेह (मधूरमर) - रहमृज बिबमञ्बर (विषम्बद)-मालिदिया चेवक (८६६क्)--- दमश्च पेचिश ((পिं । — चामानव केन्या (कन हुन्ना) - क्रि ইনা (হায়জা) – কলেরা

रंग (ऋभ)-वर्ब

सफेद (गरक्ष) — गाषा गुडाबी (खनावी) — जानाशी काला (काला) - काला नारंगी (नादःगी) — कमना दः नीला (नीना) — नीन मूरा - (ज्वा) — थाकी लाल (नान्) — नान सुनहरा (खून रुद्रा) — त्यानानी पीला (शीना) — रुन्त ए हरा (रुद्रा) मत्क बैगर्नी (बग्रह् भनी) — त्यक्षी विविश्वर्ण (अद्विविष क्रिं) — विविष वर्ष

जानवर (जान्७प्रत्र)—जात्नामात्र

वकरी (वक् वी) — हानन (बीर) गाय (भाग)-भारे भक्र ৰীন্ত (ব্যায়ল্) —বৃষ, ধাড় भेड़िया (ভেড়িয়া) -ভেড়া, भেষ वछेडा (वरहर्ष) - वाहूत कुत्ता (कुछा) - कुकुब भैस (टिन्) - प्रश्य कुतिया (कृष्टिया) -कूकूबी बकरा (वक्ता)— हागन (🎪) बिल्ली (विल्ली) — विज़ान हाथी (शथी)- शखी मोहा (प्रांज़) - प्रांज़ बॅट (ऐंग्रे) — फेंग्रे गदहा (गप्श) - शाश हिरण (दिवर्ष",)- इतिव शुक्षोर (७७वे) -- भुक्त शेर (শের)—বাঘ, সিংহ भालु (ভালু)—ভন্নুক साप (मान) - मान छिपकिली (हिश् किनौ)—िएकिएकि षंचुआ (क्रिया)- क्रिं। ৰিন্তী (চিংটী)— পি পড়ে

सच्छर (मऋत) - मणा भौरा (डं ७ दा)—खभद

स्टमल (बर्मन) - हात्र शाका বিবন্তী (ভিত্তনী)—প্ৰহ্মাপতি।

पंछी (পৰ্ছী)--পাখী

पंछी (भन्हो) -- भाशो सुगा (२१ ना)— हिन्ना कवतरं (कवुछत्)—भाग्रवा बगुला (वश्वन।) — वक কীজা (কওয়া)---কাক

तोता (खाषा)—खाषा मैना (गायूना)-- भन्नना इंस (इन्म)-- शंम कठकोइआ (कर्र (काष्ट्या)-कार्र (कत्रा चिह्निया (विष्ग्रि)-- शाशी।

विवि । ब्द (अग्निविध मक — विविध मक

धर (घत्)- घत्, गृश रसोई (बरमारे)--बानावब गुसः जाना (७ मन्याना)-- प्रानवतः टट्टी (विवृत्ति)-- शावयाना इमारत (ইমারত)-- शानान अंगीठी (बन्गीठी)—उन्न धन्दर (चन्दर)—, जिख्र नजरीक (नजनीक)— शाष्ट चलनी (हन्नी)—जनूनी मुला (ঝুলা)—গোলন।

किला (किना)—र्र्ग दोवार (मीख्यात)— प्रश्वान बगीचा (वशीठा)—राशान दिया (निश्रा)—अनीभ बाहर (वाश्व)-वाहरव द्र (नृत्र)—नृत्र कील (कोन)--। भारतक ठक्कन (एक केन्)—जाकना

दुकान (इकान)--: लाकान

चलनी (हननी)- हानूनी स्वाट (शिं)-शिं বাবদার্চ্চ (চারপাঈ)—খটিয়া प्याला (भागा)-- भ्याना खिलौना (शिन e ना)—(श्नन) चाबी (हावौ)—हावि पंख (११४) शाश कंघी (कः नी) - विक्रनी चुना (हुना)—हन पानी (भानी)-- जन तकिया (७किया)--वानिम चक्की (চক কী)--- যাঁতা कामिज (कामिष)—षामा घुँला (धूँ वा)-- श्रीहा कमरा (क्य वा)-क्क मेज (भन)— छिविन

पर्लंग (भानःभ)-भानइ आईना (चान्नेना)-- चात्रना रस्सी (त्रमृत्री)--त्रिष् मील (यौन्)—मरबादव तालाब (जानाव ,-- भूकृत आरामकुर्सी (चातामकूर्मी)-- वाताम (क्यांवा तसबीर (७म्वीद्र)—इवि माड (बाजू)-- शाजू कंगी (काशी)—काठ कहन चपल (हन्नन)—हिं ब्रुडा बरतन (राया)--- वामन परदा (भवना)-- भर्मा कपडा (कभ ड़ा)-काभड़ टोपी (छानी)--रेनि হৰাকু (ভম্বাকু)—ভামাক गद्दा (शत्ना)---शनिः पान (भान)-भान ।

शिक्षा विषयक (शिक्षा विषयक)-शिका विषयक किताब (किछाव)--वरे कावी (काशी)--शाषा दवात (দও য়াত)—দোয়াত स्यादी (१३ शही)-कानि विद्यास्य (५ त्रिम्देशान्त)—विश्वानस् बंगला (वर्ता)—वर्राना इस्ताक्षर (व्खाक इत्र)—याक्त इसाव (व्याव)—विश्वान विज्ञान (५ त्रिशान)—विश्वान अस्तवार (श्वर्यात)—मर्वाम श्रद

कक्षा (कक्षा)—(अगी हिन्दी—(हिन्मो)—हिन्मी छुट्टी (बूऐमी)—बूफी इतिहास (देखिदान)—देखिदान भुगोल (जूलान)—जूलान रिक्षक (निक्षक)—गिक्रक

সারি বিষয়ক (জাডি ওয়িবয়ক্)—জাডি সম্বন্ধে

हिन्दु (शिन्)—शिन् छोहार (शाशात्र)—कामात्र सुनार (स्नात्र)—खाकता बहुई (ताके)—धूकात नाई (नाके)—नाशिक फिसान (कियान)—कृषक मांगी (काली)— मथत मुसल्मान (मूननमान)—मूननमान कुन्हार (कुम हात्)—कुमात ठठेरा (ठळेता)—कानाती ज्लाहा (ख्नाहा)—जाली मलुला (महूगा)—खाल धोवी (त्थारी)—त्थाना सैनिक (लाग्न निक)—रेनिक

गाछ (গাছ)—গাছ

पेड़ (१४७)—वड़ गाह बरगद (वद्भम्)—वहेगाह हिन्मी वाःमा भिका—९ দীহন (প**e্ধা)—**চারা গাছ দিদত (পিপ**্ল)—অশ্**থগাছ গৰুত (এরাবৃক্)—বাবলাগাছ নাবিয়ন্ত কা पेढ़ (নারিরল্ কা পেড়)
—নারিকেল গাছ
নার্কা पेढ় (ভাড়কা পেড়)—ভালগাছ पत्ता (পভ্তা)—পাডা
ভাত (ভাল) —শাখা সভ (অড়)—শিক্ড ।

यान-बाह्न (इम्रान्-वाहन)---यान वाहन

ভ (বেল)—বেলগাড়ি সন্থাস (ভাহাজ)—সাহাজ নাব (নাওয়)—নোকা হ্বাহ্ম সন্থাস হওয়াই জহাজ —এরোপ্সেন বন্ধ বস্)—বাস নাত্র (মাটর —মোটর বিজন্ম (বিক্স)—বিক্সা নাহ্মত (সাইকল্)—শাইকেল হানা (টাংগা)—একাগাড়ী ভালী (ডোলী)—তুলা, পালকী

कियाएं (कि ब्रांस)—किश्रावीहक अवन पूर

बाना (बाना)— प्रामा दश्ना (बेठेना)— बेठे। कठाना (बेठेना)— ब्यागाता बाना (शना)— गंदश बद्दना (हजा)— ज्हा

जाना (जाना)—घांच्यां बैठना (गांग्रंग्रंग)—उना शुलाना (जनाना)—उनामः (ना जतारना (जेंडाबना)—नामः पदना (नाना)—भणा **कह**ना (कह्ना)—ेरना ° कमाना (क्याना)--उपार्कन करा कापना (कापना)--जाणा गिनना (शिन्ना)-- गनना क्या गाना (शना)--शन क्या বীলো ভ্যায়র্না — দাঁভার দেওয়া स्रोछना (स्थानना)—:थाना घुमना (घूमना -- जांबा इत्ना (कूप्ना)—जाकाता चाह्ना (চাহ্না)-- ठाउना चमक्ता (व्यक्ता)—उक्यक कर्ता चळता (व्युता)—शक्त्रा ছুনা (ছুনা)—ছোঁওয়া क्रिपना (दिश्ना)—जुकाता जानना (धान्ना)—शाना जीना (जीना)—रींहा दूटना (हे्हेना ;—ভाषा हुबना (पृर्ना)— उडावा दक्ता (हक्ता)—ज्ञका (पश्जा तोइना (खाजुना)—हाना होना (छाना)-वश्न करा नहानी (नशना)—ज्ञान करा

पीना (श्रीना)—भान कहा पीटना (शेहेना)—नात्रा

करना (कर्ना '--क्रा खीचनां (शैंवना)--गना दौहूना (१९७ ना)— मोणाता सेरना (शायक्ना — त्रजाता घवड़ाना (घरणाना)—डेपिश रुजा स्रोना (स्थाना)—शत्रात्ना काटना (कांर्ना)-कांरी . चुराना (চুद्राना) — চুद्रि कद्रा छापना (हान ना)-हाना ন্তাহ্বা (ছোড়না)—হাড়া জাৰনা (জাচ্না)—সজ্মা ् जलना (जन्ना)--जना ठहरना (र्रष्टद्रना)--शमा ढुँदना (टूँज़ना)—:शैषा নীৱনা (ডঙ্গনা)— ওছন করা देना (प्रना)—,न्छन घोना (शाना)— शाख्या नफरत करना (नकत्र कत्रना)---ঘূণা করা

निकलना (निकन्ना)—वाहित्र श्का पकड़ना (পকড়না)—४রা

पाउना (भान्ना)—(भाषा पकाना (भकाना :-- ब्राम्ना कर्ना पहनना (পरन ना)-- পरा पीसना (श्रीमृना)—(श्रवाहे क्रा मानना (म!न्ना)-माना इदा क्या पुकारना (भूकावना)-- छावा सोना (माना)—चुमाता सीसना (भीर ना)—त्नरा सहना (गर्ना)-- गरु क्वा सरमना (रुश्तु ना)--- द्वा ৰুতানা (বুলানা)—ডাকা वेचना (रिक्ना)—विकी क्या बोडना (वानना)--वना **মাননা (ভাগ্না)**— পালানো भूखना (जृज्ना)- ज्रूज कड़ा मेजना (क्ष्युना)—পাঠানো मरना (यत्रना)- यदा रहना (ब्रह्मा)-- शका

पदना (भवना)--भजा पहचानना (পহ চান্ৰা)—हिना पहंचना (পত্টনা —পৌছা ধীনা (সীনা)—সেগাই করা छेटना (लिएना !--(मार्श्रा पंदना (राँक ना)—हूँ ए (क्ला) बचना (यह ना)--वीहा सरम्बाना (रूपवाना)-- युवारना सञाना (जवाना)-- जावाता सक्ता (मक् ना)-- भारा छोटना (मर्ध्स)—क्स्त्र चात्रा हेना (लना) - मध्य ख्टना (न हेना)-नूर्व क्रा छानः (माना)- चाना किसना (निय ना)- लिथा मिछना (मिलना)—(१४। १६३। ।

कुछ विविध शब्द (कूड्, ७म्निरिध मंत्र) কিছু বিভিন্ন শব্দ

संस्था (मन्य् देश)- मर्या।

विया (पिशा)-- अपीभ

ह्यी (रुड्डी) - राष् शोर (लाउ) - लानशान दुकान (इकान्) -शिकान् আঁমু (আঁসু)—চোধের অল क्जार (दक्षात) - दाक्षात पत्यर (পত् धत्र) - शाधत्र ब्रिडोना (विनर्ना) – **व्यन**ना হুবা (হওয়া) – বাভাস बुद्धा (वृष्ट्षा)--वृष्ट्रा নৰ (ৰেব্) – পকেট अंघा (अक्षा) -- अक गुंगा (श्रंभा) - (वावा नाटा (नांघा) - खेंकि सुराही (खूबारी) - क्रंबा खेतीबारी (चंडोवाडो)-- दृश्विकर्भ हत्या (इंड देवा)--वंश खुट मारना (न हे भारता) — जूरे भारे क्या धोखा (खाबा) — अबादवा क्या मंडो (नजी)-वास्ताव মহা (সড়া) - পচা कहाई (कड़ाई) -कळात्र स्रोना (स्राना) - स्राना বাৰা (ভাষৰা)—ভাষা সবাৰ (অওয়াব্)— উত্তর

चुहा (हुश) - रेप्टब याट (हेब्राष्)-श्वद्रव चधार (छेशाव्)-शाब, कर्ख कंबल (कप्रम्) --कप्रम शादी (भागी)-विरव যাত্তি (বালি) – বালা भूट (बूर्ठ)-मिशा कटोरा (कर्छावा) -- वाहि वुड़ी (वृष्टें) -वृड़ी परिवार (পतिश्वात्)-भनिवात छंगड़ा (लए।)-त्यांका बीना (वधना)-काना दोस्त (पाच)-- वद् मज़र (मझूब) - अभिक चौड़ाई (६९ ए।३)—६९ए।, हड़ाई इत्यारा (१७ हेबाबा)—१७गकाबी रेजगारी (तक्षभाती)—तक्की बुरा (वृदा)-भन्म स्रांधना (थें।तृना) --कानि चाँदी (ठाँमे)-द्रभा सवाछ (मध्याम्) -थ्य स्त (शृत्)- त्रक

पानी ('পानी) - पन जिन्दगी (जिन्दगी)- धौरन बारो (वादी)--क्षित्र कार्टन खाग (जाग)-- जा खन चमद्रा (हम्छा)-हाम्छा हाहिना (ডाहिना)- मिक्न खोर (७३) - मिक पेशा ((भ्या)- दुख मुखा (जुशा)- कृशार्ड बहुत (२१७)- घरनक शर्म (भर्म)- नव्य অব (অব্)—এখন रोज (ताक)-मिन बनना (वनना)— छित्री श्रूषा चाँदनी (ठाँपनी)- खारिया र्टबाई (नशके)- नश, दिवा सीघा (गोश)-- लाका पतला (পত্লা) – পাতলা बाघा (बाश)- वर्ष शायद (मारे प्रम)-- इप्रज पीठा (शिना)- इन्ए गाँव (গাঁও্র)--এম वैसा (भारता)- भरता

जुकाम (क्वाम्)- मर्कि सरदी (भद्रभी)- नैक মীকা (মায়ুকা)- বাপের বাড়ি अरुर (छत्रत्र)-- अवश्र बंद (वृष्) - शिमू बाँया (वीम्रा)- वाम **पिक्ठे** (পিছে)- পিছনে प्यास (भाराम)- भिभाम हररोज (इद दाक)- প्रपृष्ट भीगना (छीत्र ना)- एखा হামানা (শর্মানা)-- কজা পাওয়া ক্ত (কল্)-কাস सङ्क (সড়ক) – রাস্তা ংলানা (বনানা)—হৈরী করা रांगं (ब्राह्म्)-- बाह दागा (मांशा)-- याचाछ करा . मोटा (याण) याण হুৰতা (দূব,লা)- রোগা पुरा (পুরা)- সব हरा (रुत्रा)-- मनुष शहर (भरत)- भरदा र्त्यया (क्रशाइया)-- हाका नये पैसे (नस्त्र भगवरम) नुन्ति भवना

বাঁজনা (চণ্ড্ৰন্নী)-চার খানা वुखार (वृशांत)-- व्यव नौक्र (न७,कर्)— हादद गोद (लाप्)--कान मिठाई (मिठांत्रे) - मिष्ठि, (मर्ठा रे बाद्में (वाष्ट्र)-वाटन घोती (शाजे)-4जि पुराना (পুরানা)--পুরাতন জনানা (জেনানা)—খ্ৰীশোক लड़की (। एको)—त्यरब्र बेटी (विणे)- सर्य मछडी (यहनी)-- याह इमारत् (ইমারং)— बढ्डानिका बाद्छ (वामन्) - भ्य अंगल (बन्धन्)-- वर्म, बद्रभा उम्र (উম্র)—বযুদ बहुत (दह्छ)—चानद दुलहिन (इल् हिन्) - करन मार्ग (भार्ग)-- १४ पसीना (भरोना)- चाम হুলালন (ইছাজত)--আদেশ पानी (भानी)- खन সল্য (अन् দী)—ভাড়াভাড়ি।

अठनी (अठेनी) - वार्षे वार पप्पद्व (পপ্পড়্)—পাঁপর बीमारी (वीमात्री)-- त्रान खोर (शेव)- भावन पकइना (পक्जूना)- रहा बारेमें (वाद्यदम)-मन्नादर्क नया (नया) - नजून मर्द (मर्न)—श्रुक्रव लड़का (मणुका)—(हरन वेटा (विषे)--- (इल हर (७४)—७४ मोंपद्गी (खाँ भर्जी)--कूर्ड वर বৈয়াৰ (পেশাব্)—প্ৰসাব लड़ाई (नड़ाने)-- युद्ध खेत ((४७) -- स्विभ लकीर (नकौत्)—(द्रव) 'दुलहा (इन् श)-दब सड्क (मष्क)---द्रांखा र् छ (शृं ह्)— (ह. छ ख्बसूरत (थृद्भुद्र ७) — एन्स्य रोशनी (त्राम् नी) — वाताः दर्द (भर्म) - वाश औरत (अध्यक्)-नारी

ভাক জীব নাব (ভাক্ অপ্তর ভার) ভাক এবং ভার

हाकलाना (डाक्थाना)—डाकवद गोष्ट मास्टर (পোস্ট মাষ্টর)—পোস্ট মাস্টার हाकिया (डाकिया)—ड'कशिश्वन चिट्ठी (व्हिंठी) -व्हिंठे लेफाफा (त्वकाका) -थाम तार (डाव)—टिनीश्वाक माशुल (माञ्चन किराया (किताबा)—डाड़ा।

वाक्य रचना (अम्रक्ट्रेम क्रान्न)

বর্তমান কাল অর্থাৎ ঘটমান বর্তমান কাল বুবাতে পুলের একবচনে

हूँ 'है' गुरक्छ रहा। यकनः—

में खाता है (माह थान शहा)—धामि थारे।

राम खाता है (दाम थान शहा)—हाम थाहा।

वह खाता है (ध्वह थान शहा)—मुमाह।

यागात रक्ष्मात 'हैं' 'हो' श्रम्भि गुरक्छ रहा। यगनः—

हम खाते हैं (रम् थाल ग्राह्म)—धामहा थारे।

तुम लोग खाते हो (पृम् थाल रहा)—प्रमि थान।

वे खाते हैं (ध्वह थाल ग्राह्म) – जामहा थाहा।

दोशित्र अक्ष्मात 'खाती हैं' रक्ष्मात 'खाती हैं' युक्त रहा। यमन—

सीता खाती है (मोहा थालो शाहा)—मोना थाहा।

मीरा गाती है (मोहा थालो शाहा)—मोना थाहा।

सीता और मीरा गाती हैं (गौण बक्द भौता गाणे छात्र) — नौष्ठा अवर भोता शाह ।

একটা কথা মনে রাখতে হবে—হিন্দীতে বাক্য রচনা করতে হলে ভাতে ক্রিয়ার উল্লেখ করতেই হয়। এইসব ক্রিয়া আবার লিঙ্গ ভেণে রূপ পরিবর্তন হবে। হিন্দীতে বর্তমান, অভীত ও ভবিয়াৎ কাল অমুধায়ী তিন প্রকার প্রভায় ক্রিয়ার সঙ্গে যুক্ত হয়। এই প্রভায়গুলি হলো—ট্রু. ই,

বৰ্তমান (পুংলিজ)

একবচন

বস্তবচন

मै जाता हूँ (मान्न काला हूँ) हम जाता है (रूप काला राँ।)

धक्रका.

বহুবচন

सीता जाती है (गोड़। बाड़ो शांत्र) रमा और शीड़ा जाती हैं (दांग देव नीना बाड़ो शांत्र)

ভবিগ্ৰৎ কালে বাওয়া ক্রিয়ার রূপ হবে---

में जाउंगा (मँग्र का डेशा) यदु जायेगा (हेबळ् कारब्शा) सीता जायेगी (मौडा कारबंगी)

ভাহলে দেখা যাচ্ছে हिन्मी एउ वर्डमान कालে वावका প্রভায় গুলি হলো—हुँ, है, हो, हैं।

चडोडकाल वावज्ञड व्यडावस्ति शल! —था, थे, थी, थी।

ভবিশ্বংকালে ব্যবস্থাত প্রভাৱ গুলি হলো- होगा, होगी, होगे, होंगे।
वर्জमान कालের প্রভারযুক্ত করেকটি বাক্য
एक उड़का बैठा है (এক লড়কা ব্যায়ঠা হ্যার)—একটি ছেলে বলে
আছে।

स्याम जाता है (म्हेन्नाम् काष्टा शात्र)—श्राम यात्र्ह ।
यदु खाता है (हेन्न्ड बांठा शात्र)—यद् बात्रह ।
स्मेन धाया है (त्राम जान्ना शात्र)—त्राम अत्राह ।
ध्रमेल पढ़ता है (कमन भेज्ञा शात्र)—समन भेज्ञा ।
ध्रमेल सेलता है (ध्रमेल भेज्ञा शात्र)—समन भेज्ञा ।
साध्य कुद्ता है (मार्थ्य कृत्वा शात्र)—मार्थ्य नाकात्व्ह ।
कीतिहन

যক্ষ ভত্তকী মীতী है (এক লড়কী ব্যাষ্ঠী হাায়)- এইটি মেয়ে গলে আছে।

रमा आती है (तमा खांछी शांत)— तमा बाष्ट । शीं जा खाती है (नीना बांछी शांत) — नीना बाष्ट । भीं रा खांची है (मीता खांत्रो शांत्र) — मीता अत्मर्घ । बीणा बढ़ती हैं (वीना भंजी शींत्र) — दीना भंजूंछ । दिया सेव्हती है (तता स्वन्छी शांत्र) — त्रना नाकाल्छ ! कमला सुद्वी है (कमना कृष्टी शांत्र) — कमना नाकाल्छ !

থভীত কালের প্রভায়যুক্ত ক্ষেকটি নাক্য তক ভর্ত্য ইতা যা (এক্ শড়কা ব্যায়ঠা থা)—একটি ছেলে বসে-ছিল। स्याम गया था (श्राप्त भन्ना था)—श्राप्त भिरम्रहिन । यदु खाया था (देन्नष्ट्र थाना था)—वद् (अरम्भिन । रमेन आया था (त्ररमन षाम्ना था)—त्ररमन अरम्भिन । कमल पढ़ा था (त्रमन भाग था)—कमन भर्ष्म् । अरूण खेलता था (ष्यकर्ष् (स्वन् ा था)—स्वन्न (स्वार्ण्य हिन । माधन कुद्ता था (साथन कृष्ण था)—साथन नाका छिन ।

ক্রীলিঙ্গ

एक लड़की बैठी थी (এक नफ्की नाइठी थी)—এकि सारा वरमिन।
रमा गयी थी (त्रमा गत्री थी)—त्रमा निरहित्त ।
शोला खायी थी (नीना थाग्री थी)—नीना स्वरहित ।
भोरा आयी थी (मीना थाग्री थी)—मीना स्वरहित ।
वीणा पढ़ी थी (अग्रिफ् नि भो) भी)—मीत्रा अप्तिहित ।
रेवा खेलती थी (दिवा स्वन्छी थी)—त्रवा स्वर्तित ।
कमला कुदती थी (कमना कृष्ठी-थी)—कमना नाकिरप्रहित ।

ভবিশ্বৎ বালের প্রভায়মূক্ত কয়েকটি বাক্য

खड़का बेठेगा (मण्का गान्नर्द्धशा)— हिलाँहे वमरव । राम जायेगा (न्नाम खारद्रशा)— न्नाम धारव । श्याम खायेगा (ग्राम धारद्रशा)— ग्राम धारव । रमेन खेलेगा (न्नाम (धार्मशा)— न्नाम थारव । कमल पढ़ेगा (कमम (भार्मशा)— कमम भण्रव ।

खीनित्र

छड़की बैठेगा (नष् की नाइर्रिजी)—सिराइटि वमरव । शीला जायेगी (नीना खार्सिजी)—मीना वारत । मीरा खायेगी (मीना बार्सिजी)—मीना वारत । सीमा खेलेगी (मीमा त्थलकी)—मीमा त्थनरव । रीणा पदेगी (बीफ्री भएड़की)—हीना भएरव ।

()

कीवा उड़ गया (कथ्या छेड़ शता) -काकि छेएड़ श्राह ।

नौका पर रमेश बैठा है (न्ध्का श्रद्ध त्राप्त्र त्राप्त्र त्राप्त्र त्राप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र व्याप्त्र ।

गौतम मेरा माई है (গণ্ডম্ মেরা ভাই হাার)—গৌডম আমার ভাই।

गंगा का पानी मीठा होता है (গন্গা কা পানী মীঠা হোভা হার)
—গঙ্গার জন মিষ্ট হয় ।

रावण छंका का राजा था (बार्स्झ फ्र्न का बाका था) दावन नकाद बाक्स किलान ।

उसने जंगल से सीता को चुराया (উস্সে অন্গশ্সে সীতা কো চুরারা)—তিনি অরণ্য থেকে নীতাকে হরণ করেছিলেন।

गोपाल गाँव से आता है (গোপাল গাঁও দে আভা হ্যার)— গোপাল গ্রাম থেকে আসছে।

वह गाँव का आदमी है (७३१ गाँउ का जापनी शांत) - त्न शांसन लाक। प्रातः थगवान को याद करो (প্রাতহ্ব ভগওয়ান্ কো ইয়াদ করে।)
—প্রাতে ভগবানকে শ্বরণ কর।

रमेन के पास गेंद है (त्रामन क भाग ऑप शांत्र)— त्रामानत काष्ट्र कृष्टेवन चाह्न ।

कोयल डाली पर बैठी थी (কোরল্ ডালী পর ব্যায়ঠী থী)— কোৰিল পাছের ডালে বসেছিল।

(0)

इसके चार पैर और दो सींग है (हेम्ट्क ठाव भावत चस्त्र हा मीरभ शाव)—अरमत ठावि भा अवर शृष्टि भिर चारह ।

यद दाना, भुसी इत्यादि खाती है (ইয়হ্ দানা ভূসী ইত্ইয়াদি শাতী হ্যায়)—এরা দানা ভূষি ইত্যাদি খায়।

हरी-हरी घास यह स्त् पसन्द करती है (इत्री इत्री घाम रेवर श्व भगम क्वणे शाव)— अत्रा मत्व मत्व घाम श्व धामवारम ।

हम सुबह-शाम दोनों क्छ गाय की दूघ पीते हैं (२४ स्वर् भाम प्रात्भ ६ ब्रङ् भाव की ह्द शीएंड हैं) में चामका मकान मह्या स्वना भक्त स्थ भान कि ।

हम गाय को गोमाता भी कहते हैं (इस् शाह का श्रिवाण छै। कह एवं हैं। अपना श्रवत श्रीवाण वर्ग वाकि।

পরিচিত ব্যক্তির সঙ্গে আলাপ ও অভিবাদন

मिः बोस-नमस्ते मिः दास (भिः तात-नमत्त्व भिः नात)--

मिः दास —नमस्ते, सुप्रोभात (भिः दान—नमस्त्र, स्थाणाण्)— भिः दान—नमस्त्र, स्थाणाण्।

मिः बोस - कहिए, आप कैसे हैं १ (भिः ताम्-कश्व, जाश् का'त्रत्र द्यांत्र १)—भिः ताम-न्तन्त, जाभिन त्वमन जारून १

নি: दास—मैं ठीक हूं, आपका क्या हाल चाल हैं ? (মি: দাস— মাঁয় ঠীক হুঁ, আপকা ক্যায়া হাল চাল হ্যায়)—মি: দাস—আমি ভালই আছি। আপনার কি ধ্বর ? কেমন চুলছে ?

मिः बोस—धन्यवाद, मैं भी ठीक हूँ। (भिः वान—धन्देश्वाप भंज को ठीक हैं)—धन्नवाप, वाभिष कानरे वाहि।

ितः दास —आपसे मिलकर सुशी हुई। (भिः नाम—आपनाटक भारत थुनी र'नाम।

मिः बोस—यह मेरा सौभाग्य है (মি: বোস—ইরছ মের। সঙ্ভাগ্ইর হ্যার)—মি: বোস—এতো আমার সৌভাগ্য।

मिः दास- काफी समय के बाद हम मिछ रहे हैं। (भिः नाम — काकी नमग्र कि वान इन् भिन् ब्राह्म)—भिः नाम — कानकिन श्र वाभारत प्रभा शता।

मिः ब्रोस - हाँ भाई, मैं कलकत्ता के बाहर गया हुआ था (मिः বোদ—हाँ छात्रे, भाँउ कनकला क दाइड गरा हथा था)—भिः वाम—हाँ छाहे, चामि कनकालोब वाहरब शिसाहिनाम।

मि: दास -आप बाहर से कब छीटे ? (मि. पान - नान ् वाहत तम कर् नक्ष ?) - मि: पान - नानि वाहरत श्रांक करत कित्रानन ?

सिः बोस — मैं कुछ प्रातः ही बाहर से छौटा हूँ (भिः বোদ— गँ। प्र कृष्टा छट्ट हो वाहत সে সঙ্টা हूँ)— भिः বোদ— আমি কাল সকালেই বাইরে থেকে ফিরেছি।

मि दास -क्या मुक्ते देखकर आप अवरज हो रहा है ? भिः मान -- भाता मूल प्रवक्त चान चन्त्र हो तहा होता ?)-- भिः मान चानि कि चानाक प्रतक्ष चराक श्राहरू ?

सिः बोस -आप से अचानक मिलकर मुक्ते प्रमन्नता हुई है। (शिः वाम-मान मान का कानक भिनकत् भूता व्यन्ता हुई हो। (शिः मान कार्य कार्य क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच क्रांच)-- भागनात

मिः दास जुल्हा भाई, अब सुमे चलना चाहिए (मिः नाम – चाह्हा छान्ने, चर्म् पूर्व प्रमा गिरिया।) मिः नाम – चाह्हा छान्ने, अर्थन चामारक रहर ।

मि: बोस क्या अप्रपंका धामी जाना जरुरी है ? (মি: বোদ – कांब्रा আপকা অভী জানা জরুরী হার ?) মি: বোদ – আপনার কি এখনই যাওয়া প্রয়োজন ?

मिः दास – हाँ भाई, बहुत जरुरी है। (भिः पान – हाँ छाजे, वरूष बाउरी शाय) भिः नान – हाँ। छारे, थूवरे প্রয়োজন।

मि बोस — अब फिर कब भेट होगा ? (भिः त्वान— अव कित् कव (छि हान। ?) भिः तान— आवात करत प्रचा हरत ?

मिः दास -किसी न किसी दिन अवश्य भेट होगा ? (भिः नाम -

किंगी न किंगी मिन चे ७ देशन हैं इ. एडंडे (शंशा) शिः मान - कान ना कान मिन चर्च प्रचा शरा ।

मिः बोस्य ठिक है, नमस्ते। (भिः वान - ठिक शाव, नश्राह्म) ठिक बाह्म नमस्ता।

কভকগুলি ছোট ছোট বাক্য

बस ठीक है, इतना ही काफी है (रम् क्रिक शाह, रेखेंना शे काकी शाह) – এই क्रिक-चाहि, এই सर्वह ।

मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं (मात्र जाशक जिल का त्रा क्व मक्छ। हूं) - जानि जाशनात्र ज्ञा कि कर एउ शांति ?

প্রাপ ধুরা तो नहीं मार्नेगे (প্রাপ্রা ভো নহী মানেংগে)—
প্রাপনি ভো কিছু ধারাপ মনে করছেন না গু

मुमे इंजाजत दें (भूत्य रेखां छ एं) - जायां य जर्मि पिन । आपने क्यों तकळीफ की ? (जाल्त कि उद्वीक की ?) काल्त कि उद्वीक की ?)

यह बिल्कुल ठीक है। (इंग्रड् दिल्क्ल् ठिक शाम्) - कि একেবারে ঠিক আছে।

()

कृपया अन्दर छाइए। (কুণয়া অন্দর্ আইছে)- দয়া করে ভিডরে আসুন।

कृपया बैठिय (कुपग्ना वााग्न् विरय्न) - मन्ना करत्न वसून । कृपया फिर प्धारें (कुपन्ना कित्न प्रधारत) - मन्ना करत्न स्मानात्र स्नामरतन । जरा सुनिए (जर्रा स्निरंद्र)— এक ए असन ।
क्या हुआ १ (क्रांचा हजा १) – कि र'ला १
समम में आया (नमस तम जाजा) – यूकर अलावि ।
क्या तुम्हें मालूम है (क्रांचा जूम हम मानूम ह्यांच) – जालिन कि

यह क्या है ? (देशर् कााश्रा शांत ?) — अनव कि ?
क्या समाचार है ? (कााश्रा नमाठात शांत ?) — धवत कि ?
मैं एक दुकानदार हूँ (मात्र धक् छ्कानमात है) — मामि धक्कन
पाकानमात्र ।

राम कहाँ है ? (त्रांभ कटा छात्र ?) — त्रांभ काथात्र ? यहाँ शीखा बैठी थी। (देशटा मीना व्यात्रठी थी) — वशास्त्र मेना वरमहिन।

कोई उम्मीद है ? (कांत्रे उमीन शाय)— कांना जाना जारह ? शायद रमा आएगी (नायन तमा आंधिती)—मञ्चवः तमा जामरत। आपका क्या विचार है ? (आंश्का कांग्रा उग्निगत शाय ?)— जाननात मञ्जि ?

धोहा सा स्त्रीर पानी छास्रो (থোড়া সা অঙর পানী লাও)—আর একটু ছল আন।

यह कब हुआ (हेग्रह कर् हका) — এ कथन हाराहिल ? इसी वक्त जरूरत था (हेनी ध्यक ब्युत्रवर्ष था) — এहे नम्ब्र द्यागायन हिला

है भगोतान । मेरा कपुर माफ कर दो (द्र ज्यां श्वान् । स्तरा उद्भव माक् कव् (नाः)—द्र ज्यांन । ज्ञि जामाग्र माक कर्व नाउ । ईश्वर का घन्यशद (क्रेन् ७व् का थन्हेग्रवान)—क्रेववरक वज्यान ।

লবা হকা तो (জরা রকো তো) -একটু দাড়াও তো। आप सुनिए (আপ্ স্থানিএ)—আপনি শুমুন।

मधु नीचे उतरो (भर् नीटा छेड्राता)—मर् नीटा नाम ।

ঠিক है, तुम तैयार रहो। (ঠিক হ্যায়, তুম ত্যায়য়ার রহো)—ঠিক
चাছে, তুমি প্রস্তুত থাক।

तुम सब एक तरफ हो जाओ (जूम् नव् এक उद्रक्टा चा ७)— खामदा नव এक शाद निरम्न गाउ ।

मेरे पीछ खाओ (भारत शिष्ट चां ७) — चामात शिष्टान এमा। ध्रत खासली बात कही (घर घम्मी वां करश) — এখন चामन कथा वंता।

तुरन्त वापस जाओ (তুরস্ত ওয়াপস্ জাও)—ভাড়াভাড়ি ফিরে সাঙ ।

रहिम कल वापस भाना (दश्मि कन् भ्यांश्म भाना)—दश्मि कान किद अरमा ।

ক্ষিনাৰ ওঠাপা (কিভাব্ উঠাপ)—বই ভোল।

होशियारी से काम करो (हानिशाती त्र काम करता)— अड्र्क्छात

तुम कुछभी न बोलो (তুম্ কুছ্ভী ন বোলো)—তুমি কিছু বোল মা। चावल वहां रखो (ठाउद्गन् उद्गर्शं द्राथा '— टान उथारन द्राथा। जोर से खोंचो (खादरन थे हिं '— खादत है। होना। जल्दी करो (खन्नो कहना)— डाड़ाडाड़ि करता। द्रावाजा खोलो (नद द्रावाजा थारना)— नदला त्यारना। खिड़की बन्द करो (थिड़की वन्न करता)— चानाना वन्न कद।

(8)

यह कीन है (हेग्रह कर्ष्य शांग्र)—हिन कि ! तुम कीन हो (पूम कर्ष्य (हा !)—इिम कि ! वह कीन था (ध्यह कर्ष्य था !)—हिन (पूर) कि हिल्म ! वह कीन थो (ध्यह कर्ष्य थी)—हिन (क्वी) कि हिल्म ! धाप कहाँ रहते हैं (चाल कहाँ उहां हु हा। यू)—बालिन काथां ॥ थांक्य !

तुमहे हुआ क्या (তুম্হে হুমা ক্যায়া)—ভোমার কি হরেছে ? तुम अब क्या करता है (তুম্ অব্ ক্যায়া করতা হ্যায়)—তুমি এখন কি কর ?

জাদ इंसते क्यों है ? (আপ্ হঁস্তে কিউ হাায় ?)—সাপনি হাসছেন কেন ?

हसने आपसे क्या कहा (উস্নে আপ্সে ক্যায়া কহা)—সে ভোমাকে কি বলল ?

ভাৰ में क्या करू १ (অব্মায় ক্যায়া করা १)—এখন আমি কি ক্রবেবা १ भव इस छोग क्या कर (অব্হম্লোগ ক্যারা করুঁ?)—এখন আমরুধ কি করবো?

এব ন্ত্রম ভাগ কথা করান (অব্ ভূন্ লোগ ক্যারা করোগে)—। এখন ভোমরা কি করবে !

भाव तुम क्या करोगी (অব্ তুন্ ক্যায় করোগী)—এখন ভূমি (গ্রী) কি করবে ?

क्या में उसे बुलाउं (कााग्रा माँग्र डेरन व्नार्ड)—माभि कि छारक छाकरना ?

क्या में रामको वुद्धार्क (कामा माँ म नामका वृत्वार्क)—न्नामि कि नामक जानता !

उसका क्या राय है (छेन्का कााम्रा मात्र शाम्र)—छात्र कि मछ ? यदु डांगदारको बुढाओ (हेन्रष्ट्र डांश्नमान्दका वृना ७)—यष्ट्र छोडात्रक डाक ।

(a)

ক্যা ব্ৰুম জাণিয় সান ক কিছে নীয়াছে হৌ (ক্যায়া ভূষ্ সাণিস জানে কে লিএ ভ্যায়ার হো ?)—ভূমি কি স্ক্রিম ধাবার ক্ষম প্রস্তুভ হয়েছো ?

ধাৰ নী হ্ব ৰজনক বিষ মিনত ৰাক্ট ই (শব্ ডো দস্ বৰ্জ নেকে বিস্ মিনট বাকী হাায়)— এখনো ভো দশটা বালতে কুড়ি মিনিট বাকী।

আস ব্রুবের সানা সহবী है (আজ তুরত জানা জররী হ্যার)—

पাত ভাড়াডাড়ি বাওরা প্রয়োজন।

हुत्र पुरस्त में कब होगे (जून क्र्नुक (व कर (शात !) -आयात करव नमग्र शरद !

কুম্যা আৰু एतवार में आ जाना (কুণরা লাপ্এড ধরার যে লাজানা) বরা করে আপনি রবিবারে আহুন।

द्राह्यर, यहाँ गाद्गी खड़ी करनर मना है (जाहेरत, हेन्नई। गाड़ी थड़ी कतना मना शास) - जाहेशांत, अधारन नार्जी ताथा निरुष ।

थोड़ा दाहिना जाकर बाँया चिछए (स्थाण माहिना चाकत तांका जिल्हा)— बद्ध जानमित्क शिर्क वांशित्क व्यून ।

मुक्ते पातः जल्दी चठा देना, काम है (पूत्र आड्ड क्यांने डेठा जना, काम ह्यांत्र) – भाषात्क मकात्म डेठित विश्व काम चाहि।

मेहमान को अन्दर बुढाओ (प्रश्मान् का मन्दर् न्ताव)— यिथिक छिटत छारका।

उन्हें कडकता घुमा छाओं (डेन्ट्र कनवडा घूमा नाड़) — बनारक कनकां चूतिरा चान ।

इसका क्या उपाय है, इससे कैसे उत्तरा जान? (देन का काज़ा उभाग्न छात्र, देन एन काज़रन छेल्यना काज़?)— अब छेनाव कि ? अरक कि करत পরিত্রাণ করা বার ?

ভাষ ক্ৰাই কাম নহা (অব্ কোই কাম নহা)—এখন কোন কাজ নেই।

(6)

साच कहो (मार् करा) - मजा वरना । फुटा मत कहो (बूगा मड् करा) — विधा वर्ग ना ।- ंरोटी छाञ्चो (রোটী লাও) – রুটি আনে।।

एक गिलास पानी लाखों (এক গিলাস পানী লাও)— এক গ্লাস জল আনো।

हमारा सवाल को जवाब दो (इसाता मध्यान (का खाउँ वा पा)
— चामात व्याचन উত্তর দাও।

चिट्ठीमें क्या लिखा है पट्टो (हिएँ शिर्म कााग्रा निश्रा शाह्य भएटा)
— हिंद्रिएक कि निर्द्याह भूछ ।

गुसल करके खाना खाओ (श्वमन् कर्तक थाना थाও)- श्वान् करद थांबाद थाও।

किताब पढ़ो (किंठाव भएंग) — वहे भएं ।

खाते का मिलन करो (খাতে কা মিলন করে।)— হিসাব মিলিয়ে নাও।

बजार से आल् लाओ (বজার সে আল্লাও)- বাজার থেকে আলু আনো।

टेक्सी स्टैण्ड से एक टैंक्सी बुलाओं (ট্যাক্সী স্ট্যাণ্ড সে এক্ ট্যাক্সী বুলাও)— ট্যাকসী স্ট্যাণ্ড থেকে একটা ট্যাক্সী ডাকো।

तुरन्त इधार आओ (তুরস্ত ইধার আও)- তাড়াতাড়ি এদিকে এনো।

बस स्ट्याण्ड में (तम क्यांश्व तमें)—ताम क्यांस्थ बबा दुर्गापुर के लिए यही इस स्ट्याण्ड है १ (क्यांग्रा प्रशीभूत्र त्क শিয়ে ইয়হী বস্ স্টাও হ্যায়) — এটি কি ছ্র্গাপুরে যাবার বাস

जी हाँ, यही दुर्गापुर के लिए बस स्टाप हैं (को है।, डेग्नरी इर्गामृत कि नित्य वन् कील, डााम्)—चार हैं।, अपि इर्गामृत याताम वान केल।

क्या बस चला गया १ (किश वन् ठना गंगा ?) — वाम कि छल्ल शंह ?

जी नहीं, अभी बस नहीं आया। (জी नहीं, অভী বদ্ नहीं আয়া)— আছে না, এখনও বাস আসেনি।

জगली बस कब आएगी ? (जैंग लो বস্কব, আয়েগী) – পরে। বাস কখন আসবে ?

इसको छगभग आठ वजेके अन्दर आजाना चाहिए। (ইস্ং≆ লগ্ভগ্আঠ্বজেকে অন্দর আ জানা চাহিএ।)—অহতঃ আটটার মধ্যে আসা উচিত।

यहाँ से दुर्गापुर पहुंचने में कितना समय लगता है (ইয়হাঁ বে ছুর্গাপুর পহঁচ,নে মেঁ কিড,না সময় লগতা হ্যায় ?) - এখান খেকে ছুর্গাপুর যেতে কত সময় লাগে ?

ल्याभग पाँच घन्टे से ज्यादा समय लग जाएगा (লগ্ভগ, প্র ঘটে সে জইয়াদা সময় লগ্ জাএগা)— অন্ততঃ পাঁচ ঘটারও ্রশী সময় লাগবে।

क्या वस ठोक समय पर आती जाती है ? (কেয়া বস্ঠীক্ সফ পর্ আতী জাতী হ্যায় ?)—বাস কি ঠিক সময় আসা যাওয়া করে ?

जी हाँ, ठीक समय पर आती जाती है। (को ठाँ, ठीक नमह क

আতী আতী হাায়।)—আজে হাা, ঠিক সময়েই আসা বাওয়া করে।
ভাবে কর্টা লাজানী ? (আপ্ কহাঁ আৎগে ?) —আপনি কোণায়
বাবেন ?

में तो बहु मान जाउँगा। (भैं) य एठा ६ यू त्थमान् चाउँश।)— चामि एटा दर्थमान वारता।

यहाँ से वर्द्ध मान पहुँ चने में कितना समय छगता ? (ইরহাঁ সে ধ্রুর্ধমান পহঁচ,নে মেঁ কিড,না সময় লগতা !)— এখান থেকে বর্ধমান যেতে কভ সময় লাগে ।

ढाई घन्टे से अधिक नहीं। (চাই ঘণ্টে সে অধিক নহীঁ)—
শাড়াই ঘণ্টার বেশী নয়।

क्या बस में ज्यादा भीड़ रहती है ए (कााग्रा वम् भ क देशाना छ। जह की जाग्रा १)—वारम कि श्रव छोड़ दश १

भीड़ तो ज्यादा रहती है, छेकिन आपको सीट मिल जाएगा।
है जै ज़ का कहेबाना बहली शाम, लिकिन वाल हका नी किल्
काका।)—जै ज़ का दिनी शास्त्र। किन्न वाल तो लिख वालना नी किल्

পৰ तो প্ৰাঠ ৰন্ধ দাৰ দিনত हुপা। (অব, তো আঠ বন্ধকে পাঁচ মিনট হুমা।)—এখন তো আচিটা বেকে পাঁচ মিনিট হয়েছে।

वह आपकी बस आ रही है। (५वट, आल को उन् आ दरी शावा) — में य आलनाद वान आन एह।

देखीफोन (हिनिस्कान)

है हो, आप दिसको मांगता ? (शाला, बान किनरका मांगला ?)
—शाला, बाननी कारक हान ?

में भी राय से बात करना चाहता। (भँ प्र श्री बाग्न त्न वाख कत्ना চাহতা)—श्रामि श्रीवारप्रत मरक कथा तमरू ठाई।

खाइन पर ही रहिए। (नारेन् भन्न शे निर्देश।)— अक्ट्रे स्कन। हैलो, कौन बोल रहे हैं ? (शाला, करन् तान् नरह शास !)— शाला, तक कथा तनहान !

में श्री दत्त बोल रहा हुँ। (भँग्र औ मख द्यान् त्रश रूँ।)— स्थाभि औ पत कथा दनहि।

क्या में आज चार बजे आपसे मिछने आ सहता हुँ ? (काग्र) निग्न बाल ठात् राज बाल रुप्त भित्रात या तका है ?)—बाभि कि बाज ठातरहेत तमग्र बालनात तरक राजा कराड बातरह लाति ?

जहर आ सकते हैं। (अक्ष वा मक्ट है।)—निभ्छ्य है स्थामर अधिका।

मेंने आपको पह छे दो बार फोन किया लेकिन उत्तर नहीं मिला। (ब'ग्रह्म आप का पह जिला पात्र कान् किया लेकिन छेड ्डब नहीं मिला।)—आभि वापनारक चार्ण छ'वात्र स्थान करत्र हिनाम, किल छेड त पाहेनि।

श्चायद छाइन खराव था (भाष्म नाहेन भवाव था) (वावहत । व्याहेन भावाभ हिन ।

ठिक है, हम चार बजे जहर आवेगा। (ठिक छात्र, इस हात्र दृष्ट बक्रत वाखरत्रा)—वामि हात्रहित नमग्र िम्हत्रहे वान्रहा। इत्या जोर से बोले मैं आपको आवाज ठीक से नहीं सुन पा रहा हूँ (কুপয়া জোর্দে বোলে। ম')য় আপকী আওয়াজ গীক সে নহী সুন পা হহা ছ')—দয়া করো জোরে বলুন। আমি আপনার কথা ভালভাবে শুনতে পাচ্ছি না।

क्या फोन में कुछ खराबी है ? (ক্যায়া ফোন্ মে কুছ খরাবী হ্যায়)—আপনার ফোনে কি কিছু গোলমাল আছে ?

हाँ कुछ गड़बड़ है (হাঁ কুছ্ গড়বড় হ্যায়)—হ্যা, কিছু গোলমাল আছে।

दुकान में (प्रकान (म)-- (माकारन

चावल कितना भाव है ? (हारन किएन। ভाउर हारर)

चार रुपैया, चार रुपैया आठ अन्ना और पाँच रूपैया (চার রূপ্যায়য়i, চার রূপ্যায়য়া আঠ অলা অওর্পাচ রূপ্যায়য়া)—চার টাকা, চার টাকা আট আনা এবং পাচ টাকা।

चार रुपैया के चावल कैसा किस्म का है ? (চার রূপ্যায়য়া কা চাত্রল্ ক্যায়সা কিমা কা হ্যায়)—চার টাকার চালটা কি রকম ?

देख छिजिए उसका नमुना (प्रथ निष्किः स उन्हा नमूना)— नमूना प्राथ निन ।

यह चावल कुल घटिया किस्म का मालुम होता है। (रेइट् ठाउँन कृष्ट परिग्ना किया का मालूम (राजा आग्ना)—এই ठान किछू निरुमात्मत तरन मत्न रहन्। जी हाँ, पाँच रुपैयावाला चावल बढ़ियाँ होगा। (को हाँ, পাঁচ काभागा देशाना চাওয়ল বঢ়িয়া। হোগা।)—আজে হাঁ।, পাঁচ টাকা সবের চাল ভাল হবে।

জভ্যা, নমুনা বৈজ্ঞার্থ। (সচ্ছা নমুনা দেখ্লাইএ।)— আছো, নমুনা দেখান ভো।

देख लिजीए। (प्रथ् निष्ठों व)—(प्रथ्न।

हाँ, यह चावल बढ़ियाँ किस्म का है (হাঁ, ইয়হ চাওয়ল বঢ়িয়াঁ।
किय का शाय)—হাঁা, এই চাল উচু মানের।

कितना छागेगा आपका १ (কিত না লগেগা আপ্কা ?)—কডটা লাগবে আপনার ?

প্তাৰ বিষ্টিজ নি নি না । (অব্বিস্কেজি নগেগা)—এখন কুড়ি কিলো নাগবে ।

প্রভা সী, हम अभी लेता हुँ। (অচ্ছা জা, হন্ অভী দেড; ছুঁ)—মাজা মহাশয়, আমি এথনি দিছিছ।

और क्या क्या सामान देगा ? (बढ्र कांग्रा कांग्रा नामान দেগা ?)—আর কি কি জিনিল দেব ?

मुंग दाल कितना भाव है ? (মু'গ দাল কিত্না ভাতর স্যায় ?)—
মুগের ডাল কত করে দাম ?

दिनों के नाम

দিনের নাম

इतवार—रेख ७ ग्रांद (त्रिवात) रिवचार । सोमवार—त्राम ७ ग्रांद (त्रांमवात) सोमचार । मंगळवार—मःशन ७ ग्रांद (मननवात) मंगळवार । बृधवार—वृश्छ्यात (वृश्वात) बृधवार । गुरुवार या बृहस्पतिवार—श्वम्छ्यात रेग्रा वृश्व्यात (श्व्मवात

भृगुनार या शुक्रवार— वृष्ण्यात हेश एकवात (वृष्ण्यात वा एकवात) भृगुनार वा शुक्रवार।

शनिचर या शनिवार—भनिष्य हेश भनियात (भनिष्य वा भनिवात) शनिचर वा शनिवार।

महीनों के नाम भारत्रत्र नाम

वशाख—६ग्राग्नमार (देवमार) बेशाख । जेठ— कर् (क्ष्यं) जेष्ठ । आवाद्द—बावां (वांवां) आवाद । सावन—मार् यून् (खांवं) आवन । भादो—ভाদा (ভाज) भाद्र । क्वार—क्यांद्र (वांविन) आणिन । कातिक—कांकिक (कांविक) कांनिक

व! वृश्म्भि (वा ब्रह्म दिवार ।

भगहन—भग् इन् (भग्नशायन) अमहायन।
पूष--शृष (शोष) पौष।
माष--भाष (भाष) माघ।
फागुन--भाछन (काञ्चन) फाल्गुन।
चैत--गाव्रक् (टेन्क) चैत्र।

अंगरेजी महीनों के नाम हैश्टबन्धी माटमब नाम

कतवरी—कन्ध्यती (काश्याती) जानुवारी।
फरवरी—सन्ध्यती (क्क्याती) फेज्रु यारी।
पार्च'—मार्ठ (मार्ठ) मार्च'।
छंत्र —करथन (अ.थन) पप्तिछ।
कर्द-भन्ने (स) मे।
जून-कृन (कृन) जून।
क्लाई-कृनाने (कृनारे) जूलाइ।
कास्त-कन्ध (काश्रे) आगष्ट।
सितम्बर-निज्यत (मर्ल्डियत) सेप्टेम्बर।
अक्रुबर-क्क्यूवत (कर्डियत) अक्रोबर।
विसन्बर-निज्यत (क्रियत) निमेन्बर।
दिसन्बर-मिन्यत (क्रियत) विसेन्बर।

्१ से १०० तक् संख्या गिनती এक इंट्रेटड ১०० शर्यन्त गरंथा गंगना क

১ এক	१ एक	২২ বাইশ	२२ बाइस
२ इरे	२ हो	২৩ ভেইশ	२३ तेईस
৩ তিন	३ तीन	২৪ চবিবশ	२४ चौबीस
৪ চার	४ चार	२० भैक्षि	२५ पश्चीस
৫ পাঁচ	५ पाँच	২৬ ছাবিবশ	२६ छब्दीस
৬ ছয়	६ छः	২৭ সাভাশ	२७ सताईस
৭ সাভ	७ सात	२৮ षाठाष्ट्रम	२८ अठाईस
৮ আট	८ পাठ	২৯ উনত্রিশ	२६ चन्तीस
৯ নয়	६ नौ	৩০ ত্রিশ	३० तीस
১ • দশ	१० दस	৩১ একত্রিশ	३१ इकतीस
১১ এগার	११ ग्यारह	৩১ বত্রিশ	३२ वत्तीय
১২ বার	१२ बारह	ং৩ তেত্রিশ	३३ वेंतीस
১৩ ভের	१३ तेरह	৩৪ চৌত্রিশ	३४ चौतीस
১৪ চোন্দ	१४ चौदह	৩≀ পঁয়ত্রিশ	३५ पेंतीस
১৫ পনের	१५ पन्द्रह	৩৬ ছত্রিশ	३६ छत्तीस
১৬ ষোল	१६ सोछह	৩৭ সাঁইত্রিশ	३७ सैंतीस
১৭ সতের	१७ सतरह	ৎ৮ আটত্রিশ	३८ षड़तीस
১'দ আঠারো	१८ अठारह	৬৯ উনচল্লিশ	३६ चन्ताछीस्
১৯ উনিশ	१६ उन्नीस	৪০ চল্লিশ	ु ४० चाळीस
২০ কুড়ি	२० बीस	৪১ একচল্লিশ	<i>४</i> १ एक्ताछीस
২১ একুশ	२१ इक्तीस	8 २ विग्राह्मिण	४२ बयालीस

৪৩ তেভাল্লিশ	४३ तैताछीस	৬৫ প্রয়েষ্ট্র	६५ पंसठ
৪৪ চুয়াল্লিশ	४४ चौवाछीस	৬৬ ছেষট্টি	६६ छियासठ
৪৫ পঁয় গাল্লিশ	४५ पैताछीस	৬৭ সাত্ৰট্ট	६७ सरसठ
১৬ ছিয়ারিশ	४६ छिया लीस	৬৮ আট্ব ী	६८ अ ङ्सठ
৪৭ সাতচল্লিশ	४७ सैंतालीस	৬৯ উনসত্তর	ई ६ उन् इ त्तर
৪৮ আটচল্লিশ	४८ ध ड़तालीस	৭০ সন্তর	७० सत्तर
৪৯ উনপঞ্	४६ उन्चास	৭১ একাত্তর	७१ एकहत्तर
६० अकान	५० पचास	৭১ বাহাত্তর	७२ बहत्तर
৫১ একার	५१ एकावन	৭৩ ডিয়ান্তর	७३ तिहत्तर
৫২ বাহার	५२ बावन	৭১ চুয়াত্তর	७४ चौहत्तर
৫৩ ডিপ্পান্ন	५३ तिरपन	৭৫ পঁচাত্তর	७५ पचहत्तर
৫৪ চুয়ায়	५४ चौवन	৭৬ ছিয়াত্তর	७६ छिहत्तर
৫৫ পঞ্চান্ন	५५ पचपन	৭৭ সাত্যন্তর	७७ सतहत्तर•
৫৬ ছাপ্পান্ন	५६ छप्पन	৭ - আটাত্তর	७८ अठहत्तर
৫৭ সাতার	५७ सत्तावन	৭৯ উনাশি	७६ उन्नासी
৫৮ আটার	५८ अठावन	৵৹ আশি	८० अस्सी
৫৯ উনষাট	५६ उनसाठ	৮১ একাশি	८१ इकासी
৬০ ষাট	६० साठ	৮২ বিরাশি	८२ बयासी
৬১ একষট্টি	६१ इकसठ	৮৩ তিরাশি	८३ तिरासी
৬২ বাষট্ট	६२ वासठ	৮৪ চুরাশি	८४ चौरासी
৬৩ তেমট্র	६३ तिरसठ	৮০ পটাশি	८५ पचासी
৬৪ চৌষট্টি	६४ चौसठ	৮৬ ছিয়াশি	८६ छियासी

৮৭ সাতাশি	८७ सत्तासी	১৪ চুরানকাই	६४ चौरानदे
৮৮ অষ্টাশি	८८ अहासी	১১ পঁচানকাই	६५ पं चान दे
৮৯ উন্নক্ষই	८६ नवासी	৯৬ ছিয়ানকাই	६६ डियानदे
৯॰ নকাই	६० नज्वे	৯৭ সাভানব্বই	६७ सतान्त्रे
৯১ একানব্বই	६१ एकानच्चे	৯৮ আটানব্বই	६८ अन्डानने
२२ विद्रानकारे	ं ६२ बिरानवे	৯৯ নিরানকাই	६६ निरानंडे
৯ ' ভিয়ানকাই	६३ तिरानवे	১০ : এক শত	१०० एक स्ट्रे
১০০০ এক হাজার		१००० एक हजार	

पद् परिचय-अप अतिष्य

(Part of Speech)

कमल के पास पुस्तक है—(कमन कि भाग भूखक शांत्र)—कमरनत काइट वह चारह।

राम अच्छा छड़का है (ताम अव्हा नफ़्का शांत्र)—ताम खान हिला।

गीता खोर सीता जन्दी खाती हैं (গীতা ওর সীতা खननी আতী হাঁয়)—গীতা ও সীতা তাড়াতাড়ি আসছে।

खाह, मुक्ते छोड़ दो (चार् पूर्य ছোড় দো)—चाः, चामात्क ছেড়ে দাও।

উপরের বাকাগুলি কয়েকটি শব্দ নিয়ে গঠিত হয়েছে। এর মধ্যে—কমন্ত এবং पुस्तक কোনও ব্যক্তি বা বস্তুর নাম বোঝাছে। জব্জা শব্দটি ভর্কা শব্দের গুণ বোঝাছে। 'জল্বী' শব্দটি কাজের অবস্থা বোঝাছে। 'জীব' শব্দটি হুটি বাক্যকে যুক্ত করছে। 'জানী ই' শব্দটি কোনও কাজ করা বা হওয়া বোঝাছে। 'জাহ্ব' শব্দটি আবেগ বা হুঃখ প্রকাশ করছে।

वाक्य में व्यवहृत प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (ওরাক্ইয় মে ওয়বছাত প্রত্ইয়েক্ শন কো পদ কহতে হঁয়ায়)—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শনকে পদ বলে।

शिको-वारमा निका-् ७

ा वाश्नात मछ हिन्नोराज्य भाग भाग व्यकात, रायन— १। संज्ञा (मध्या)—विरमण २। विशेषण (अग्निरमण)—विरमण १। सर्वनाम (मद्भुशनाम) मर्वनाम ४। अञ्चय (अव्हेशस्)—अवास।

५। क्रिया (क्रिया) — क्रिया (संज्ञा (अ:ख्डा) — विस्था (Noun)

বাংলা ভাষার মতোই হিন্দীতে 'संज্ञা' বা বিশেষ্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(१) তথক্কিবাদক (ব্যক্তিবাচক), (২) জারিবাদক (জাতিবাচক), (২) মনুধ্বাদক (স্বযুহবাচক), (৪) মারবাদক (ভাববাচক)।

- (१) व्यक्तिवाचक (वाक्तिवाचक)—এই विश्वा प्रांता कान प्रांतिक, वश्च वा चारनत नाम वृक्षाय । यमन हिर (इति), गंगा (भःभा), कळकत्ता (कनकछा) छोहा (लाहा) देखामि।
- (२) সানিবালক (জাতিবাচক) এই বিশেয় ধারা এক জাতীয় সব বস্তু বা প্রাণীকে বোঝায়। বেমন—মনুত্য (মনুষ্ইয়), হাঘী (হাণী), बिह्नो (বিল্লী), पहाड (পহাড়), पेड (পেড়) ইত্যাদি।
- (३) समूहवाचक (সমূহবাচক)—এই বিশেয় ঘারা একজাভীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বুঝার।
 - (४) द्रव्यवाचक (জবাবাচক)— এই বিশেগ্য দারা যে কোনও জবা বৃঝায়।

(ধৃ) भावबाचक (ভাববাচক)—এই বিশেয় পদ দারা হর্গ, বিষাদ, ভর প্রভৃতি বোঝার।

सर्वनाम (जत्रुज्यनाम)-जर्वनाम

(Pronoun)

संज्ञा व वित्मश পरिषद পतिवर्ष्ड य श्रम वावशंत कता शत, जारक सर्वनाम (मद्रभ्द्रनाम)—मर्वनाम श्रम वर्षा। यमन—में, हम, तु, तुम, आप, वह, वे, यह, ये, क्या, कौन देखानि ।

हिन्मीए७ नर्वनाम इग्न व्यकात । यमन—पुरुषवाचक (भूक्ष्यवाहक), निम्नयवाचक (निम्हग्रवाहक), अनिश्चयवाचक (अन्निम्हग्रवाहक), प्रस्तवाचक (व्यन्नवाहक), सम्बन्धवाचक (न्यक्षवाहक) अवर निजवाचक (निष्कवाहक)।

এই ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামই বেশী প্রযোজ্য। সেজত এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হইল।

पुरुषवाचक सर्वनाम—এই সর্বনাম আবার তিন রক্ম। যেমন— उत्तमपुरुष (উত্তমপুরুষ), मध्यमपुरुष (মধ্যমপুরুষ) এবং জন্যपुरुष (অগ্রপুরুষ)।

एकवचन (এकरहन)

उत्तमपुरुष (উত্তমপুরুষ) मैं (ম্যায়)—আমি । মध्यमपुरुष (মধ্যমপুরুষ) ব্রুम (তুম) तু (তু) —তুমি ও তুই । खन्यपुरुष (चन्न शृक्ष) वह (५ इर) त्म, यह (देवर) ५ दे है है श कौन (कथन) तम, तमान, तमें (खां) त्य ।

বাক্যে প্রয়োগ—হ্ম रोज बंगला पढ़ते हैं (হম্ রোজ বংগ্লা পঢ়তে হাার) – আমরা রোজ বাংলা পড়ি।

मैं रोज हिन्दी पढ़ता हूँ (भँ ग्रा রোজ হিন্দী পঢ়তা হুঁ)—আমি রোজ হিন্দী পড়ি।

बह प्रतिदिन उर्दू पढ़ती हैं (ওয়হ প্রতিদিন উদূ পঢ়তী হঁটায়)— সে প্রতিদিন উদু পড়ে।

वे दैनिक अंग्रेजी पद्ता है (ওয়ে ছার নিক্ অংগ্রেজী পঢ়তা হ্যায়) ভাহারা দৈনিক ইংরাজী পড়েন।

উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যায়, লিক্ষামুসারে সর্বনামের পরিবর্তন হয় না, কিন্তু ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়।

বিহাৰণ (ওয়িশেৰড়) — বিশেৰণ (Adjective)

তে পদ বিশেয় পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা প্রভৃতি প্রকাশ করে, তার নাম বিশেষণ।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतानेवाले शब्दों को विशेषण कहते हैं (সংজ্ঞা ইয়া সর্ভ্য়নাম को ওয়িশেষভা বতানেওয়ালে শক্ষো কো ওয়িশেষড় ক্হতে হঁয়ায়)—সংজ্ঞা অথবা সর্বনামের বিশেষভা বুঝানোর শক্তিলিকে বিশেষণ বলে। বেমন— बुरा छड़का (वृता नफ़का)—शतांश (हरन । सन्दर बाछक (यूनमत वानक)— यूनमत (हरन ।

উপরের শবশুলিতে দেখা যায়, অকারাস্ত বিশেষণ পদ নিঙ্গ ভেম্বে পরিবর্তন হয় না।

আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেয়ের লিক ও বচন অনুসারে পরিবর্তন হয়। যেমন—

बुरा छड़का (यूत्री मफ्का)—খात्राभ ছেলে (এकरहन)
बुरी छड़को (यूत्री मफ्को)—খात्राभ भारत्र "
अच्छे छड़के (चर्छ मफ्र)—खान ছেলেগুলি (रहरहन)
अच्छी छड़कियाँ (चर्छ मफ्कित्रा)—खान भारत्रश्री "

বাংলার মত অনেক সময় আবার বিশেয়ের পরেও বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

यह मकान छोटा है (ইয়হ মকান্ ছোটা খ্যায়)—এই বাড়িটি ছোট।

गेन्दा फुड पीला होता है (श्रान्मा कूल् शीला हाजा हा।)—गामा कुल रलार रहा।

উপরের বাক্যগুলিতে 'মকান' বিশেশ পদের পরে এবং 'गेन्दा फुल्ড' বিশেশ পদের পরে যথাক্রমে—'छोटा' ও 'पीला' বিশেষণ পদ বসেছে।

পুংলিক বহুবচন হলে আ-কারাস্ত বিশেষণ পদ এ-কারাস্ত হয়। আর রীলিক উভয় বচনেই ঈ-কারাস্ত হয়। যেমন—

তানা তত্ত্বা (ছোটা লড়কা) ছোট ছেলে (পুং একবচন) তান তত্ত্ব (ছোটে লড়কে)—ছোট ছেলেরা ("বছবচন) তানা তত্ত্বা (ছোটা লড়কা)—ছোট মেরে (ব্রীং একবচন)

छोटी **ভड़कियाँ (ছোটা ল**ড়কিয়ँ।)—ছোট মেয়ের। (খ্রীং বছবচন) প্রতথ্য (অব্ইয়ন্ত্র্যু

े य भरभद्र कान ७ পরিবর্তন হয় না, তাকে অব্যয় বলে, হিন্দীতে বলা হয়—জিন্ত হাল্ব में विकार नहीं होता, उसे अञ्यय कहते हैं (जिन् भन भा उप्रकाद नहीं होता, উদে অব ইয়য় कह एव हाँ।)

হিন্দীতে অব্যয় চার প্রকার। অনেকে ক্রিয়া বিশেষণকেও অব্যয়ের মধ্যে গণ্য করেন। কিন্তু সেটি ঠিক নয়। বাই র্হৌক্, অব্যয় তিন প্রকার। যথা—(१) सम्बन्ध बोधक (সম্বন্ধ বোধক)। (২) समुख्य बोधक (সমুচ্চয় বোধক)। (३) विस्मयादि बोधक (বিশ্বয়াদি বোধক)।

- (२) समुख्य बोधक (अमूक्त्य ताथक) Conjunctions— (य व्यवप्र कृष्टि नंक वा वाकारक यूक्त करत, व्यथवा शृथक करत ठारकर ममूक्त्य ताथक व्यवप्र वरण। रयमन—और (व्यक्त्र) এवर, ए, व्यात । छेकिन (लिकिन्)—किस, या (रेया)—व्यथवा, क्षगर (व्यवत्र)—यि रेखानि ।
- (২) বিষমবাহি ৰীঘক (বিশায়াদি বোধক) Interjection—যে শব্যয় বাক্যের মধ্যে কোনও সহন্ধ না রেখে, শুধুমাত হর্ষ, আনন্দ,

শোক প্রভৃতি ভাবপ্রকাশ করে, তাকে বিশ্বরাদি বোধক অব্যর বলে। বেমন—জ্বাহ্ব (ওহ্)— ভঃ, জবৈ (অরে)— ভরে, জহা (অহা)— জাঃ, देखो (দেখো)—দেখ ইত্যাদি।

क्रिया (किश्रा) Verd

বাংলার মডোই হিন্দীতেও ক্রিয়া পদ বর্তমান। হিন্দীতে ক্রিয়ার শেবে 'না' যোগ করা হয়। যেমন—জ্ঞানা (খানা)—খাওয়া। पढ़ना (পঢ়না)—পড়া, ভিজ্ঞনা (লিখ্না)—লেখা ইভ্যাদি।

হিন্দীতে ক্রিয়া পদের শেষে যে 'না' শব্দ থাকে সেটা বাদ দিলে ভাকে ধাতৃ বলা হয়। যেমন—'पद्ना' ক্রিয়া থেকে 'না' বাদ দিলে থাকে 'पद्' এটি ধাতৃ, 'खाना' ক্রিয়া থেকে 'না' বাদ দিলে, থাকে 'আ' একে বলে ধাতৃ।

ক্রিয়া ত্র' প্রকার—(১) সকর্মক ও (২) অকর্মক।

১। सक्तर्भक किया (সকর্মক ক্রিয়া) – যে ক্রিয়ার কর্ম থাকে তাকে বলা হয় সকর্মক ক্রিয়া। বেমন—

सीता पुस्तक पहती है (সীতা পুস্তক পঢ়তী হায়)— দীতা বই পড়ছে।

में काम करता हूँ (भँगाय काम कवा है)—प्राप्ति काख कवि । উপবের বাক্য ছ'টিডে 'पढ़ती हैं' ও 'करता हूँ' किया इंग्डिं नक्ष्रक । कावन देशास्त्र कर्ष शुक्तक' ७ 'काम' । शिली एक वना श्रा—जिस किया में कर्म होता है उसे सकर्मक किया कहते हैं। (चिन ক্রিয়া মে কর্ম হোতা হ্যায় উদে সকর্মক ক্রিয়া কগ্তে হ্যায়)—বে ক্রিয়ার কর্ম আছে তাকে সকর্মক ক্রিয়াবলে।

अद्दर्भक किया (अकर्षक किया)— जिस किया में कर्म नहीं है उसे अकर्मक किया कहते हैं (जिन् किया में कर्म नहीं हाग्र, छेटन अकर्षक किया कहते हैं (जिन् कियाय कर्म नहीं हाग्र, छेटन अकर्षक किया कराज हाँ ग्राप्त) या कियाय कर्म नाहे, छाटक अकर्मक किया वर्ण। स्थमन—

• वह जाता है (ওয়হ্ জাতা হ্যায়) সে যায়। वे दोहता हैं (ওয়ে দওড় তে হঁয়ায়)—ভাহারা দৌড়ায়।

উপরের বাক্য ছটিভে যথাক্রমে—'সার ই' এবং 'রীর্ট্র ই' ক্রিয়া ছটির কর্ম না থাকায় এই ছটি অকর্মক ক্রিয়া।

কর্মের সমাপ্তি এবং অসমাপ্তি ভেদে আবার ক্রিয়াকে হুভাগে ভাগ করা হরেছে, যেমন—(१) समापिका क्रिया (সমাপিকা ক্রিয়া) এবং অমনাपিকা ক্রিয়া (অসমাপিকা ক্রিয়া)।

(२) समापिका क्रिया (সমাপিকা ক্রিয়া)—বে ক্রিয়ার দারা কর্মের সমাপ্তি বুঝায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

हिन्मीए वना इन्न-जिस किया से किया की पूर्णता एकट होती है, उसे समापिका किया कहते हैं। (बिन् किना त किना के भूषा क्षक दाषो शान्न, উत्न नमाभिका किना करए शान्न)। यमन---

श्याम आया (गाम आहा)—जाम आगितारह। राम गया (ताम गता)—ताम शितारह। উপরের বাক্য ছটিতে—'আযা' এবং 'নযা' এই ছটি ক্রিরাপদের বারা শ্যামের আসা কর্মটি এবং রামের বাওয়া কাব্রটি শেব হয়েছে ক্যানা যায়, অভএব এই হুটি সমাপিকা ক্রিয়া।

रोटी खाइर जाओ (दांगे शक्त काथ) —क्रिंग् थाया । द्व पीकर आओ (ह्र्य भीक्त चाथ) —ह्र्य त्यत्त्र जत्मा।

উপরের বাক্য হুটিতে—যথাক্রমে—'আকর জাজা' (খাকর জাও) এবং 'বীকর জাজা' (পীকর আও) ক্রিয়া হুইটি ঘারা কর্ম সমাপ্তি বুঝাছে না, এজস্থ ঐ হুটি ক্রিয়া অসমাপিকা।

किया विशेषण (किसा असिटनवर्ज किसीविटनवर्ग)—Adverd

जो अन्यय किया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं (जा चर् देशम् किया की ध्रिएमब्डा रखाखा हाग्न, উत्म किया ध्रिएमब्डा कराड हाँग्रा)—त्य चरात्र ता भण कियात रिएमब्डा खाभन करत, जारक किया विरामवर्ग वरण।

राम हमेशा आता है (द्राम श्रामा आछा शाद्र) — द्राम नर्वना । चारन।

सीता तुरंत भाती हैं (नीका कृत्रस्य चार्के शात्र)— नीका क्रक चारन । উপরের বাক্য ছটির ছারা 'हमेशा' এবং 'तुरंत' শব্দ ছটির ছারা 'আনা ই' ও 'আনী ই' ক্রিয়া ছটির বিশেষতা প্রকাশ পাছে, এজস্ত একে বলে ক্রিয়ার বিশেষণ।

किया का काल (कियांत्र कान)

Tense

किया के जिस रूप से उसके ज्यापार के समय का ज्ञान होता हैं, उसे काल कहते हैं (किया कि चिन्न ज्ञान का लगा का नाम का लगा लगा का लग

ক্রিয়ার প্রধানত: তিনটি কাল, যথা—(১) বর্নদান কান্ত (ওয়রতমান কাল), (২) মুনেকান্ত (ভূতকাল), অতীত কাল, (৩) মবিষ্যেব্রান্ত (ভওয়িষ ইয়ং কাল) ভবিয়ং কাল।

राम हँसता है (वाम र्रंगण शाब)-दाम शामा ।

दीपक सेर करता है (मीभक माइत् क्रवण शाह्र)—नीभक विषाद्ध।

नीला रोती हैं (नीला द्वांकी श्राप्त)—नीला कांनरह ।

উপরের বাক্যগুলিতে যথাক্রমে—'হঁরেনা ই, 'শ্রই করেনা ই' 'রৌনী ই' এই ক্রিয়াগুলি দ্বারা হাসা, বেড়ানো এবং কাঁদা ক্রিয়ার কাজগুলি এখনও চলিতেছে বোধ হচ্ছে। এজস্ম এগুলি বর্তমান কাল।

কয়েকটি উদাহরণ—

मैं हूँ (भँग्रह रूँ)— সামি হই। तुम हो (তৃন্হো)— তুমি হও।
आप हैं (আপ হঁ)ায়) আপনি হন। हम है (হন্হঁ)ায়)— আমরা হই।
वह है (ওয়হ্হাায়)—,স হয়। वे हैं (ওয়ে হঁ)ায়)— ভাহারা হয়।

तु है (जू छात्र)—जूरे दराज

হিন্দীতে বর্তমানকাল তিন প্রকার। যথা—(१) सामान्य वर्तमान (সামান্ইয় ওয়র্তমান)—সামান্য বর্তমান। (২) বাংকান্তিক यা ওপুর্গ বর্তমান (তাংকালিক ইয়া অপুর্ণ ওয়র্তমান) —ঘটমান বর্তমান। (২) पूर्ण वर्तमान (পুর্ভ় ওয়র্তমান)—পূর্ণ বর্তমান কাল।

(१) सामान्य वर्तमान (जामान्देश अञ्चर्छमान्)—जामाग्र वर्जमान काल सो नोध होता है कि व्यापार का आरंभ वर्तमान काल में हुआ है (जामान्देश अञ्चर्डमान् काल ति त्यापार का आरंभ दर्तमान काल में हुआ है (जामान्देश अञ्चर्डमान् काल ति त्यापार का आरंध द्यापार काल ति त्यापार का आरंध अञ्चर्डमान् काल ति हुआ है। जामान्छ

বর্তমান কাল দারা কাজটি বর্তমানে আরম্ভ হরেছে বোধ হর ? তাছাড়া যে ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামাশ্রতা পরিলক্ষিত হয়, তাকে সামাশ্র বর্তমান বলে। যথা—

मैं जाता हूँ (मँग्र काला हँ)—बाभि वाफि ।
हम जाते हैं (हम् काल्ड हंगांग्न)—बाभना वाफि ।
तु जाता है (ज् काला हांग्न)—ज् वाफिन ।
तुम जाता हो (जूम् काला हांग्न)— जूमि वाफ्ह ।
वह जाता है (अग्रह काला हांग्न)—तन वाष्ट्व ।
वे काते हैं (अग्रह काला हांग्न)—लाहाना (जाना) वाष्ट्व ।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচেছ একবচনে ক্রিয়ার মূল ধাড়ুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে ভা, বহুবচনে ভে এবং যথাক্রমে হ্যায় ও হঁয়ায় যুক্ত হয়েছে। আবার দেখ—

मैं जाती हुँ (মঁটুর জাতী হুঁ)—আমি যাহ্ছি। हुम जाती हैं (হমু জাতী হুঁটার)—আমরা বাচ্ছি।

উপরের ন্ত্রীলিঙ্গ বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাত্র সঙ্গে 'তী' এবং 'হু'' 'হ'্যায়' যুক্ত হয়েছে।

ন-কারান্ত নিষেধার্থক বাক্য গঠন করিতে হইলে ক্রিয়ার পূর্বে "নদ্ধী" যোগ করা হয়। এই সকল 'ন-কামান্ন' বাক্যে 'দ্ধীনা' ক্রিয়ার রূপ দুঁ, है, দ্ধী এবং ই-এর ব্যবহার না করলেও চলে। যেমন—

मैं वहाँ नहीं जाता (मँ)य ७ यहाँ। नहीं जाजा) — আমি সেখানে যাই ন!।

वह मांस नहीं खाता (५वर मान्य नहीं थाडा)—त्य माश्य थाव ना ।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার পূর্বে 'নহী' যোগ করা হয়েছে কিন্ত 'হীনা' ক্রিয়ার রূপ हুঁ, है, हो বা है-এর ব্যবহার করা হয় নাই।

(२) तात्कालिक वर्तमान काल (ভाश्कालिक अञ्चर्धमान काल)— घष्टमान वर्जमान—किया के जिस रूपसे उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं (किया कि बिन् क्रान् के अपूर्वभान कालाम बाति व्याप्त अपने काल कराति हैं (किया कि ভाश्कालिक अञ्चर्धमान काल करात हो। ये किया वर्षमान वर्षमान काल व्याप्त काला वर्षमान काल करात् हो। ये किया वर्षमान वर्षमान

गोपाल चल रहा है (গোপাল চল্ রহা হ্যার)—গোপাল বাচেছ ।

मैं चल रहा हूँ (भँगत চল বহা হুँ) —আমি চলিতেছি ।

तुम चल रहे हो (जूम চল तरह द्या) - जूमि চলিতেছ ।

हम चल रहे हैं (हम চল तरह द्या) - चामता চলিতেছि ।

वह चल रहा है (ध्यह চল तहा ह्या) - ट्या চলিতেছে ।

वे चल रहे हैं (ध्या চল तरह द्या) — তাহারা চলিতেছে ।

तु चल रहा है (जू চল तहा ह्या) — जूहे চলিতেছি ।

উপরের বাকাগুলিতে চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে, এজন্য একে ঘটমান বর্তমান বলে। ঘটমান বর্তমানে কর্তার পুংলিজ একবচন হলে ক্রিয়ার সঙ্গে 'হহা' পুংলিজ বহুবচনে 'হহু' এবং স্ত্রীলিজ উভয় বচনেই 'হহু' যুক্ত হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া কর্তা একবচন বা বহুবচন অমুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—

क्छा अक्वरुत्-'हुँ' 'है' 'हो' अवः बह्बरुत्-हैं वावशत हत्र।

(३) पूर्ण वर्तमान (পুর্জ্ ওর্তমান)—পূর্ণ বর্তমান—কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হরে সবেমাত্র শেষ হরেছে, কিন্তু তথনো তার রেশ বর্তমান ক্রিয়ার এই রকম কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—
মী সানো हুঁ (মায় জাতা ছাঁ)—আমি যাছিছ।

म जाता हूं (माम काल है)—आम याछ ।
हम जाते हैं (रम् काल रंगांच)—आमना याछ ।
वह जाता है (अग्नर् काल रंगांच)—त याछ ।
वे जाते हैं (अग्नर् काल रंगांच)—जारांग (जाना) याछ ।
तु चला है (ज् नमा शांच)—ज् याछिम ।
जेभरतत याकाशिमण्ड नमा काकिय तम जन्म यर्ज मान, तमक ज्ञांक भून यर्ज मान यरम ।

মুনকান্ত—(ভূতকাল)—অভীত কাল (Past Tense)

भूतकाल की किया से बीते हुए समय का बोघ होता है (ভ্তকাল को ক্রিয়া সে বীতে হুএ সময় বা বোধ হোতা হায়)—ভ্তকালের ঘারা কার্যের সময় শেষ হয়েছে ব্ঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়েছে ব্ঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভ্তকাল বলে। যেমন—

भारत स्वाधीन हो गया (ভারত সংগ্রাধীন হো গয়া)—ভারত যাধীন হয়ে গেছে।" এখানে ভারত যাধীন আগেই হয়েছে। তাই 'स्वाधीन हो गया' ক্রিয়াটি ভূতকাল বা অতীতকাল।

হিন্দীতে ভূতকাল ছন্নটি। বেমন— (१) सामान्य

মুবকান্ত (সামাশ্য ভ্তকাল)—সামাশ্য অতীত। (২) আমন্ত্র মুবকান্ত (আসন্ত্র ভ্তকাল)—আসন্ত্র অতীত। (২) पूर्ण মুবকান্ত (পূর্ণ ভ্তকাল)—পূর্ণ অতীত (৪) মন্ত্রিয় মুবকান্ত (সন্দিগ্ধ ভ্তকাল)—সন্দিগ্ধ ভ্তকাল বা অতীত। (২) বাকোন্তিক মুবকান্ত (তংকালিক ভ্তকাল)—ঘটমান অতীত। ইব্রইব্রমার মুবকান্ত (হেত্ হেত্মাণ্ ভ্তকাল)—শত সাপেক্ষ অতীত।

(१) सामान्य भूतकाल (সামাশ্য ভূতকাল)—ক্রিয়ার যেরূপে কর্তার যাবার ধারণা জন্মে, তাকে সামাশ্য ভূত বলে। যেমন—

मैं जाता (मँ प्र जांछा)— जामि याहे। हम चले (इम् हरन)— जामद्रा वाहे। तुम चले (जूम् हरन)— जूमि हनरन। वह चला (अद्रह्हना)— रम्हिन। वे चले (अद्रह्हिन)— जांद्रावा हिनन।

সামান্ত ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতৃর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করিবে। এবং স্ত্রীলিকে 'ই' যুক্ত করিবে। যেমন—

श्रुः नित्र

ন্ত্ৰীলিক

बल + आ = चला (विन) घल + ई = चली (विन) देख + आ = देखा (पिर्वन) देख + ई = देखी (पिर्वन) बोल + आ = बोला (विन) बोल + ई = बोली (विन) আবার বে সকল ধাড়ুর **অন্তে আ-কা**র আছে, ভাদের সঙ্গে ধ্যা' বা '**ই**' যুক্ত করিবে। বেমন—

পুংলিদ

बी निष

• বন্ধ + বা = বন্ধা (চলিল) বন্ধ + ই = বন্ধী (চলিল)
देख + বা = देखा (দেখিল) देख + ই = দেখী (দেখলি)
बोন্ড + গ্ৰা = ৰান্ধা (বলিল) बोন্ড + ই = बोন্ডী (বলিল)

আরল মুরকান্ত (আসম ভূডকাল)

क्रियाके जिस रूपसे उसके प्राहोने का समय निकट में ही जाना जाय, उसे आसम भूत कहते हैं (क्रिय़ा क जिम क्रिया के अप्रक भूती शासन का ममन्न निकेट भाँ ही जाना यात्र, क्रिम जामन क्रिक कहरक शाम) क्रिय़ान या क्रियान होना कार्य मन्त्री ह्रेपान ममन्न भूत निकेट याम जाना यात्र, कारके हे जामन क्रिक वर्ण। यमन—

मैं खा चुका हूँ (भँगात्र था চুका हैं)—आभि थाहेग्राहि वा थरप्रहि।

হ্ ম জা নুক ই (হম্ খা চুকে গ্রায়) আমরা খেয়েছি। উপরোক্ত বাকাগুলির ঘারা খাওয়া ক্রিয়াটি চলছে বা আরম্ভ হতে চলেছে বোঝাছে। সেক্ষয় একে আসন্ধ ভূত বলে। पुर्ण भूतकाल (পূর্ণ ভূতকাল)—मैं चला था (মার চলা থা)—
আমি চলিয়াছিলাম।

् हम बले थे (इम् करन रथ)—आमन्ना विनाम। तु बला था (जूरना था)—जूरे विनामित।

পূর্ণ অতীতে পুংলিক একবচনে 'যা' বহুবচনে 'য়' ও দ্রীলিক একবচনে 'খ্রী' বহুবচনে ও খ্রী হয়।

सन्दिग्ध भूतकाल (मिक्क क्ष्रकान)—जिस भूतकाल की क्रिया के होने में सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूतकाल कहते हैं (क्षिम् क्ष्रकान की किया क हात मं मत्मद हा हैत मन्दिक क्ष्रकान कराल हैं ग्रिय)—य ममल क्ष्रकाला कियाय मत्मद शास, जाक मन्दिक क्ष्रकान दल। यमन—

मैने खाया होगा (भाग्रत भाग्रा होगा)—मामि रग्नणा (भाग्रहिनाम।

हमने खाये होंगे (इम् तन थारत टांश्ला)—आमता इग्ररणा थरप्रक्रिताम।

এইরপ একবচন পুংলিকে ক্রিয়ার সঙ্গে 'होगा' 'होंगे' যুক্ত হয়। আবার বীলিক একবচনে ও বহুবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'হু' যুক্ত হয়ে 'होगो' होंगी হয়।

तात्कालिक भूतकाल (ভाष्कानिक कुष्ठकान)—जिस किया से यह जान पढ़े कि भूतकालमें काम चल रहे हो, उसे तात्कालिक भूतकाल कहते हैं (किय किया त्य देयर् कान भए कि क्ष्य मानाम काम हन् तरह रहा, जिस जाष्कानिक कुष्ठकान कराल हैं। य)—

হিন্দী-বাংলা শিক্ষা--- ৭

ভূতক'লে কাজ চলছে যার দারা জানা যার, তাকে ভাংকালিক ভূতকাল বলে। যেমন—

मैं जा रहा था (मात्र का दश था)—त्रामि याछिनाम । हम जा रहे थे (रम का द्रार (थ)—सामदा याछिनाम ।

এইভাবে পুঃলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'খা' যুক্ত করে এবং বহুবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'ঘাঁ' যুক্ত করে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে 'ঘাঁ' যুক্ত করে তাৎকালিক ভূতকাল করা হয়।

গ্রীলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার শেষে '**ई'** যুক্ত করে 'धी' সাহায্যকারী ক্রিয়া যুক্ত হয় এবং বহুবচনেও ক্রিয়ার সঙ্গে '**ई' যুক্ত** করে 'धी' যুক্ত হয়। যেমন—

में जा रही थी (भँग्र का तरों थी)—प्राप्त वाष्ट्रिलाम (खी: ১व:)

हम जा रही थीं (इम् का तरी थीं) — आमता याष्टिलाम (बीर वहवठन)

हेतुहेतुमद् भूतकाल (रुष्ट्र रुष्ट्रभन् क्रुष्ठकान) है: त्राकी एक किया का होना दूसरी किया अवलम्बित हो, उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं (किन् क्ष्यनार के किया का का होना दूसरी किया अवलम्बित हो, उसे हेतुहेतुमद् भूतकाल कहते हैं (किन् क्ष्यनार के किया का राना नृत्रते किया भद्र व्यवनिष्ठ रा, जिस रिष्ट्र रिष्ट्रभन् क्ष्यकान कराज हाँ प्राप्त)—र्य नकन क्ष्यकान क्रिया नभ्यत हिन्द्रा नभ्यत हा क्ष्य व्यभद्र किया क्ष्य क्ष्यत किया क्ष्य क्ष्यत क्षिया क्ष्य क्ष्यत क्ष्या क्ष्यत क्ष्या क्ष्य क्ष्यत क्ष्या क्ष्यत क्ष्य क्ष्यत क्ष्या क्ष्यत क्ष्यत क्ष्य क्ष्यत क्ष्य क्ष्यत क्ष्य क्ष्यत क्ष्या क्ष्यत क्ष्य क्ष्यत क्ष्यत्य क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत क्ष्यत

यदि मैं पढ़ता (ইয়দি মায় পঢ়তা)—যদি আমি পড়তাম (পুং একবচন) यदि हम पढ़ते (देशिष हम् পঢ़डि) यपि चामता পড়डाम। (পুং বছবচন)

यदि मैं पहंती (हेब्रिन हम् भज़्डो)—यमि चामि भज़्डाम (ब्री: এकराज्न)

यदि हम पढ़ती (ইয়ণি হম্ পঢ়তী) যদি আমি পড়তাম (ত্রীং বছবচন)

এক্ষেত্রে ধাতৃর একবচনে ধাতৃর শেষে 'রা' ও 'রী' ও বছবচনে 'র' ও 'রী'' যুক্ত হয়।

सामान्य भूतकाल गोगोग्र व्यडीउकान)

Past Indefinit Tense

श्रां तित्र अक्षकात—मैंने, हमने, तुने, तुमने, आपने, उसने, उन्होंने एक आम खाया।

धासन्न भूतकाल (यानन यूडकान)

(Present Perfect Tense)

शूरिनिन अकवरद्य-मैने, हमने, तूने, तुमने, उसने, उन्होंने एक रोटी खाया है।
"वह्वरुद्य-, """"", दो रोटी खाये हैं।
बोनिन अकवरद्य-, """"", "दो आम खायी है।
"वह्वरुद्य-, """", "दो आम खायी हैं।

प्णे भृतकाल (शूर्व कूडकान)

(Past Perfect Tense)

सन्दिग्व भूतकाछ (मिश्रफ प्रूडकान)

(Doubtful Past Tense)

भूश्तित्र अक्वरुग्—मैने, ध्मने, तुने, उसने, उन्होने एक रोटी खाया होगा।
" वह्रवरुन—, " " " " बहुत रोटी खाये होंगे।
जीनित्र अक्वरुन—, " " " " एक रोटी खायी होगी।
" वह्रवरुन—, " " " " बहुत रोटीयाँ खायी होंगी

सम्भाव्य भूतकाल (मस्रोग ञ्डकान)

श्रः शित्र अक्वित भैने, हमने, तुने, तुमने, उसने, उन्होने एक किताब पढ़ा हो।

"वह्वित्र —, """"", «अनेक किताबें पढ़े हो।
बौशित्र अक्वित्र —, """"", " एक किताब पढ़ी हो।

"वह्वित्र —, """", "अनेक किताबें पढ़ी हो।

सम्भाव्य पूर्ण भूतकाछ (मर्श्वारा भूर्व क्रूडकान)

भू: नित्र अक्वरुन मैने, हमने, तुने, तुमने, उसने, उन्होने एक किताब पढ़ा होगा ,, वह्रवहन—,, ,, ,, ,, ,, ,, एक किताब पढ़े होगे। त्रोनित्र अक्वरुन—,, ,, ,, ,, ,, ,, बहुत किताब पढ़ी होगी ,, वह्रवहन—,, ,, ,, ,, ,, ,, बहुत किताबें पढ़ी होगी।

सम्भाव्य भविष्यत (जन्तां रा छविग्र)

मैं चर्लू (मँ ग्रं 5न्)— यामि हिनव । हम चर्ले (इम् हल)— यामता हिनव । तुम चर्लो (जूम् हरना)— जूमि कि हिनरव ! वह चर्ला (अग्रर् हना)— रन कि हिनरव ! तु चर्ल (जू हल्)— जूरे कि हिनवि !

पद परिचय (श्रम श्रीक्रम).

(Parts of Speech)

- १। यदु के पास किताब है (देग्रश्रक शांत किछाव शांग्र)—यश्त्र काष्ट्र वटे चार्छ।
- ২। বহু অংজ্ঞা ভহুকা ই (৬য়হ্ আচ্ছা সড়কা হ্যায়)—সে ভাস ছেলে।
- ३। गोपाछ बहुत अच्छा छड़का है (গোপাল বহুত আচ্ছা লড়কা ছার)—শোপাল ধুব ভাগ ছেলে।
- ४। सीता और मीना जल्दी विद्यालय जाती है (সীতা छेत्र मीना खन्मी एश्रिम रेश्रानत खाडी शाह्र) সীতা ও মীনা তাড়াভাড়ি বিভালয়ে বায়।
- १। आह, मुक्ते छोद दो (चार् प्र्य हाण् ला)—चाः, चाप्तारक ह्हाएं नाच।

উপরোক্ত বাক্যগুলির প্রথম বাক্যে 'यदु' একটি বালকের নাম এবং 'ছিনাম' একটি জিনিসের নাম ব্যাচছে। দ্বিতীয় বাক্যে 'বহু' শব্দরি যাবু শব্দের পরিবর্তে বিসেছে। এবং 'জভ্জা' শব্দটি 'ভঙ্কা' শব্দের গুণ প্রকাশ করছে। ভৃতীয় বাক্যে 'বহুন' শব্দটি 'জভ্জা' শব্দের অবস্থা ব্যাচছে। চতুর্থ বাক্যে 'জৌহ' শব্দটি ঘ্রটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। পঞ্জম বাক্যে 'জাহু' শব্দটি মনের আবেগ প্রকাশ করছে।

এইভাবে বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে 'দর্' বলে। বাংলা ভাষার মভোই হিন্দীতে পদ পাঁচটি। বেমন—

- १। संज्ञा (मःख्वा)—वित्वता।
- २। विशेषण (७शि८ १ वर्ष)— वराय ।
- े३ । सर्वनाम (সর्€व्रनाम)— সর্বনাম ।
 - ४। अञ्यय (चत् हेग्रगू)— वताम ।
 - क्ष्या (क्रिया) क्रिया।

संज्ञाके प्रकार भेद (गुःख्वादक প्रकात एक) विरम्भारकात श्रेकांत्र एक

किसी वस्तु के नाम को संझा कहते हैं (किनी अन् प्र क नाम का मरखा करा है। जो —कान व वस्तु नामक मरखा वा विष्मग्र वरण। विष्मग्र में हि क्षकात । यथा—

१। व्यक्तिवाचक (वाकिवां कि)—हिर, गंगा, हिमालय देणापि। जिस शब्दोमें किसी स्नास व्यक्ति, स्थान अथवा बस्तुका बोध हो, उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। (किन् नंदमादमें किनी थान् वाकि, ज्ञान अथवा वज्जका ताथ हा, উरम वाकिवां के मंद्र कहता देश। (किन् नंदमादमें किनी थान् वाकि, ज्ञान अथवा वज्जका ताथ हा, উरम वाकिवां के मंद्र करा करा है। (किन् नंदमादमें किनी थान् व्यक्ति वाकि, ज्ञान अथवा वज्ज नाम व्या यात्र, जात्क वाकिवां कि विद्या वत्न, त्यमन—राम, सीता, हिमालय, यमुना, गंगा, कलकत्ता देणापि।

(२) जातिवाचक (जाण्याहरूक) – जिस शब्दींसे किसी व्यक्ति या पदार्थ को जाति समृह का बीघ होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं (जिन् मुस्लास किनी गुक्ति हेग्रा भार्ष का जाण्य नमृह्का वाध हा हा হায়, উসে জ্বাতিবাচক সংজ্ঞা কহতে হঁয়ায়)—যে শব্দের সাহায্যে কোন ব্যক্তি বা পদার্থের জ্বাতি সমূহের নাম জ্বানা যায়, তাকে জ্বাতিবাচক সংজ্ঞা বলে। যেমন — हाथी, ঘারা, ঘানক, বান্তিকা ইত্যাদি।

- (४) द्रव्यवाचक (ज्यावाक)—जब किसी संज्ञा शब्दमें किसी द्रव्यका बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं (खव किमी मख्डा मक्सं किमी ज्या का व्याव हो, उस ज्यावाक मंद्रा कहते हैं (खव किमी मख्डा मक्सं किमी ज्या का व्याव हो। उस ज्यावाक मध्या का व्याव हो। व्याव ज्याव हो। व्याव ज्याव हो। व्याव ज्याव हो। व्याव ह
- (१) भावशाचक (ভाবराठक)—जिसके द्वारा किसी प्राणी या बस्तुके धर्म, गुण, स्वभाव अथवा व्यापार का ज्ञान द्वोता है, उसे माववाचक संज्ञा कहते हैं (क्षिनक घाता किनी व्याणी देश वर्खक वर्म, छन, यहाव अथवा व्याणात का छान हाला हाग्र, উत्त ভाववाठक मख्डा कहरू हाँग्र)—यात घाता कान्छ व्याणी अथवा वर्खत धर्म, छन, यहाव, अथवा व्याणात व्याणात व्याणात छातक ভाववाठक मः छात व्याणात व्याण

सर्वनाम (अत्र अग्रनाम)-- अर्वनाम ।

संज्ञाके वद्रुंगें आनेवाले शब्दको सर्वनाम कहते हैं (সংজ্ঞাকে বদলেমে আনেওয়ালে শক্ষণে সর্বনাম কছতে হঁটায়) – সংজ্ঞার পরিবতে ব্যবহৃত শক্ষক সর্বনাম বলে। সর্বনাম ছয় প্রকার, যথা—

- (१) पुरुषवाचक—में (गँगाय)—আমি, तुम (তুম্)—जूमि । हम (হম্)—আমরা রু (তু) - তুই ইত্যাদি ।
 - (२) निजवाचक—आप (वाश)—वाशिन।
- (२) निश्चयवाचक यह (এই, এইটি) वह (৬য়হ্)—এটি, ওটি । ये (ইয়ে)—এইগুলি, वे (৬য়ে)—এগুলি ।
 - (४) अनिश्चयवाचक-कोई (কোই), कुछ (কুছ্)-কিছু।
 - (५) सम्बन्धवाचक—जो (खा)—य, याश सो (मा)—उ श।
 - (६) प्रभवाचक-कौन (कथन्)-तः श्रम्या (का)-कि श

रिन्नीर्फ পুরুষ ডিন প্রকার। যেমন १। उत्तम पुरुष (উত্তম পুরুষ), २। मध्यम पुरुष (मध्यम পুরুষ), ३। अन्य पुरुष (অত পুরুষ)।

পুরুষ অমুযায়ী সর্বনামের রূপ ভিন্ন হয়। বেমন—

- ্ (१) मैं, इस, इसलोग ইত্যাদি উত্তম পুরুষ।
 - (२) हु, तुम, आप, आपछोग रेखामि मधाम शूक्य।
 - (३) वह, वे, यह, ये, आप ইত্যাদি অস্থ পুরুষ।

বচন অনুযায়ী সর্বনামের রূপ এবং বিভক্তি যুক্ত সর্বনামের রূপ দেখানো হইল ।

एकवचन (এकवहन) बहुवच्न (वह्वहन) में (भाय)—वाभि हम (२४) - नामता तु (जू)—जूरे तुम (पूप)--पूर्वि यह (देग्रह्)—এहे ये (रेख)—रेनि, रेराता वह (७ग्रह)--त्र ৰ (ওয়ে)—তিনি, ভাহারা, .**सो (সো)**—ভাহা सो (मा)—ভাश. जो (🖙)—य. याश. जो (खा)—य. याश. कोई (कान्ने)—कर कोई (कान्ने)—करू. कुछ (कृष्ट)—िकष्ट कौन (कस्न)—त्क १ কীন (কৎনু)—কে የ क्या (क्या)-कि १ क्या (क्यां)--कि १ विभक्ति युक्त एकवचन (विष्ठिक यूक अकवहन) **उस (छेम्)—**७३ मुक्त (यूब)—श्वायात्र जिस (किन्)-- यात्र ্রুদ্ধ (তুঝ) —ভোমার इस (इम्)— এই किस (किम्)-कांत्र

सम्पर्क (जन्भर्क) Relation

माता (मांडा)-मा चाची (हाही)-काकी

पिना (शिष्ठा)—रावा भाई (ष्टांत्र)—हारे बहुन (वहन्)—द्यान बेटा (दिहा)—शूख बेटी (दिहा)—क्छा बाचा (हाहा)—काका ताऊ (ष्टांष्ट)—द्याठी मौसा (मध्या)—स्मरमा

ताई (७१३)— (कार्यारे मा मौसी (४९ मो)— मानी फुफी (क्को)— भिनी भतीजा (७७)का)— छारेला भतीजी (७७)को)— छारेलि भांजा (छान्का)— छारा भांजी (छान्को)— छारा भांजी (छान्को)— छारा चनेरा भाई (४८६ना छाने)— भूष्ठ्रा

फूफा (क्का)— भिंत्र

चेरी वहन (চচেরী বহন)—খুড়তুতো বোন।

ममेरा भाई (मरमत्रा लाक्ने)—मामार्ला लाहे । ममेरी वहन (मरमत्री वहन्)—मामार्ला खान । मौसेरा भाई (मलरमत्री लाक्ने)—माम्ब्र्र्ला लाहे । मौसेरी वहन (मलरमत्री वहन्)—माम्ब्र्र्ला खान । फुफेरा भाई (क्र्किता लाक्ने) - लिम्ब्र्र्ला लाहे । फुफेरी बहन (क्र्कितो वहन्)—लिम्ब्र्ला खान् ।

दादा (नाना)—ठाक्तनाना दादी (नानी)—ठाक्तिनि नाना (नाना)—नानाभभाग नानी (नानी)—निनिमा दामाद (नामान)—जामारे पतीदू (भटाहू)—भूजवध्

साला (गांना)—णांनक वहनोई (वह्राने)— ज्ह्रीभिष्ठि सस्र (मस्त्र)—च्छ्र सास (गांग)—मांछ्डे। पोता (পোডा)—नांडि

पोती (পোডী)—নাড্নী

साद (नाज़)—मानौभिष्ठ छारे देवर (पिश्यव) — पिश्वव साभी (छाड़ो) — रविष देवरानी (पिश्वानी) — हाउँ छा जेठानी (खंठानी) — नष्ड छा सौतेछी मा (मश्र्ष्टनी मा) — नर मा सौतेछी भाई (मश्र्ष्टनी छान्ने) — नर छारे । सौतेछी वहन (मश्र्ष्टनी वहन्) — नर रवान । सौते (मश्र्ष्ट) — मडोन नौकरान (नश्रकान्) — ठाक्वानी

ৰিৱিয়াঁ (চিড়িয়াঁ)—পাৰী Birds

কান্তা ক্রীপা (কালা ক্ওয়া)—শাড়কাক सुत्रम्र्ग (युष्ट्रपूर्ग)— उँपे भाशी मोर (भात्)-भगूत . कोयल (काव्रम्) – काविम कवृतर (कव्छत्र)--भाग्रहा मुखरंगा (मह दन्ना)—माहदाना पपीहा (भनीश)—हाउक गौरैया (१७ ब्रायम)- इज़ारे पंडूक (পতৃক)—ঘুঘু तित्तिर (७ छित्र)— ७ ७ ३ चमगाहद् (हम्शावक्)-- गमहिका 'जलविड्या (ञ्चनिहिषुग्ना)—ডাহুক বলক (বত্তক)—পাতিহাঁস **ভল্জু (উন্নু)—পেঁচা** वया (राषा)-- रार्ट भाशी वत्तकी (वछकी)-भाष्टिश्त्री बाज (वाक)--वाक्रभाशी राजहंस (बाषश्नुम)—बाखश्म राजहंसी (ताखरन्त्री)-- ताखरःती मुर्गा (पूर्वा)— यादव अवाबील (অবাবীল)—শালিক गीघ (गीर्)-- भक्न बहासारस (वड़ा नात्रन)—शङ्गिना ব্ৰুব্ৰুভ (বৃশ্বুল)—বুলবুল।

सरीसप (अद्गील्ल)—अद्गील्ल

Reptiles

सौंप (गाँग)—गांभ कंचुआ (कंचुआ)—(कंछा)
गोह (शांक्)—शांग मांप (भांत)—क्मीत मांप मछली (भांत मह्नी)—हात्रत कछुआ (क्छूणा)—कछ् भ धोंघा (खान्घा)—गांभ्क सूस (रूप)—७७क छिपकली (हिभकनी)—िकिटिक मेंदक (राष्क)—राःख सींप (शींभ)—किक् गींजर (शींभत)—रक्षां विच्छु (विष्टू)—विष्ट गेहूँअन साँप (शार्ड अन् गांभ)—रक्षेटां

कोड़े-मकोड़े (কীড়ে-মকোড়ে)—কীট-পড়ৰ Worms and Insects

कोड़ा (की ज़ा)—शाका खटमल (क्षेत्रन्)—हात्रशाका गौरेला (१९ त्रायमा)—श्वर् त्र शाका चाँटी (ही ही ;—शिंशर ज़् कीगुर (बिन्शत)—बिंबिंशाका फिनगा (बिन्शा)—श्वराशाका जुं (क्ं)—छेक्न जुगनू (क्श्रू क्र्)—खानाकी टिडडी (हिज्जो)—शत्रशाम तितली (हिज्जो)—श्वषाशिक तिलचेट्टा (हिनहिंदी)—बात्रश्वमा दीमक (ही मक्)—हेंटे । कितगा (क्षित्रा)—किह्र वरें (व्रत्रं)—शिक्ष मक्तिगा (क्ष्रता)—माहि मच्छुड़ (यह्ड १) — मना मकड़ा (२ कड़ा) — माकड़न। मधुमक्खी (यधूमक्षी) — भोगां हि इड्डा (रूड ्डा) — छीयङ्गा

रंग का नाम (त्रःशं का नाम)—तः स्त्रत सम

Colour

काला (काना)—कारना सफेद (मरक्ष)—मामा नीला (मीना)—मीन पीला (भीना)—रन्म इरा (रहा) - मर्क गोरा (शाहा)—शोहर्य नारंगी (नाहको)—कमना दः गुलानी (खनारो)—शोहर्य नेगनी (गाह्य गर्नी)—रवखनी भूरा (ज्ञा)—र्मह्र क्षाक रंग (थाक दश्न)—हारे दः फीका (क्षोका)—क्षाकार्य स्रावला (मालह्मा)—जामन स्रीवला (स्वाह्य)—जामन स्रीवला (स्वाह्य)—रामन स्रीवला (स्वाह्य)—रामन स्रीवला (स्वाह्य)—रामनानी स्रीवलो (रहिद्याली)—राम्

पेड़ स्रोर पौचे (পেড় ওর পও্ধে)—গাছ ও চারাগাছ Trees and Plants

पेड़ (পেড়)—বড় গাছ पत्ता (পত্তা)—পাতা पेड़ी (পেড়ী)—কাশু पौघा (পঙ্ধা)—চারাগাছ

बरगद् (वद्रभप)-वहेशाहे पीपल (পীপল)—অশ্বত্থ গাছ देवदार (पि पात)—पितपाक गन्ना (गन्ना)— वाथ नारियल (नारियल)---नार्तिरकन कापास का पौधा (कालान का लक्षा)-कालीन नाह गुलर का पेड़ (खनत का भिष्)-- प्रमूत गाह पदुएका पोधा (পত्यका পर्धा)-शाँगाइ ताड्का पेड़ (ভाएका পেড়)—ভानगाह इमलीका पेड़ (हेमनीका পেড়) তেঁতুলগাছ रेड़ का पौघा (त्रिष् का পভ্ধা)—ভেরেণ্ডা গাছ फाड़ी (ঝाড়ী)—ঝোপ জর (জড়)—শিকড় वबल (७ग्रव्म)-- वाव्मा सेमछ (সেমল)—भिगृन तन्। (एना)-कार्यत्र राष्ट्रि . छप्पर का पौघा (इश् शर्द का शक्ष्मा)—हात्रना সভদ্যুদ্মী (অনকৃন্তী)—কচুরি পানা

खेलकुंद (थन् कुँप)— (थनाधूना

(>: \)

জীসাহ (অওঙ্গার)—যন্ত্রপাতী

कटारी (कठाती)—काठाती कुदाल (कृपान)—कापान करघा (कत्र्वा)—काल आरा (चाता)—कत्राल चुलहा (कृन्टा)—छेशून वा कृष्णी हल (रुल्)—नाजन जुला (लूचा)—खात्रान रुखानी (कथानी)—वाठानी फावड़ा (क्ष्य ज़) —मावन निहाई (निटांजे)—न्नारं कंची (कँगाविते)—कंकि
कुलहाड़ी (क्ल्राज़ी)—क्ठांब
कील (कौन्)—श्नित्वक
अस्तरा (अन्छा))—क्र्व
गेती (गंगाविते)—गंजि
स्हे (स्के)—स् क
बारमा (वात्रमा)—छ्त्रभून
सतौरा (नल्ड्वा)—कािल
हथौड़ी (इथव्ज़ी)—हाज़्ज़ी
रेती (त्रजो)—छेत्का

विद्यालय और शिक्षा (ওয়িদ্ইয়ালয় অওর শিক্ষা) বিষ্ঠালয় এবং শিক্ষা

विद्यालय (७शिन्हेशानय)—विशानय शिक्षा (निक्षा)—निका कालेज (कालक)—कालक सबक (त्रवक्)—निका किताब (किंग्डाव)—वरे इस्तहान (हेमण् हान)—शत्रीका गैरहाजिर (भाग्रव हाजित)—प्रश्लेष शब्दकोश (मन्दकांग) चिंशान कहानी (कहानी)—काहिनी तगमा (जग्मी-)—शक्ष चड़ियात (घिंग्रान)—भोष्ठी घिंग सवाल (त्रभ्यान)—श्रव জবাব (জঙ্বাব)—ছবাব, উত্তর কাণী (কাপী)—খাতা দলা (পন্না)—বইরের পৃষ্ঠা জনাম (ইনাম)—পুরস্কার सतर (नष्ठ त)—रुज, नारेन स्याही (म्याही)—कानि रबद (तर्ष्)—त्रवात असमार (क्यवात) मःवानभज

ভাক জীব নাব (ডাক্ জওর ভার) ডাক ও ভার

डाफखाना (ড!कथाना)—ডाकवत पोस्टकार्ड (পार्फकार्ड)—:পाष्टेकार्ड (छिकाफा (निकाका)—थाम विद्वी (हिएँठी)—हिठि पता (পতा)—ठिकाना महजुङ (मरडन)—माडन पुलिन्दा (भूनिन्ता) वाछिन डाकिया (ডाकिया)—जाकिभिधन प्रेवक (त्थावक)—:थातक पानेवाला (भारतध्याना)—थाभक रसीदी टिकट (तमीपी हिक्हें)—:त्रिकिं छेग्रान्थ डाकमुंसी (डाकमूनी)—भारेमाछोत समाचार (ममाहात)—मःवाप

মত্তিখাঁ (মছলিয়াঁ)—মাছ Fishes

कतला (कर्जा) कारना वही (ब्रशे)—क्रशे कबई (कवज़े)—देक माह पोठिया (लाठिज्ञा)—शृष्टि

शिको वाःना भिका - ৮

जबाब (क्षभ् प्राव)—क्षवाव, উত্তৰ — **एकेश्वी (एकाष्ट-प्र**) **फिर्डिंड, नेष्टिंड** कापी (क्षणी)—थाएक्की विद्या—**(फिर्डिंड् गिक्को क्षिने किंक्का** पत्रा (लग्ना)—वंडाएक क्किनी काशांक (व्हिम्कि क्ष्ट्र))-फिर्केस किंक क्षणी (क्षणी)— प्रावास क्षणी क्षणी (क्षणवाद) महावस्त्र व्यास (क्षणवाद) महावस्त्र

भारमीयोंके बारेमें (आफ्नीस्म रिक वीट्सटम) (हार हरूक कार्छ) उन्हें हारू कार्ड मानूस अन्तर्रक

सर्हारूदाँ (सर्हाणित्रौ। भन्न

ઝઇસંગ

अवस्ति चिने (क्रून्ति) निष्यं) न्याक्षिक क्ष्यं) 1952 आसम्बद (व्यानम्बन) तस्त्राताण सितारा (विवास () विकास क्ष्यं

च-।वामी वाह्ना मिली

. सूरज (पुरुष्ट<u>) (अपि क्रुक्त) काम्</u>प्रकुछ तारा (शू<u>रुष्ट्र</u> जाडा चन्द्रमा (क्यमू) (मिन्द्रम) । निहिम रामधनुष (त्रामुक्य) ह विजली (विस् नो) - विकार जिल्ला कार्मी (जारी कहरा (क्र क्ष) क्यानी — (क्ष क्ष का हो (आप) ভবাব (জ্ওয়ার)—জোয়ার _{হাত তাল} (বাচ)— खादी रात (बार्श हीए()अहिं रेतिस्तान ((दिश्वात) - युक्कि तराई (ज्वांत्रे)— ड्रेनज् दुनिया (इनिया) पृथ्वी (११४ हेरि) शुल्ती गुफा (११४) — ११३। डेल्टा ((जन् हो) - व-बील । ঘাতী (বাটী) কারিরিপপ্তর) তর্জ चाँदी (हांनी)-क्रभा নারী (মোতী)—মুক্তা मणि (मणि)-मणि चुनि (इनि) - इनि नीलम (नीलम)—नीला पन्ना (পন্না) পানা चुना (চুনা)—চুন किलाव के हार बे हमके ए ठक्नक)—ठक्मकी कसौटी पत्थर (कन ७ है। निर्जु वर्ष) प्रश्री भाषत संगममेर (तर्श्यक्षत्र्व) - अर्थक व्यवका कोहा (जाहा) - लाहा, जाहार ताँवा (ठाँ ५क्का) क्रिकामिक) क्रिका कोयका (क्वाअ्मा) क्रिकामिक फोठाव[®](अञ्चात्र के अञ्चल) क्रिक्क नमक (त्रवक्क) नवत्र के क्रिक्क) सर्वाहरू अवरक (विक्वर) प्रक्रियं क्षा होता । अको हेता रखा हिन्छ । क्रिके मिलाए , विनात)—श्रातीत समस्य (बाह्य विनाति प्रमान मिलाए (बाह्य किस्प्राति प्रमान मिलाए किस्प्राति प्रमाप श्रिका के स्वाहित के स्वाहर के स्व गरमी (श्रमी) - श्रीष

जाड़ा (जाड़ा)—शैंड वरसात (वर्गाड)—ववाँ।
वर्ष (ध्वर्ग्)—वर्गत महीना (महोना)—माम
पखवारा (পথ ध्वावा)—পक ह्मा (हशा)—मशाह
आनेवाला कल (आत्मध्वाना कन्)—आगामीकान
आनेवाला परसाँ (आत्मध्वाना भत्र मां)—आगामी भवल
पिछले परसाँ (भिहल भत्रमां)—मण भवल
दोपहर (माभहत्)—हभूत आधी रात (आगो तांड)—मगावांड
संवेरा (मरवता)—मकान दो पहर (माभहत)—दिश्वहत
तीसरा पहर (जीम्ता भहत)—हजीय श्वरंत
साँक (गांव)—मका।

घर के चीजें (घत ८क हीएक) शृहचानीत जवा

आराम कुर्सी (आत्राम क्र्मी)—आत्राम (ठग्रात ।
आईना (आल्रेना)—आग्रमा कुर्सी (क्ल्मी)—क्षात्र
कटोरा (कर्छोता)—वाणि कहाही (क्षारो)—क्षारे
कंबी (करणे)—िक्रमी खटिया (थणित्रा)—थाणे
गिलास (जिनान)—जनान गगरा (जज्रा)—च्छा
चन्मच (क्ल्मा)—जामक चिराग (क्रितांज)—व्यनीभ
चुलहा (क्ल्मा)—जेश्न चराई (क्षात्रे)—माञ्रत
चक्की (क्क्मो)—कांजा चाभी (काणे)—कांवि

पुछा (ब्र्ना)— (पानना
ढक्कन (प्क्कन्) — जिक्कनि
तशंतरी (उन् एत्रो) — तिकाव
दराज (पत्राक्ष) — (पत्राक्ष
पंखा (प्रश्या) — प्रथा
बिजीना (विष्ठ् का) — विष्ठाना
वत्ती (वर्ष् हो) चानि ।
मटका (महेका) — क्षाना
मच्छरदान (मह्द्रपान) — मगंदी
रस्सी (त्रम् नो) — पष्डि
साबुन (नावृन्) — नावान

टोकरा (छोक्ता)—बृष्णि तिकया (छिक्ता)—छाकिता थालो (थानो)—थाना प्रेटी (१४)—छात्रक बनतन (वत्रजन)—वामन बक्ता (वक्मा)—वाक्र बालटी (वान् हो)—वानिष्ठ मसहरी (मन् इत्रो)—मनातो । रजाई (तकां ने)—एनभ सूई (स्कृते)—स्^{*} 5 बोरा (१४ वाने)—वक्षा

वासगृह (वाजगृह)—वाजगृह

पक्का मकान (পक्का मकान)—भाकावाड़ी ।
किरायेका मकान (किवारक्रका मकान)—छाड़ावाड़ी ।
इमारत (टेमावड)—छोड़िका छप्पर (इक्षव)—क्रॅंड्यव मंडार (छड़ाव)—छोड़िका छप्पर (इक्षव)—क्रॅंड्यव मंडार (छड़ाव)—छाड़ाव चव गुसलखाना (खन्नभाना)—व्यारतव चव पाखाना (भाषाना)—भावधाना गोशाला (शामाना)—शावान तबेळा (छर्गा)—चाल्डावन छत (इड्) —इाम् सोपान (साभान)—मिंडि । धरन (ध्वन ्)—कड़ि

शहतीक्ष्रिभवं छोक्। भेने ने ने ने ने दीवार्क् (किर्दाश) नेदम अवाक्ती थाली (ग्रीकें) (क्रिके वेदी (६७ १) इन्निमां प्रतिकार १ इन्ह कीचड़ (न्क्षीरुष्)--कामा महानः वससा देक्ट्र (जिल्हा) दिक्छ অভিযান (প্রিহান) - বিধ্যাদর क्रीबड़ी (-द्यां १९ड़ी १) - क्रूडिड़ा अस

सुई (रूपे)--एँ ६

खपरेख ग्वामाता प्रमण्डे ने प्रसिद्ध वरामक्षः (यद्यामक केन प्राज्ञान्त्रा क्षकाजा (विश्व अपन्ती क्रिक्तका डेह्सी (१८७२वी क्रम्मकोवाठम पुबाल शिक्षांन ।) भाषके प्राप्ति व्यक्षि (किंगिक के मान्यानिक कोटी (रकाशि() श्रिक्षित्र) किह कु**ँआ ('व्यूंब्या() स्कूंब**) स्टाइस मच्छरदान (मळ्द्रशंभ)-- म<u>र्थादी -- र</u>जाई (द्रकांत्रे)-- त्त्रभ रस्सी (इन्हों)—निष्ठ साबुन (अवुम्)—गावाम काषार (व्यव्यः)—वर्षा

कपदा (क्र्रा) - कार्रफ गुलबंद (छन्यन)-- गनायक अल्बान (অল্ওয়ান্)—আলোয়ান दोपी (টোপী)—টুপী दुशाला (घ्णाना)—णान फतुही (फजूरो)— फर्जूग्रा हारहरू—(ङारहरू) इस्मिह गंजी (शन्बो)—शंबो पतलुन (পত्नून)—शाग्रवामा चपल (ठक्षम्)—ठिव्युर्खः विकास कोली (दिन्नी) महिन्दे विकास तौढिया (७७ **विशे)—राजशाहन** के किसा (इंडा)—हाडा के उन्हें

अध्यान् विश्वकं क्रियाएँ (क्रूड् किम्राटम[®])—किड्र किम्रा विश्वकिमा विश्वक

FREE THE EXPORT OF THE FOREIGN AND A SECOND

भूपरा हिस्स्य संपन्न) स्वास्य - (४मी पुष्टिस्य - अभागर्य) संराध्य

धाना (याना)—याना आद्र करना (आपत्र कत्रना)-- माश्र कत्रा करना (कंब ना) क्या काम करना (वाम कंब ना) - काक कंब।

गिरना (विवन))—श्रीष्ट्रविकान (क्षिता (शिक्षा (शिक्षा)) कर्त्वा जात्री कि काटना (केंग्रेन!) मकाठे , कावड़ात्तर का हु—(क्रिकेट) क्रिकेट खड़ा होना (४७। शामा) - नाज़ाता खोखना-((स्थानामा)-- स्थाना खरोदना (थत्रीम् ना)—कन कर्ताः ह — खिलका (ह्यामना) निर्देशास्त्र कर्ता खोदमा ('स्मान्ना-)+>(व"फ्निहरू | स्विरनान ई-भित्रमा)-- भारकामहंश्रा गाना (शाना)—शान क्वाङ क्तास क्रामाः क्ष्मक्वानाः) 🚾 व्यान गिरफोसर करना (विश्यो, जांक कितना) — (क्षेत्रीक क्रमना ॥ १६६७) १६५७ युसनगर्भाषुम् सो हेल्ड्या प्राप्तहर्म चुरावा (- हवावा केल्) हाविहत्वता । चाहना (ठार्ना) - ठाएगा । १६० हा इन्डियाना (क्शिमा)) न्ह्यूकीरना जानना (कान ना)—काना F 那有行 ((甲科科·)) 明初 टहरना (ह्वेरलना) नार्यक्षेत्री) सम्ब्राता हबेरमार्ध-बाय्रेनको ने समाहर चठना (छेर्र ना)— हो। —— दौड़ना (प ७ ज़ना)— मोजाता देना (प्रना)--- प्रश्रा हेना (लना)—न ६ग्रा मांगना (माःगना)—गंदश पाना (शाना)—शांदश रोना (द्वाना)—कांश पुळना (श्रृष्ट्र ना)—जिल्ला करा शिना (शीना)—शांन करा जाना (शांना)—थांदश हंसना (र्जना 📛 रार्जी) कि खोलना (क्षांन ना के स्थाना) बेचना (र्वर्ग मान्-तिकार क्या याद आना (देशान नाना)-पाद नेज भुल जाना ('पूर्न कार्मा')—ेपूरम या ५ग्रा ে—⊹্তিম) প্রিয় हिल्ला (शिन्मा) -- अर्ज़ उधार छेना (উशांत रचना)---शांत कता पुकारना (भूकातना) - डाका ্বর্না (পঢ়না) প্রপড়া 🐬 🔗 पाना (भीना) - भाष्त्र। खिखना ('शिनेनो')—ंत्रेश व्याप्त पहुनना (शहन्ना)। शश्त्री व्या

गिरना (गिर्दाना)—शर्फ यांच्या चुराना (ठूदाना))—हृति कर्ता फेंकना (फेंक्ना)—हूं एफ (प्रथम सरना (महना)—महा बोद्धना (राजना)—यण मालुम होना (मालूम)—ज्ञान करा होना (हिणाना)—ज्ञान करा होना (हिणाना)—ज्ञान करा होना (साना)—सान करा होना (साना)—सान होना

क्रिया विशेषण (क्रिया अग्निटमेषङ्) क्रिया विटमयन

इतना (रेखना)—এछ खतना (छेख्ना)—घड इत्र (कर)—कथन फिर (कित्र)—धार्वात्रं नहीं (नरीं)—न। खपर (छेशत्र)—छेशरत तब (खर्)—छथन छाब (चार्)—এथन जैसा (खाग्रमा)—ःयमन तैसा (छाग्रमा)—ख्यमन जाव (खर)— यथन भीतर (खोखत)—छिख्रत बाहर (यारत)—यारत छाने (चारत)—चारत

नजदीक (नक्षीक)—िनकरि पी**क्रे** (পীছে)—পিছনে बार भी (बंदर हो)—बार्र कभी कभी (कछी कछी) क्याना क्याना हमेशा (राम्भा)-- नर्भा यहाँ (देव्हा)-- এशान वहाँ (५व्रर् ।) त्रथात मटपट (वर्रे भर्रे)— छाषाछाष्ठि धीरसे (शेवरत)-शेरव शेरव आहिस्ता (वाश्का)-वारक तुरन्त (पृत्रश्च)—ভাড়াভাড়ি अच्छी तरह (अष्ट्री ७३१)—डालाडात बरी तरह (वृद्री एवर्)-श्रावाभ ভाবে। ध्यचानकं (घठानक)-- श्रेशर हररोज (द्रुद्राष)— श्रिका सम्भग (नगडग)— श्राय ज्यादा (खाना)—त्वनी थोडा (खाड़ा)—बद सिर्फ (निक')—(कवन क्यों (र्कंष)— रवन १

कुछ सम्बन्ध बोधक अव्यय (कूछ मचक (वांधक अवरेश्नम्,)

কিছু সম্বৰ্ধবোধক অব্যয়

पास क्षिक) (क्षिक्र) पास क्षिक) वनदीक (वस्तिक्ष) पास क्षिक) वनदीक (वस्तिक्ष) वनदीक (वस्तिक्ष) वनदिक्ष वस्ति । वन्दिक्ष) वनदिक्ष वस्ति । वन्दिक्ष) वन्दिक्ष वस्ति । वन्दिक्ष । वन्दिक्ष वस्ति । वन्दिक्ष । वन्द

और (चंदर्)— वरः, चार अगर (अर्थ)—यि) हिन्द या (इंग्री)— व्यथना ाष्ट्रकः — (कि.से) त तथापि (उथाभि)—उथाभि सिक् (रिक तो भी (छ। छो)—उर्व उसिंखए (উम् नि.)—म्बिग धागर न (अशद न)-यिन ना इसलिए (रेन निव) — वस्र अब भी (श्रव् छो)-- এখन छ ज्यायक्के (क्रायक्का) - व्यवस्था । वास्त्र के वास्त्र के वास्त्र जबतक न (জব্ তক র)—যুতুকুণু না বুভনার (তুলনামে)— অপেকা तो भी (, एवं छै)—याश द्राक किसी एक भी (किमी अक् छी) इंडिन मरश अकि एक भी नहीं (अक छो नहीं)—कानि नह 📑 🕞 🛶 ধন: (অতহ')—মতএব । 🖽

हम करिहार के स्मार्टिक के स्मा

रशवार तार्क करन निवालन हैं होंड़े के इस के स्वाहा हैं। हैं। जिस्से के स्वाहा हैं। विस्ति के स्वाहा है। विस्ति के स्वाहा के स्वाहा के स्वाहा है। विस्ति के स्वाहा के स्वा

अभिवादन (অভিওয়াদন)—অভিবাদন 🍦 দ্র্যায়্যুর

स्या आपका अभी जाना अहरी है (काम वानका वर्ज किया। , जुक्कत् (क्षेत्र क्रायाह क्षिष्ट क्ष्मिक्ष क्षित्र क्षायाल क्ष्मिक्स क्षायाल क्ष्मिक्स क्षायाल क्ष्मिक क्षाय

भाशिति। हिन्न सारकारी (६३) ति १४ए४ ०१४) प्रहीति १५५० स्मा हाक प्रत्मनावर में दीक हैं (१५३१ मताम, माम) श्रेस में के समावाप काणि ভালোই चाहि।

यह मेरा सीमाग्य है (इंग्रह (मन्ना नवंडी इंक्ट्र हाग्न) — अर्छ।

हम काफी समय के बाद मिल रहे हैं (इम् काकी नमन्न कि वाप मिल नरह छान्न)—कातकपिन शरत धामारान्त राव्या ।

में राहर के बाहर गया हुआ था (भँ रह भरत एक वारत नवा रखा रखा)—व्यामि भरत्वत वारेत्व निराहिनाम ।

জাদ বদৰई से কৰ ভীট (আপ বস্বস সে কব্ লওটে)—আপনি বোমাই থেকে কবে ফিরলেন ?

में आज सवेरे ही बम्बई से छोटा हूं। (मँ। प्र वाक मत्तरत हो यपने तम मुख्या है।)—यापि वाक मकारमहे त्यापाहे (शतक कित्रहि।

क्या मुक्ते देखकर तुन्हें अचरज हो रहा है। (कााजा मृत्य प्रश् कत जूग्रह का तक रहा तहा शात)—वाशनि कि जामारक प्रत्य जवाक रखाहन ?

आपसे अचानक मिछकर मुक्ते प्रसन्नता हुई है। (जाशरा जानक ... मिनका पूर्व व्यानका एके शामा।)—जाशनात गरा श्रीर प्रथा इस्त्राम थ्व थ्नी श्राहि।

क्या आपका अभी जाना जहरी है (कांद्रा आपका अजी खाना अकरी कांद्र)-- आपनात कि अधनहें यांध्यात श्राखन ?

मुक्ते चढना चाहिए (भूत्य हनना हाहि ॥)—सामात्र या ७ वा छिछ । अब फिर कव मिलेंगे (अव् कित् कव् भिरतक)—सावात्र करव प्रभा श्रद ?

किसी न किसी दिन भेट होगी अवश्य (হিসী न किमी प्रिन ভেঁট হোগী অবশ্ইয়)—মামরা এর মধ্যেই কোনদিন মিলিভ হবো। বায বিযोगे (চায় পিয়োগে)—চা খাবেন ! आपका काम कैसा चल रहा है ? (आशका काम काश्रमा हन दश शांद ?)—आशनांद काक कमन हनहां ?

यहाँ भी वैसे ही हालचाल है (ইয়হাঁ ভী ওয়্সে হী হালচাল হায়)
— এথানেও একই খবর।

প্রাच्छा भाई में अभी चलता हुँ (আজ্ঞা ভাঈ, মাঁর অভী চল্লছা হুঁ)—আজ্ঞা ভাই, আমি এখনি যাজি।

ठीक है धन्यवाद (ठीक शाम धन हेम्र ध्यान्)—ठिक चाटह वक्रवान्। धन्यवाद अखबिदा (धन्हेम्र ध्यान्, चन विना)—धक्रवान, विनाम ।

বুত মগ জীব বন্দৰ (কুছ প্রশ্ন অউর উত্তর) কিছু প্রশ্ন এবং উত্তর

क्या हुआ १ (काशा रुखा १)—िक शरारह १ कुछ नहीं (कृष्ट् नशैँ)—िकष्ट्र ना ।

मताहा किस बात का है ? (ঝগড়া কিস বাভকা হায় ?)— ঝগড়াটা কিসের ?

यह क्या है ? (हेग्रह् का। शांत्र ?)—এमर कि ? कुछ विशेष नहीं। (कूष्ट् अग्निटमर नशें।)—विटमर किछू नग्न। आप क्या करते हैं ? (आभ् का। कत्रा हैं। ग्रे ?)—माभिन कि करतन ?

में एक व्यापारी हूं! (मात्र अक ध्यापाती हैं) - आमि अक्सन वावनायी। नीधाराद किसी क्रिस्ट के स्वाप्त हरू हैं इस्त अस्ति के सिम्बर शिका के सिम्बर किसी हैं कि सिम्बर सिम्बर

धन्यवाद, आपका अनेकानेक घन्यवाद। (४न्टेग्नवान, व्यापका व्यानकारनक ४न्टेग्नवान) — ४ ज्वान, व्यापनारक व्यानक ४ ज्वान।

অনেকানেক ধন্ইয়বাল।) —ধন্যবাদ, আপনাকে অনেক ধন্যবাদ।

হৈছে চুট্ট চুট্ট দুট্ট ডুট্ট ডুট্ট

आपकी सहदयता के लिए में आमिरी हूँ । (कार्यको निर्मिश्वर्ष) तक निर्म में प्रिकाणियों है ।)—वार्यनीय मेराक्ष्ण रेणार्थ किमि शृंशिव्रशाद कृष्ण ।

ऐसा न कहें। (क्रीविमी न करें) किम किश दिन नि। यह तो मेरा सिमाग्य है। (इब्रह् कि। तिवा न किश दिन खाँग।) किल कि कि

। **ब्रिम्भात्राकी वृक्षि नेनी**शक्त **राज्यकार वृ**द्धे १ ईन्हें । स्क्रम्ब क्ष्मिको क्राह्मा सुरु (नाइनाछ भई है। ते इर्व क्रिक मिल्डा क्रिक मिल्डा सिक्स सिंह ठार्व इं क्रिक में मक

्या हुन अधिक रही, शास हो कि इन्तिक की का मारे का एक चार्थ व्यक्तिका एवं है । वर्ष महिल्ली कर महिल्ली আজকে আমার সঙ্গে রাত্রে থাবেন গ

श्री आभारी हूं। (भाग वाणाती हैं।)—वाभि काम के मुलिएगा। (बाना ने ज़ल का कि मिन्सी काम के मुलिएगा। (बाना ने ज़ल का कि मिन्सी काम के ज़ल के का माम की के के अवस्य आउंगा (भाग विशेष येथे वाजना।

ाट क्र को स्थित नाइ कि सकते हैं १ किए बोह बीन चीनीम विट द्वार जी दिए में कि कि के किए के किए के किए के र्वार्थीन कि वीर्शीमो दिवर्शन विभिन्न निर्देश दिन्त कर्रितन है। कर विक्र है

मैं शनिवर को शहर से बाहर जा रहा हूँ। (भँ ग्रा मनिव्यव्यक्त एक भारत किसी का तम गहीं।)-नेबायद हेव्हाय **हिल या कि** । कि

चलिए भर चला जाय। (চলিএ অধ্য চলা যায়। 🖰 ট্রেকি এইন ं द्वाका (कामाकः) कापका कोई होए नहीं। যাভয়া বাক।

আপনার কোন দোম নেই।

হ্যারা ব্লক্ষিতী चे हमारा वर्शकस्मती की बात है। (हैएड

सालनी (अक्नि) में उनी विभाव (। वाह का कि

सब ठीक हो जायगा। (जव जीक त्या कांग्रशाः) – तर किछू ि बड़े अफसोस की बात है। (বড়ে আফসোস্কী বাৰ্ড্যুয়ুয়ু ১৯৮১) —বড়ই ছঃখের কথা।

खाइखाज मर्ज को सहने के खड़ावा और कोई बारा नहीं। (नारेनाच मर्क्टका नहान कि बनाध्या बख्य कारे ठाता नहीं।)— य त्यांग नात्रवात नय, जा नदा करत त्यक्षा हाज़ छेनाय त्नहे।

ईस्वर में विश्वास रखी। (केन् ७ वृत्र म ७ विश्वान तर्था।)— केन्द्रंत विश्वान त्रार्था।

हमको आपसे सहानुभूति है। (श्र्या वाश्या महाकुछि श्राव ।)—वाशनात প্रতি वाभात महाकुछि वाह ।

मुक्ते यह सुनकर बढ़ा दुख हुआ। (प्र्य देशह् अन्कर् वर्ष इथ् हवा।)—এ कथा अत्न आमात आ डास्ट इःथ दरहरह।

अपने अपनी ओर से पूरी कोशिश की। (অপ্নে অপ্নী ওর্ সে পুরী কোশিশ্ কি।)—মাপনি আপনার দিক থেকে ব্ধাসাধ্য করছেন।

আপেকা কীई दोष नहीं। (আপ কা কোঈ দোষ নহাঁ।)— আপনার কোন দোষ নেই।

ये हमारा वद्किस्मती की बात है। (टेर्झ हमात्रा वनिकचिकी की वाक हा।) अपने चामात्र हुई। (त्रात्र हमात्रा वनिकचिकी

सद ठी% हो जायगा। (সব্ ঠীক হো জারগা।)—সব কিছু িক হরে বাবে।

কুন্ত দান্দ্ৰাহন (কুছ প্ৰোৎসাহন) কিছু উৎসাহ প্ৰদান

विश्वास रखिए। (७श्निम इंग्राम अथिदा)-विश्वाम बाधून।

तुम्हें किस बात की चिन्ता है ? (जूग्रह किम् वाज की िख। हा। १)— जामात्र किरमत किखा ?

इसमें डरने की कोई बात नहीं। (ইস্মেঁ ডরনে কী কোঈ বাত নহীঁ।)—এতে ভয়ের কিছু নেই।

फिकर की कोई बात नहीं। (ফিকর কী কোন্স বাত নহাঁ।)—
ছশ্চিয়ার কোনও কারণ নেই।

तुम फिजूल परेशान हो रहे हो। (তুম্ ফিজুল্ পরেশান্ হো রহে হো।)—তুমি অকারণে চিস্তিত হচ্ছ।

घबराक्षो मत। (घवत्राख मज्।)- घावरफ् यथना।

मुमे विश्वास है कि तुम सफल होगे। (মুঝে ওয়িখাস্ হ্যায় কি তুম্ সফল হোগে।)—আমার বিশ্বাস আছে যে তুমি সফল হবেই।

चीर कर आगे बढ़ो। (हीत कत् आर्था वर्षा।)—वृष्टाद

इम आपके साथ हैं। (হম্ আপ কে সাথ হঁয়ায়।)—আমর! ভোমার পিছনে আছি।

हमारा समर्थन आपके साथ है। (হমারা সমর্থন আপকে সাথ হ্যায়।)—আপনার প্রতি আমাদের সমর্থন আছে।

मुक्ते तुम पर गर्व है। (মুঝে তুম্ পর গর্ওয় হ্যায় ৷ ;—ভোমানে নিয়ে আমার গর্ব ৷

হিন্দী বাংলা শিক্ষা—১

रेखने टेशन पर (द्रामश्रास किमन भन्न) द्राम क्विमान

राजधानी एक्सप्रेस कितने बजे छुटेगी १ (রাজধানী এক্সপ্রেস কিওনে বজে ছুটেগী ?) রাজধানী এক্সপ্রেস ক'টার সময় ছাড্বে ?

बम्बई मेल किस प्लेटफार्म पर आयगी ? (तथने प्रम किम् प्रिकार्म भन्न बाग्नी ?)— त्वाचा दिल्ला कान्या शाविकार्म बामार ?

वन्वई मेल तिन नम्बर प्लेटफार्म पर आयगी। (বম্বর মেল ডিন নম্বর প্লেটফার্ম পর আরগী।) বোম্বাই মেল ডিন নম্বর প্লাটফর্মে আসবে।

मद्रास से आनेवाळी गाड़ी कब आयगी ? (प्रजान तम आत्मध्यामी शाड़ी कव आयशी ?)—माखाब्द (थरक शाड़ी कथन आमर्ट ?

े दोपहरको ढाई बजे (माश्वर् का ठाजे राजः।)— छ्शूरत चाजावेतात्रां।

किस प्लेटफार्म पर ! (किन् क्षिण्यार्थ भर !)— कान् क्षांच्यार्थ !

प्लेटफार्म नंबर चार पर। (क्षिटकार्भ नश्वत हात्र श्वत।)—हात्र नश्वत क्षार्टेक्टर्भ।

गाही यहाँ कितनी देर ठहरती है ? (গাড়ী ইয়হা কিডনী দের ঠহরতী হ্যায় ?)—গাড়ী এখানে কভক্ষণ দাড়ায় ?

यह यहाँ आधा घन्टा ठहरती है। (ইয়হ্ ইয়হা আধা কটা ঠহরতী হ্যায়।)—এট এখানে আধ ঘট; দাড়ায়। कानपुर का क्या किराया है ? (कानपूर का का किराबा शाब ?)—कानभुरत्रत ভाषा कर ?

मालूम नहीं, अभी किराया वदं गया। (মালুম नहीं, অভী বিরায়া বঢ় গয়া।)—কানিনা, এখন ভাড়া বেড়ে গেছে।

मुम्मे टिकट कहां से मिल सकता है ? (पूर्व िक के कहा तम पिन नकला शाय ?)— नामात हिकिह काथाय পांच्या यात ?

কুন্তী, मेरा सामान चार नंबर प्लेटफार्म पर छे चलो। (कूनी, प्रिया नामान চার নম্বর প্লেটফার্ম পর লে চলো।) — कूनी, আমার জিনিস-পত্র চার নম্বর প্লাটফর্মে নিয়ে চলো।

जी हाँ, श्रीमान। (को हैं।, श्रीमान्।)— बास्त्र हैं। वात्।

तूम्हारा कूलियाना कितना है ? (जूम शाता कृलियाना किञ्ना शाय ?)— जामारमञ्जू कृलिखाणा कल ?

স্নীমান, एक হ্বয়া দী নগ। (শ্রীবান্, এক রূপেয়া কী নগ।)—
স্বাজ্ঞে মাল প্রতি এক টাকা বাবু।

छो, यह रहे पैसे। (ला, देशर् तरह भगात्रता)—এই नाउ गिका।

প্রাহ্য প্রথনা ভিজ্ঞা নন্তাগ কে । তি । (আইএ আপনা ভিজা তলাশ কর লেঁ।) আসুন আমাদের কামরাটি থোঁজা যাক।

यह रहा हमारा डिब्बा। (देवर तरा रमाता जिल्ला।)— এই यह, এখানে আমাদের কাষরা।

टैक्सी ड्राइवर के साथ बातचित

(টেক্সী ড়াইবর কে সাথ বাডচিত)—ট্যাকসী ড়াইভারের সঙ্গে কথোপকথন।

मुक्ते मेन रोडवाले होटल पर ले चलो। (भूर्य प्रमा द्वाफ ध्यात्म हार्टिन পর লে চলো)—আমাকে মেন রোডের উপর কোনো হোটেলে নিয়ে চলো।

প্রাহ্ बैठिए, श्रीमान। (श्राहेश ব্যহ্টিএ শ্রীমান্।)—দয়। করে উঠে বসুন।

বুদ দীয়া **ভাদান কর্টা হল্টাই** (তুম্ মেরা সামান্ কর্টা রখোগে ?)—তুমি আমার মালপত্র কোথায় রাখবে ?

में इसे गाड़ी की छत पर रख दूंगा। (मँगाय हैरन गाड़ी की ছভপর রখ্ ছংগা;—बामि ७টা গাড়ীর মাথায় রেখে দেব।

यह होटल यहाँ से कितनी दूर है ? (देग्रट् टाउन देग्र्टा मि किछनी मृत शाग्र ?)—এই হোটেলটি এখান থেকে कछमृत ?

छगभग सात किछोमोटर (লগভর্গ সাত কিলোমিটার ৷)—প্রায় সাত কিলোমিটার ৷

तुम कितने किराया लोगे ! (जूम किंड ्न किंताया लाला !)— जूमि कंड ভाড़ा निर्द !

पाँच रूपऐ। (शांठ ज्ञश्रा ।)-- शांठ लाका।

क्या तुम रेट लिस्ट के हिसाब से किराया छेते हो १ (का। पूम दिन किंग्र कि दिशाव तम किताया तमरा दिश हो। — पूमि कि दिनिकें प्रमुमादि ভाषा नाथ १ हमारे पास नगरनिगम द्वारा मान्यता प्राप्त रेटलिस्ट है। (হমারে পাস নগরনিগম দ্বারা মাছতা প্রাপ্ত রেটলিস্ট হ্যায়।)—আমাদের কাছে মিউনিসিপ্যালিটি অমুমোদিত রেটলিস্ট আছে।

तब ठीक है, छ चल्ली। (তৰ্ঠিক হ্যায়, লে চলো।)—তাহলে ঠিক আছে, নিয়ে চলো।

বুদ सामान का कितना लेते हो ? (তুম্ সামান্ কা কিত্না লেতে হো ?)— তুমি মালের জন্ম কত নাও ?

पचास पैसे प्रति नग। (পচাশ প্যায়সে প্রতি নগ।)—প্রত্যেকটি ব্যাগ প্রতি পঞ্চাশ পয়সা।

तब तो ठिक है, छे चलो। (তব্তো ঠিক হাায়, লে চলো।)— ভাহলে তো ঠিক আছে, নিয়ে চলো।

यह होटल शहर के सबसे बड़ा श्रोर अन्द्रा होटल है। (ইয়হ্ হোটল শহরকে সবসে বড়া অওর অভ্য হোটল হ্যায়।) —এই হোটেল শহরের সবচেয়ে বড় এবং ভাল হোটেল।

फाटक पर गाड़ी रोक दो (ফাটক পর গাড়ী রোক দো ৷)—গেটে গাড়ী দাড় করাও।

ठीक है श्रीमान, मैं गाड़ी रोक देता है। (ठीक शाम खीमान, में गाड़ी रोक देता है। (ठीक शाम खीमान, में गाड़ी रोक चाह छात। चामि शाड़ी तार्क प्राव । चामि शाड़ी तार्क ।

ইন্তীদ্ধান (টেলীফোন)—টেলীফোন

ইন্তা, ক্যা মি: बौस ই ? (হালো, ক্যা মি: বোস হায় ?)— হ্যালো, মি: বোস আছেন ?

सिः बोस बाहर गए हुए हैं (মিঃ বোস্ বাহর গএ ছএ হ্যায়) – মিঃ বোস বাইরে গেছেন।

বহু কর বন্ধ ভীটন (ওয়হ্কব্ তক্ লওটেকে)—তিনি কখন ফিরবেন ?

প্রাঘা ঘন্ট तक (আধা ঘটে ডক)— আধ ঘণ্টার মধ্যে।

क्या आप उन्हें बतादेंगे कि मिः रय का फोन आया था (का) बाल डेन्टरं वडा जिल्ह कि भिः उम्र का कान बाम्रा था)—बालनि कि जम्म कदत वल जिल्हा वर्ष भिः तम्र कान कटनिकान १

में उन्हें अवश्य आपका संदेश दे दूंगा। (মঁটুর উন্ঠে অবশ্ ইয় আপকা সন্দেশ দে দ্কা।)— আমি তাঁকে নিশ্চরই আপনার খবর দোব।

हैलो, क्या आप रय कम्पनी से बोल रहे हो (शाला, का आश अब कम्यनो त्म वान् ब्रह्म हो)—शाला, आयनि कि बाब काम्यानी थरक वनहरून ?

में मेनेजर ही बोछ रहा हूँ (भँग्र प्राप्त कर ही खान बहा हैं)— आमि शामकाब वनहि। क्या में आज ठीसरा पहर तीन को आपसे मिछने आ सकता हूं ?
—(का। मँग्र आक छोमता भरत छोन वर्ष्य आभ रम मिछने आ सकता हूं ?
—(का। मँग्र आक छोमता भरत छोन वर्ष्य आभ रम आपनात मरण प्रथा
अंतर् आमर् भारत भारत १

मुम्ते खेद है कि मैं तीन वजे वाहर रहुंगा (मृत्य त्यन शांत्र कि मँ) य जीन वरक वाहत तहःगा)—चामि इः चिज, जिनतित नमय चामि वाहरत थाकरवा।

खापको और किस समय सुविधा रहेगा ? (खाशरका खख्त किम् नमग्न स्डिशिशा त्रारंशा ?) — खाशनात खात रकान नमग्न स्विशा हरत ?

জাদ দাঁৰ মজ দঘাহ सकते हैं (আপ্ পাঁচ বজে পথার সকতে হাঁার)—আপনি পাঁচটার সময় আসতে পারেন।

अपने वापस आने पर आप मुक्ते टेळीफोन करदें (অপ্নে ওয়াপস্ আনে পর আপ মুঝে টেলীফোন কর্দে)—আপনি ফিরে এলে দয়া করে একটা টেলিফোন কর্বেন।

জাবকা দান নদৰ্য ৰুৱা বিজীত ? (আপ্কা ফোন নম্বর বঙা দিজীএ ?)—আপনার ফোন নম্বরটা বলুন ?

कृपया ভিত্ত ভিনাদ (কুপয়া লিখ্ লিজীএ)— দরা করে লিখে নিন ।

ঠীক है, बताइए ? (ঠীক হাায়, বভাইএ ?)—ঠিক আছে বলুন ?

मुखर्जी इण्डास्ट्रीज, फोन नम्बर ४५३२६ (মুখর্জী ইণ্ডাপ্লীজ, ফোন
নম্বর ৪৫৩২৯)—মুখার্জী ইণ্ডাপ্লীট, ফোন নম্বর ৪৫৩২৯।

डाक्खाने में (डाक्খात (व) - डाक्चरत

ক্রথযা मुक्ते कुछ पोस्टकर्ड धोर इन्हेंड छेटर दे हें (কুপরা মুঝে কুছ পোস্টকার্ড অওর ইন্ল্যাণ্ড লেটর দে দে)—দয়া করে আমাকে করেকটি পোষ্টকার্ড এবং ইন্ল্যাণ্ড লেটার দিন।

জাपको कितने चाहिए ? (আপ্কো কিত্নে চাহিএ ?) — আপনার কটি চাই ?

मुक्ते पांच पोस्टकार्ड छौर पांच इन्लैंड लेटर की आवश्यकता है (মুঝে পাঁচ পোস্টকার্ড অওর পাঁচ ইন্ল্যাণ্ড লেটর কী আওয়শ্ ইয় কতা হ্যায়) — আমার পাঁচটি পোস্টকার্ড এবং পাঁচটি ইন্ল্যাণ্ড লেটার দরকার।

इनका मूल्य दो रूपया होगा (हेन्का मृत्हेश प्ता जलशा हाना :----अत्र नाम ह्र' हाका।

आपके पास एयरोग्राम छेटर के फार्म भी हैं ? (আপকে পাস এইয়রোগ্রাম লেটর কে ফার্ম ভী হ্যায় ?) - আপনার কাছে এরোগ্রাম লেটারও আছে ?

जी हां, हैं। (खी टां, टांग्र ।)—बाख्ड टां, चारह ।

तो मुक्ते एक दीजिए (ा भूत्य এक नीक्कि) - डाश्टन आभाग्र अक्याना निन।

ঠীক दें, अभी देता हुँ (ঠীক হ্যায়, অভী দেতা হুঁ) ঠিক আছে। এখনি দিচ্ছি।

एक एयरमेल खत के लंडन पंहुचने में कितना समय लगता है ? (अक अग्रत्रामण थल कि नन्छन शैक्ष्यान स्मित्र नगरा नगरा হ্যার ?) —একথানি এরার মেলের চিঠি লগুন পৌছাতে কত সমর লাগে ?

ভামনা বাবে दिন (লগভগ্চার দিন)—প্রায় চার দিন।

में इस राजिस्टर्ड खत को कहाँ दे सकता हूं? (भाग देन् तकिकेंड चढ् का कहा पा नकडा हं?)—आभि और तिकिकेंडि लोगति काथात्र परवा ?

खिड़की नम्बर चार पर। (খিড়কী নম্বর চার পর।)—চার নম্বর জানালায় দিন।

में एक पर्सल भी भेनना चाहता हूँ। (भँ) य এक পাৰ্গল ভী ভেজন। ছাহতা হুঁ।)— আমি একটি পাৰ্যেলও পাঠাতে চাই।

पार्सलों के लिए अलग खिड़की है। (भागला क निरत्न जनग थिएकी शारा।)-भार्यानत अन्न जन जानाना जाहा।

पार्सलों के लिए खिड़की नम्बर कितना है ? (भार्मलांक निज थिज़की नम्बर किजना शाग्र ?) —भार्यितन खन्न खानाना नम्बर कर्ज ?

खिड़की नम्बर पाँच। (चिड़की नम्बर शांठ।)—आनामा नम्बर शांठ। इस पार्सछ के अन्दर क्या है ? (डेम् शार्मम् क्या कमात्र का। शांग्र ?) —এই পার্মেলটির ভিতরে কি আছে ?

इसमें किताबें हैं (रेन्स किलावं दाय।)—अत मत्या वरे चाह । तो ठींक है, आप पांच नम्बर खिड़की में जाइए (ला ठिंक शाय, चान नीठ नम्बर थिएको स्म खारेखा।) – जारल ठिंक चाह, चानि, नीठ अम्बर चानानाय यान। आपको बहुत धन्यबाद (व्यानरका वरुष्ठ धन्देव्रवाप)--व्याननारक व्यानक शक्यवाप ।

वंक में (व्याश्व (में)--व्याद

मैं मैनेजर साहाब के साथ मिलना चाहता हूँ। (भँगाम्र म्याद्मक्रत्र माश्राद रक माथ भिनना हाइला है।)—बाभि म्यादनकात्र मारहरत्रत्र मरक एका कहरू हाई।

कहिए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ ? (कहिअ, माम्र आपको का प्रश्ना कर नकला हैं ?) - वलून, आमि आपनान क्रान्त कि कत्राल भावि ?

मैं एक बचत खाता खोलना चाहता हूँ। (भँ। प्र এক্ বচত খাত। খোলনা চাহ তা হঁ।)—আমি একটি সোভিংস এয়াকাউট খুলতে চাই।

সহত खोडने सर्वेगे। (জরুর খোল্নে সকেংপে)—নিশ্চয়ই খুলতে পারেন।

यह खाता खोलने के लिए कितने रुपये के आवश्यकता होगी? (ইয়হ খাতা খোল্নে কে লিএ কিড্নে রুপয়ে কে আওশ ইয়কতা হোগী?)—এই এাকাউণ্ট খুলতে কত টাকার প্রয়োজন হয়?

आरम्भ में कम से कम पांच रूपये जमा करना होंगे। (चाइस्ट ं कप त्न कम शांठ क्रशरा समा कहना शांका।) - अधरम खस्रकः शांठ होका समा पिएड श्रा। हम रुपये कितनी बार निकाल सकते हैं रू (इस् क्रशर किल्नो बात निकाल नकरण हैं। स्र १)—चाभि कलवात होका कुनरण शांति १

माह में पांच वार से अधिक नहीं। (মাহ্মে পাঁচবার সে অধিক নহী ।)—মাসে পাঁচ বারের বেশী নয়।

एक बार में कितना रूपेया उठाना जा सकता है ? (এক বার মেঁ কিড না রুপেয়া উঠানা জা সকতা হায় ?)—একবারে কড টাকা ডোলা বায় ?

सामन्यतः एक हजार से अधिक नहीं। (সামান্ইয়তহ্ এক হাজার সে অধিক নহীঁ।) সাধারণতঃ এক হাজারের বেশী নয়।

में चैक बुक लेना चाहता। (মাঁয় চেক বৃক লেনা চাহ্তা।)— আমি চেক বই নিতে চাই।

वह हम आपको दे देंगे और उसके साथ एक पास बुक भी। (५३१ १२ व्यापरका पा प्रतिक व्याप्त উদ্বে माथ এक পाम त्क छो।)— ७ व्याभि व्यापनारक पिरा प्रति এবং मिट महम अकि भाग वहें । प्रति ।

सुम्ते क्या करना है ? (भूत्य का। करना शाय ?)-- श्रामारक कि कर्नाण श्रद ?

आपको इन फार्मो पर हस्ताझर करना होगा और साथ ही आरम्भिक रुपया जमा करना होगा। (व्यान्तका हेन् कार्मा नदना होगा। (व्यान्तका हेन् कार्मा नदना रुखाक हत् कर्ना रुखां व्यव्ह ना रुखां व्यव्ह ना रुखां व्यव्ह ना रुखां व्यव्ह कर्मा व्यव्ह कर्मा व्यव्ह व्य व्यव्ह व्यव्व

कृषया डिपाजिट स्छिप भर दें (कृश्या डिशाबि क्रिश छत (मैं । ' - म्या करत डिशाबि क्रिश छर्डि करत मिन । ठीक है, हम छिख देता हूँ। (ठीक शाब, २म् निष् प्रणा हैं।)— ठिक चाहে चामि निष्ध पिछि।

बाड़ी भाड़ा के बारेसे (वाड़ी छाड़ाटक वादादमें) वाड़ी छाड़ा विवदम

आपके नाम मिः अनिमेष दत्त है ? (व्यां भटक नाम भिः व्यनित्मय पद्ध शांत्र ?)—व्यां भनात्र नाम व्यनित्मय पद्ध ?

जी हाँ, कहिए क्या जरुरत है ? (को टाँ, कहिल का। करूति शांत्र)—चारळ टाँ, रजून कि पत्रकांत ?

मैने सुना है कि आपके यहाँ किराए के लिए क्लट खाली है ? (माग्रदन छना शाग्र कि चान् एक कित्राअदक मिळ क्लंगे थानी शाग्र ?)

—আমি ওনলাম, আপনার এখানে ভাড়ার জন্ম ক্লাট খালি আছে ?

जी हाँ, आपकी आवश्यकताएँ क्या है १ (क्री हाँ, व्यापकी व्याख्य हेव्रकार्य का शाव १)—वास्त्र हाँ, व्यापनात कि প্রয়োজন १

में तीन कमरे के एक पछट की तछाश कर रहा हूँ। (मँ प्र छीन कमरत रक अक क्ष्मां की जनाम कर तहा ह।)—मामि जिन कामतात अकि क्षेत्र के कुछ व

आइए में आपको दिखाता हूँ (আইএ মাঁয় আপকো দিখাতা হাঁ) ---আসুন, আমি আপনাকে দেখাছি ।

ैनैठक बड़ी है, लेकिन रसोई घर छोटा है (नाइर्ठक् वड़ी शास

লেকিন্ রসোঈ ঘর ছোটা হ্যার)—বৈঠকখানা বড়, কিন্তু রায়া ঘরটা ছোট।

सोने का कमरा बड़ा और हवादार है (शांत का कमता तज़ा अख्य द्रश्यामात द्याप्त)— माराज चत्र वफ ज्यार हाल्या आस्त्र।

लेकिन दीवालों का चूना मह गया है (লেকিন দীওয়ালোঁ কা চ্না ঝড় গয়া হ্যায়)—কিন্তু দেওয়ালের চুনকাম ঝরে গেছে।

मैं आपके लिए फिर से चूना कलई करवा दूंगा (मँ । আপকে লিএ ফির্ সে চ্না কলঈ কর্ণয়া দৃগা)—আমি আপনার জন্মে আবার চুনকাম করে দোব।

किराया कितना है ? (কিরায়া কিতনা হ্যায় •)— ভাড়া কত • तीन स्त्रों (তিন্ সৰ্)— তিনশো ।

क्या बाजार नजदीक है ? (क्या वाष्ट्रांत्र नखनीक शांत्र ?) — वाष्ट्रांत्र कि कांश्रांकां हि ?

जी हाँ, बाजार और बस स्टाप नजदीक है (को ठाँ, वाकाद छेत বস স্টাপ্ নজদীক হ্যায়)—আজে হাঁ, বাজার এবং বাস স্টপ কাছেই।

धौर कोई किरापदार हैं ? (अध्य कांत्रे किवारप्रमाय दें। प्र ?)— आवध कि छाणार आहि ?

जी हाँ, और तीन किरायेदार हैं। (জী হাঁ, অওর তিন কিরায়েদার হাায়।)—আজে হাঁ, আরও তিন জন ভাড়াটে আছে।

मकान के अन्य किराएदार कैसा आदमी हैं ? (मकान क अन्हेश

কিরারেদার ক্যায়দা আদমী হাঁার ?) –বাড়ীর অন্ত ভাড়াটে কেমন লোক ?

मकान के धन्य किराएदार भी भले छोग हैं (मकान কে अन्हेन्न किन्नारम्बान की ভলে লোগ গ্ৰায়) —বাড়ীর অস্ত ভাড়াটেও ভাল লোক।

अभी हमको कितना रुपया देना होगा ? (अडी श्राह्म किड्ना क्रम्या (पना श्राम ?) — अथन आभारक कड होका पिछ श्रुह ?

पक माह का किराया जमा और पक माह का किराया (এক মাহ কা কিরায়া অমা অওর এক মাহ কা কিরায়া) এক মাদের ভাড়া অমা এবং এক মাদের ভাড়া।

ठीक है, হ্যযা ভিনিए (ঠীক হ্যায়, রুপয়া **লিজিএ) –ঠিক আ**ছে, টাকা নিন।

ভাক্তর के पास (ভাক্তর কে পান) ভাক্তারের কাছে

हान्हर साहाब, मेरी तिवयत ठीक नहीं छग रही हैं (७। क्रेंत नाहात, सिती ७२७ हेंग्रज् ठीक नहीं नग् तहीं हााग्रं) — छालात वात्, सामात महीति। छान नागरह ना।

खापको क्या परेशानी है ? (चाপका का। श्रवभानी शाग्र ?) — चाशनांद्र कहे कि इस्छ ? मुक्ते थकान महसूस होती है (प्रत पकान परस्त (शांकी शांग्र) — आपात प्र क्रांच नागर ।

और क्या है ? (अध्य का शांत्र ?)—बात कि श्राह ?

मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूँ (भँ ग्रा ठीक ता ता नहीं भा तहा हैं)—श्रामि ভाলোভাবে घूमारा भाति ना।

आप को नींद न आने की बीमारी है (আপ্কো নী দ ন আনে কী বীমারী হ্যায়)—আপনার অনিজা রোগ আছে।

मैं खासतौर पर पैर के दर्द के बारे में आपके पास आया था। (भँ ग्रंथ थान्डब्द भद्र भग्नावाद कि पर्न कि वाद्य स्थान्डब्द भद्र भग्नावाद कि पर्न कि वाद्य स्थान कार्य था।)—चामि विरमय करव भारत्रत এই वाथानात क्षण व्याभनात कार्य अराहि।

यह किसलिए होता है ? (ইয়হ কিস্লিএ হোতা হ্যার ?)—এটা কিসের জন্ম হচ্ছে ?

पुरी जाँच के जिना कुछ भी कहना मुश्किल है (পুরী জাঁচ কে ওয়িনা কুছভী কহনা মূশ কিল্ আয়ে) – ভালো করে পরীক্ষা না করে কিছু বলা মুশকিল।

জাদকী মূল ত্ননী ই ? (আপ্কী ভূধ্ লগভী হ্যায় ?)— আপনার বিদে কেমন ?

हमको खाना अच्छी नहीं छगती (হন্কো খানা অচ্ছী নহাঁ লগতী) – আমার কিছু খেতে ভাল লাগে না।

मैं आपके रक्तवाप की जांच करना चाहता हूँ (मँ ग्रे आश्ररक

র্জ্তচাপ কী জাঁচ্ করনা চাহতা হু")—আমি আপনার রজ্তচাপ পরীক্ষা। করতে চাই।

ठीक हैं, जो कुछ करना अच्छा है कर छिजीए (ठीक शाम, खा कृष्ट् कर्ना अध्हा शाम कर निष्मी 4) - ठिक आष्ट, या किछू करात आष्ट्र करत निन।

আদকা ক্যা বন্ন है ? (আপকো ক্যা উদ্ৰ হ্যায় !)—আপনার বন্ন কড !

चालिस साल होगा (চালিস্ সাল হোগা)— চল্লিশ বংসর হবে । भापका रक्तचाप सामान्य से कुळ ऊपर है (আপকা রক্তচাপ সামান্ইর সে কুছ্ উপর হ্যায়) — আপনার রাড প্রেসার স্বাভাবিকের থেকে একটু বেশী।

तब क्या होगा ? (তব্ক্যা হোগা ?)— তাহলে कि হবে ? कुछ डर नहीं, में ठीक कर दुंगा। (कूष्ट् छत्र नशैं भाग्न ठीक कत

क्रुअ ६२ नदा, म ठाच कर दुना । १ रूर् ७३ नरा ना

आपका यह पैर का दर्द कम से है ? (आश्रका देग्रह श्राग्रत का पर्न कद त्म द्याग्र)—आश्रनात এই शास्त्रत दाशा कछिमन थिएक दस्त्राष्ट ?

सात आठ रोज हुआ (नाज चार्ठ दाख एका)— नाज चार्र पिन रायरह।

क्या इसमें सुन्नन थी ? (का) हेम्रम शुक्रन थी ?)—এशनंही कि

मैं समम्तता हूँ थोड़ी सुनन थी (गँउप नमस्रका एँ कि रवाड़ी स्खन थी)—भामात रका मत्न रम अक्ट्रे रकाना हिन । मैं नहीं समस्ता कि यह कोई गंभीर बात है, लेकिन धापको सतर्क रहना ही है। (मँग्रा नहीँ ममस्ता कि देग्रह कोने श्लीत वाल शाग्र, लिकन् धाभका मलक तहना ही शाग्र।)—এটা मातायक किছू नग्र, তবে धाभनाक मावशान थाकरल हरन।

क्या आप बहुत ज्यादा काम करते हो ? (का आंश्र वहूल काग्रामा काम करारू रहा ?)—आंश्रीन कि थूर रामी श्रीक्षंम करान ?

मैं काम अधिक करता हूं (भँ ग्रंग काम् অধিক করতা হু *) — আমি অধিক পরিশ্রম করি ।

জरा ज्यादा आराम करने की कोशिश कोजिए (জরা জ্যায়াদা আরাম করনে কী কোশিশ্ কীজিয়ে) আপনি একটু বেশী বিশ্রাম নেবার চেষ্টা করুন।

ठीक है, कोशिश करेंगे (ঠीক शाग्न, কোশিশ্ করেঙ্গে)—ঠিক আছে, চেষ্টা করবো।

मैं आपको कुछ गोलियां दृंगा जिनसे आपको फायदा होगा (মার আপকো কুছ গোলিয়া হংগা জিন্সে আপ্কো ফায়দা হোগা) – আমি আপনাকে কিছু ট্যাবলেট দেব, যাতে আপনার কাজ হবে।

फिर कत आना होगा ? (ফির্ কব্ আনা হোগা ?)—আবার কবে আসতে হবে ?

मुमसे तीन दिन के बाद मिलिए और अपना हालचाल दीजिए। (भूग एम छीन पिन क वाप भिनिश्व अध्य अभूना शामान पीकिश्व।) — जिन पिन वाप आमात मिलिश प्रश्न क्यारवन छ क्यान थाकिन कानारवन।

हिन्दी-वाःला भिका-- ১०

में खाऊं क्या ? (মঁয় খাউ ক্যা ?)—আমি কি খাব ?
कोई भी हलकी चीज ठीक रहेगी। (কোঈ ভী হল্কী চীজ্ ঠীক
রহেগী।) –যে কোনও হালকা খাত আপনার পক্ষে ভালো।

ন্তান্য से बातचित (লোগোঁ সে বাড্চিড্) লোকের সঙ্গে কথাবার্ড।

कछ तुम कहां गए थे ? (কল্ তুম্ কহাঁ গএ থে ?)—গতকাল তুমি কোথায় গিয়েছিলে ?

मैं अपने एक मित्र से मिलने गया था (भँ । य अभ रन এक भिज रन भिनास शरा था)—आभि এक वसूत्र नाम राम्था कत्राल शिरा हिलाम ।

तुमसे अशोक के साथ मुलाकात हुआ। (प्रम्त व्यानाक क नाथ म्नाका हवा)—त्वामात्र मत्र व्यानात्कत तथा श्राहिन ?

उसके साथ परसों मूलाकात हूआ। (উস্কে সাথ পর্সোঁ। মূলাকাত হুআ।)—ভার সঙ্গে গত পরত দেখা হয়েছে।

उससे तुमने क्या बातें की ? (छेम्रन जूम्त क्राग्ना वाट की ?)— एत्र मार्थ एकामात्र कि कथा श्ला ?

हमसे बहुत सी विषयों पर बातचीत हुई (হম্দে বহুত সী ওয়িষয়েঁ। পুৱ বাডচীত হুঈ) —আমার সঙ্গে অনেক বিষয়ে কথাব;র্তা হয়েছে।

तुमने उससे क्या पूछा ? (ज्र्रान छम् का भूषा ?) - ज्रिम जाक कि विकास करता ? মীন उससे पूछा कि वह कलकता में किसी को जानता है ? (মায়নে উদ্দে পূছা कি ওয়হ কলকতা মেঁ কিসী কো জানতা হ্যায় ?)—আমি তাকে জিজাসা করেছিলাম সে কলকাতায় কাউকে চেনে কিনা ?

वह क्या बताया ? (७३२ का। वर्णाता ?)—त्म कि वनाता ?

उसने बताया कि वहां उसकी एक बहन है। (छेम्दन राष्ट्रा कि खार्रा छेम् की अक रहन् हा।)—तं रमता त्रशाद खाद अक तान खाद ।

স্থাবে বহু হৈ হৈ । (আপ কহা রহতে হাঁায় !) — আপনি কোথায় থাকেন !

में नई दिली में रहता हूं। (भँ ग्रा नक्षे निल्लो स्म वश्षा है।) — व्यामि नजून निल्लोए शिका

में भी कुछिद्न पहेले दिल्ली में थे। (মঁটুর ভী কুছিদিন পহেলে দিল্লী মেঁথে।)—আমিও কিছুদিন আগে দিল্লীতে ছিলাম।

कितना दिन पहें छे १ (किल्ना निन शराल ?) — कल निन चारा ? चया वहाँ कुळ काम था १ (का अप्रदेश कृष्ट् काम था?) — अथाति कि किलू काम हिन ?

व्यापार के लिए वहाँ गया था। (अग्राभात कि निज अग्रर्श गग्रा था।) - वार्यमात अग्र अथारन शिराहिनाम।

क्या अशोक बाबु आपका पड़ौसी है ? (ক্যায়া অশোক ৰাবু আপকা পড়গুসী হ্যায় ?)—অশোক বাবু কি আপনার প্রতিবেশী ?

यहां आप कितने दिनों से रहता हैं ? (देग्न शां कांश किल्दन पित्री दिन वर्षा कांग किल्दन पित्री किल्पा कांग किल्पा किल्पा

मुक्ते यहां रहते पांच साल हो गये हैं। (মুঝে ইয়হ'। রহতে পাঁচ সাল হো গয়ে হঁটার।) – আমি পাঁচ বছর ধরে এখানে আছি।

दिल्ली में रहाइश के दौरान मुक्ते अनेक मित्र मिले। (দিল্লী মে রহাইশ্ কে দ্বরান্ মুঝে অনেক মিত্র মিলে।)— দিল্লীতে থাকাকালীন অনেক বন্ধর সঙ্গে আমার দেখা হয়েছিল।

आप कळकत्ता में कुळदिन रहेगा तो ? (আপ কলকতা মে কুছদিন রহেগা তো ?) — আপনি কলিকাতায় কিছুদিন থাকবেন তো ?

एक ह्या रहने का निश्चय किया। (এक् रक्षा त्ररान का निश्वय किया।)—এक मलार थाकरवा वरण मरन करत्रि।

तब तो फिल मूलाकात होगा। (७२ छा किन् गृनाकाल होगा।)
— णारम छा बावाब प्रथा रूप ।

সহত নুস্তাকার দ্বীনা, তিকিন পর মুদ্ধী বস্তনা স্থাহিছে। (জরুর মূলাকাত হোগা, লেকিন্ অব মুঝে চলনা চাহিএ।)— নিশ্চয়ই দেখা হবে, কিন্তু এখন আমাকে যেতে হবে।

इतनी जल्दी की क्या जरूरत है। (ইত্নী জলদীকী কা)
জক্তরত হ্যায়)—এত তাড়াতাড়ির কি দরকার ?

बहुत जरूरी काम है। (বহুত অরুরী কাম হ্যায়।)—খুব দরকারী কাজ আছে।

तब जाइए, धन्यवाद । (তব্ জাইয়ে, ধন্ইয়বাদ্ ।)— তাহলে যান, ধয়বাদ ।

ভ্यক্ষিয়ার পুদ্ররান্ত (ব্যক্তিগভ পূছ,ভাছ,)

ব্যক্তিগত জিজাসাবাদ

क्या में आपका ग्रुभनाम जान सकता हुं ? (ক্যা भँ)य আপকা শুভনাম জান সকতা হুঁ ?)—আনি কি আপনার নাম জানতে পারি ?

मेरा नाम विमल रय। (त्यदा नाम प्रियम त्रहा।) — आयात नाम विमल त्राहा।

প্রাपकी सम्र क्या है ? (আপকা উম ক্যা হ্যায়।)—আপনার বয়স কত ?

में तीस वर्ष का हूं। भँ । য় তীস্ ওরয়ব কা ছঁ।) — আমার বয়স তিরিশ বংসর।

आप मुझसे बहे है। (আপ মৃঝ্সে বড়ে হ্যায়।) — আপনি আমার থেকে বড়।

क्या आप विवाहित ? (का भाभ ध्याशिक ?)—भाभनि

में आजतक सादी नहीं किया। (भँ) य व्याख्य निवा नहीं किया।) — व्यापि व्याख्य भर्यस्थ विवाद कतिनि।

क्या आएका संयुक्त परिवार हैं ? (ক্যা আপকা সংইয়্জ পরিওয়ার হাায় ?)—আপনাদের কি একারবর্তী পরিবার ?

आप कितने भाई है १ (আপ্ কিত্নে ভাঈ হ্যায় ?) — আপনারা কয় ভাই ?

हमारा तीन भाई और एक वहन हैं। (হমারা তীন ভাঈ অওর এক্ বহন্ গ্রায়।)—আমরা তিন ভাই এবং এক বোন। आपका भाइओं से बड़ा कीन है ? (आशका छाउँ । त वड़ा करन् हाप्र ?)— आशनात छाउँ । तर्था एक वड़ ?

सवसे बड़ा में हूं। (नव्रत वड़ा माग्न हैं।)—नकरनत वड़ बागि। आपका छोटा भाईका उम्र कितना हैं? (बालका हाउँ छान्नेका उम्र किटना शाग्न ?)— बालनात हाउँ छाटेरात वग्न कड ?

मेरा छोटा भाईका उम्र सोढह साल का है। (মেরা ছোট ভাইকা উত্র সোলহু সাল কা হ্যায়।)— আমার ছোট ভারের বয়স বোলো বছর।

आपके पिताजी का नाम क्या है ? (चांशरक शिंखोरक नाम का शाह ?)— चांशनांद्र वावाद नाम कि ?

हमारा पिताजी का नाम देवेन्द्र नाथ रय। (श्याता शिषाको का नाम (प्रशासक नाथ देव्र ।)— आमारपत्र शिषात नाम (प्रतिस्थ नाथ देव्र ।

आपके पिताजी क्या काम करते है ? (आश्रक शिष्ठाको का काम कर्त्राक शास ?)—आशनात वावा कि करतन ?

वह एक निजी प्रतिष्ठान में काम करते हैं। (ওয়হ এক নিজী প্রতিষ্ঠান মে কাম করতে হঁযায়।)—তিনি একটি প্রাইভেট প্রতিষ্ঠানে কাজ করেন।

आपकी माताजी क्या काम करती हैं ? (आशको माठाको का। काम कत्र को हैं । आशको माठाको का। काम करता हैं ?

वह घरके काम करती हैं। (७३१ ् घत्र काम करा हैं।)— छिनि घरत्र काक-कर्म करतन। आप क्या काम करते हो ? (ञाल का। काम कत्र ए हा ?)— आलि कि काफ करतन ?

में मार्डन इंगलिश स्कूल का टिचर हूं। (মঁ) ग्र মার্ডন্ ইংগলিশ স্কুল কা টিচর হুঁ।)—আমি মডার্ণ ইংলিশ স্কুলের শিক্ষক।

तुम्हारे घर से स्कूल कितनी दूर है ? (जूमशांत घत तम कूम किल् नी मृत शांत्र ?)-- त्लामांत्मत्र वाज़ी त्थरक कूम कल मृत ?

लगभग एक मील। (नगलग এक मीन्।)—थाय এक मारेन। तव तो नजदीक है। (जव् जा नक्षमीक शायः)—जाशल जा काष्ट्रे।

जी हाँ, में साइकल से स्कूल जाता है। (জी হাঁ, মাঁয়ে সাইকল্ সে স্কুল জাতা হ্যায়।)—আজে হাঁা, আমি সাইকেলে স্কুলে যাই।

ভাদকা स्कूछ कितने बजे छगता है ? (আপকা স্কুল কিডনে বজে লগতা হ্যায় ?) — আপনার স্কুল কখন থেকে শুক্ল হয় ?

प्रातः दस बजे। (প্রাতহ্ দদ বজে।)—সকাল দশটায়।

প্রাণ ভাগাঁকা स्कूछ में कितने विद्यार्थी हैं ? (আপ লোগোকা সুস মেঁ কিতনে ওয়িন্ধ্য়ার্থী হঁয়ায় ?)—আপনাদের সুসে ছাত্র সংখ্যা কত ?

करोव आठ सौ होगा। (করীব আঠ সও হোগা।)—প্রায় আট শত।

पत्तिस्ति (भद्धिनिधन)

পত্র লেখার ব্যাপারে বাংলা এবং হিন্দীতে পত্র লেখার পদ্ধতি একই প্রকার। বাইরের অর্থাৎ বিদেশে বাসকারী ব্যক্তি বা আত্মীয় সঞ্জনের সঙ্গে প্রয়োজন অনুসারে আমরা পত্র লিখে থাকি। পত্র লেখার ভাষা সহজ সরল এবং স্পষ্ট হওয়া দরকার। ঠিকানা, পোষ্ট অফিসের নাম; ভাকঘরের নাম, গ্রাম হলে গ্রামের নাম বেশ স্পষ্ট করে লিখতে হবে।

পত্রের প্রথমে নিজের ঠিকানা (अपना पता) निश्च हर ।

তার পরে প্রশন্তি এবং শিষ্টাচার (प्रशस्ति और शिष्ठाचार)।

তার পরের অংশে পত্রের মূল ব্যক্তব্য (पत्र का मुख्य विषय)।

শেষে লেখকের নাম (लेखक का नाम)।

সর্ব শেষে প্রাপকের ঠিকানা (मिल्लेनेवाले का पता)।

মালনীর ব্যক্তিদের জ্ঞ—पुजनीय, परम पुजनीय।

ছোট বা শ্বেহভাজনদের—দিয়, स्नेहेर।

চিঠির শেষে লেখকের সাক্ষরের উপরে লিখতে হবে—

মাননীয় ব্যক্তিগণের জ্ঞ—স্যানঃ, জাपনাহ स्नेहेर।

ছোট বা শ্বেহভাজনদের বেলায়—নামাহ हिताकांखी।

পিভাকে পুত্রের পত্র

वर्द्धमान ४ मार्च, १६८६

पुज्य पिताजी,

में यहाँ आनन्द से हूँ। मै रोज विद्यालय जाता हुँ और ध्यान से पढ़ता हुँ। मेरी परीक्षा नजदीक है। इसलिए में ध्यान से पढ़ता हुँ। एक किताब मुक्ते बहुत जरुरी है। इसलिए मुक्ते कुळ रुपैया भेज देना। रमेश भी मेरे साथ विद्यालयमें जाता है।

में आशा करता हुँ आप शीघ्र ही हमसे मिछने आये गे। आपका प्यारा पुत्र

पता

अमल

श्रीरवीन्द्रनाथ चौधुरी १ विघान सरणी कळकता

> বর্দ্ধান ৪ মার্চ ১৯৮১

পুজনীয় বাবা,

আমি এখানে আনন্দেই আছি। আমি প্রত্যহ বিভালয়ে যাই এবং মনোযোগ দিয়ে পড়ি। আমার পরীক্ষা থ্ব নিকট, সেজ্জু আমি মনোষোগ দিয়ে পড়ছি। একখানা বই আমার বিশেষ প্রয়োজন। সেজত আমাকে কিছু টাকা পাঠাবেন। রমেশও আমার সঙ্গে বিতালয়ে যায়।

আশা করি আপনি শ্রীঘই আমাদের সঙ্গে সাক্ষাৎ করবেন।

আপনার প্রিয় পুত্র অমল

ঠিকানা শ্রীরবীন্দ্রনাথ চৌধুরী ১, বিধান সরণী কলিকাডা

পুত্রকে পিতার পত্র

दुर्गापुर १०, जानवरी १६८६

प्रिय गोपाल,

कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम सब अच्छे हो जानकर खुशी हुई। तुम भ्यान से पढ़ो। शायद एक हप्ता के अन्दर चार रोज के लिए हामारा छुट्टी मिलेगा। उस बरूत में तुम्हारा किताव ले जाउंगा।

तुम्हारे बढ़े भाइयों को चिट्टी मिली। वे लोग अब अच्छी तरह

हैं। तुम अपने खान पान पर ध्यान रखो। पढ़ने में ध्यान दिया करो। सब समय यह ध्यान रक्खो कि हम एक विख्यात डाक्टर होंगे। कुछ रूपये पैसे को यदि आवश्यकता हो तो खबर भेजना। तुम सबको हमारा आशीर्वाद। पत्र का उत्तर शीघ्र देना।

तुम्हारे पिता

पता श्रीमान गोपाल व्यानार्जी प्राम— बनगाँव पोः— बनगाँव जिला— २४ परगना

> হুর্গাপুর ১•. জাহুয়ারী ১৯৮৯

প্রিয় গোপাল,

কাল ভোমার পত্র পেয়েছি, ভোমরী সকলে ভাল আছ জেনে আনন্দিত হয়েছি। তুমি মনোযোগ দিয়ে পড়। সন্তবতঃ এক সপ্তাহের মধ্যে চার দিনের জন্ম আমার ছুটি হবে। সেই সময় ভোমার বই নিয়ে যাবো।

তোমার বড় ভাইয়ের চিঠি পেয়েছি। ধরা সব ভালোই আছে। তুমি নিজের খাওয়া-দাধয়ার উপর মনোবোগ রাখবে। পড়াগোনায় মন দেবে। পব সময় মনে রাখবে যে আমি একজন বিখ্যাত ভাক্তার হবো। কিছু টাকা পয়সার দরকার হলে খবর পাঠিও। তোমাদের স্বাইকে আশীর্বাদ, পত্রের শীঘ্র উত্তর দিও।

তোমার বাবা

ঠিকানা

শ্রীমান গোপাল ব্যানার্জী
গ্রাম—বনগাঁ
পো:—বনগাঁ
জ্বোল—২৪ পরগণা

পুত্তের পত্ত

१०, महात्मा गांधी रोड कलकत्ता-७ ८, मई १६८६

पुजनीय पिताजी,

कल आपका पत्र मिला। रानु परीक्षा मे प्रथम हुआ सुनकर बहुत खुशी हुई। कृपया वोलना में उसकी लिव की किताब ले जाउंगा। हमारा कालेज अच्ली तरह चलता है। पढ़ाई भी अच्ली तरह होती है। आप शुनकर खुशी होंगे कि मै पश्चिम वंगाल फुटवाल टीम में निवांचित होकर जून महिने में दिली जाता हुँ। अब हच्टेड का खाना अच्छा देता है। मै भी जच्छी है। माताजी की तिवयत कैसी है। माताजी और आपके चरणों में हमारा प्रणाम ! भाईयों और बहिनों को हमारा आशीर्वाद।

शीव आपलोगोंका कुशाल भेज देना

आपका प्रिय प्त्र अशोक

पता

श्रीराजेन्द्र कुमार घोष प्राम—सङ्घ्या डाकघर—फाड़पाम जिटा—मेदिनोप्र

> ১•, মহাত্মা গান্ধী রোড কলিকাডা-৭ ৮ মে. ১৯৮৯

পূজনীয় পিতাজী,

কাল আপনার পত্র পেয়েছি। রান্থ পরীক্ষায় প্রথম হয়েছে শুনে খুনী হয়েছি। দয়া করে বলবেন আমি তার ছবির বই নিয়ে যাব। আমার কলেজ বেশ ভালভাবে চলছে। পড়াশোনাও ভালই হচ্ছে। আপনি শুনে খুনী হবেন যে, আমি পশ্চিম বাংলা ফুটবল দলে নির্বাচিত হয়ে জুন মাসে দিল্লী যাচিত।

(304)

এখন হোস্টেলে খাওয়া ভালই দিছে। আমিও ভাল আছি। মায়ের শরীর কেমন ? মা ও আপনার চরণে আমার প্রণাম। ভাইদের ও বোনদের আমার অশীর্বাদ।

শীঘ্রই আপনাদের কুশল জানাবেন।

আপনার প্রিয় পুত্র অশোক

ঠিকানা

শ্রীরাজেন্ত কুমার ঘোষ গ্রাম –সড্ডিয়া পো:—ঝাড়গ্রাম জিলা –মেদিনীপুর।

বন্ধুকে পত্ৰ

३७०, रवीन्द्र सरणी कलकत्ता-६

प्रिय अनिल,

पूजा की छुट्टी समाप्त होने की है, छेकिन तुम्हारा एक भी पत्र न मिला। मैंने को पत्र तुमकें लिखा था, उसका जवाब भी नहीं मिला। मुक्ते चिन्ता हो है, तुम्हारी तबियत कैसी है।

दोस्त, में अपने बारे में लिख रहा हूँ कि मेरी छुट्टी बड़े मजे में बोती। पहले तो सोचा था छुट्टी केंसे कटेगा। लिकन मौका आगया। मामाजी को लड़की गीता को तुम जानते ही हो। उसकी बड़ा भाई अरुणको बनासमें शादी हुआ। इसिलए हमको बनारस जाना पड़ा। वहाँ एक हप्ता रहा था और खुब धुमा। विश्वेश्वर, अन्नपूर्णा की मन्दिर और मूर्ति दर्शन किया। बनारस मे जितना दर्शनीय था सब देखकर कलकत्ता आया।

कल सबेरे हम सब यहाँ लौट आये। चाचा और चाचीजी की मेरा प्रणाम और तुमको प्यार।

पता

तुम्हारा

श्रीधनिल कुमार मिश्र साकिम -बारासत दृष्कपर -बारासत जिला--२४ परगणा पश्चिम--वंगाल

जयन्त

৩৭**৽, র**বীম্র সরণী কলিকাতা-৬

প্রিয় অনিল,

পূজার ছুটি শেষ হয়ে এলো। কিন্তু তোমার একটাও পত্র পেলাম না। আমি যে পত্র তোমাকে লিখেছিলাম, তার উত্তরও পাইনি । আমার চিন্তা হচ্ছে, তোমার শরীর কেমন আছে ? বন্ধু, আমি নিজের দিক থেকে জানাচ্ছি যে, আমার ছুটি বেশ আনন্দেই কেটেছে। প্রথমে তো ভেবেছিলাম ছুটি কেমন করে কাটবে।

কিন্তু সুযোগ এসে গেল। মামার মেয়ে গীতাকে তো তৃমি লানোই। তার বড় ভাই অফুণের বেনারসে বিয়ে হলো। এজত আমাকে বেনারস যেতে হয়েছিল। সেখানে এক সপ্তাহ ছিলাম এবং খ্ব ঘুরেছি। বিশ্বেশ্বর, অন্নপূর্ণার মন্দির ও মূর্ত্তি দর্শন করেছি। বেনারসে যত শুর্শনীয় ছিল, সব দেখে কলকাতা এসেছি।

কাল সকালে আমরা সব ফিরে এসেছি। কাকা ও কাকীমাকে আমার প্রণাম এবং তোমাকে ভালবাসা।

ভোমার ভয়স্ত

ঠিকানা
শ্রীঅনিল কুমার মিত্র
সাং—বারাসত
পো:—বারাসত
জ্বোা—২৪ পরগণা (পশ্চিমবঙ্গ)

সমাপ্ত